ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com ● रांची ● आश्विन शुक्ल पक्ष 01 ● विक्रम संवत 2080 ● रविवार, 15 अक्टूबर 2023 ● वर्ष-24 ● अंक- 252 ● पृष्ठ-12 ● मूल्य ₹ 2.00

नवरात्र : पहला दिन

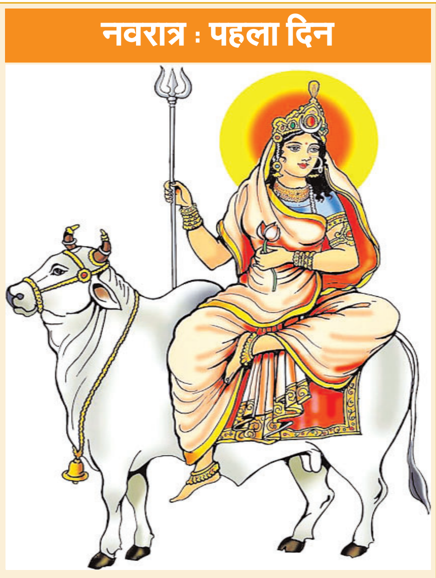

मां शैलपुत्री ध्यान मंत्रः

वन्दे वांछितलाभाय, चंद्रार्धकृतशेखराम्।
वृषारूढ़ां शूलधरां, शैलपुत्रीं यशस्विनीम्॥

अर्थात-मैं मनोवांछित लाभ के लिये अपने मस्तक पर अर्धचंद्र धारण करने वाली, वृष पर सवार रहने वाली, शूलधारिणी और यशस्विनी मां शैलपुत्री की वंदना करता हूं।

5000 होमगार्ड दुर्गापूजा में होंगे तैनात

24 जिलों में किया कॉल अप

18 से 26 अक्टूबर तक होगी तैनाती

नवीन मेल संवाददाता। रांची

दुर्गा पूजा के अवसर पर विधि व्यवस्था के संधारण के लिए राज्य के 24 जिलों में करीब 5000 होमगाड्र्स की तैनाती की जा रही है। दुर्गा पूजा में तनाती के लिए होमगार्ड के कॉल अप की स्वीकृति भी प्रदान कर दी गई है।

स्वीकृति आदेश में यह बताया गया है कि दुर्गा पूजा 2023 के अवसर पर विधि व्यवस्था के संधारण के लिए सभी जिलों के लिए 18 अक्टूबर से 26 अक्टूबर तक कुल 9 दिन के लिए 5000 होमगार्ड की तैनाती की जाएगी। 28 अक्टूबर को सभी होमगार्ड अपने-अपने जिलों में योगदान दे देंगे, जहां से

जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा उन्हें विधि व्यवस्था के संधारण में लगाया जाएगा।

एसपी करेंगे मॉनिटरिंग

झारखंड के जमशेदपुर और राजधानी रांची में सबसे ज्यादा 500- 400 होमगार्ड की तैनाती की जा रही है, जिलों में योगदान देने के बाद सभी होमगार्ड को जिलों के एसपी के द्वारा संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों पर अन्य सुरक्षा बलों के साथ तैनात किया जाएगा। कुछ स्थानों पर इन्हें ट्रैफिक के संधारण में भी लगाया जाएगा।

किस जिले को कितना मिला बल (होमगार्ड)

रांची - 400, खूंटी - 100, रामगढ़ - 150, लोहरदगा - 200, गुमला- 250, सिमडेगा - 150, जमशेदपुर- 500, चाईबासा -150, सरायकेला - 100, धनबाद -400, बोकारो - 300, पलामू - 200, गढ़वा - 150, लातेहार - 100, हजारीबाग -250,चतरा- 200, कोडरमा 300, गिरिडीह - 200, दुमका - 250, जामताड़ा- 100, साहिबगंज - 125, गोड्डा - 150, देवघर - 150

रोहित हिट, पाक चित

एजेंसी। अहमदाबाद

गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन और कप्तान रोहित शर्मा की 86 रन की आतिशी पारी से भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में विश्व कप मुकाबले में शनिवार को सात विकेट से पीट दिया और टूर्नामेंट के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ अपना अपराजेय क्रम बरकरार रखते हुए लगातार आठवीं जीत दर्ज की।भारत ने पाकिस्तान को 42.5 ओवर में 191 रन पर ढेर करने के बाद 30.3 ओवर में तीन विकेट पर 192 रन बनाकर जीत की हैट्रिक पूरी की जबकि पाकिस्तान को तीन मैचों में पहली हार का सामना करना पड़ा। आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित ने फिर एक तूफानी पारी खेली और 63 गेंदों पर 86 रन में छह चौके और छह छक्के लगाए। वहीं, शुभमन गिल और विराट कोहली ने 16-16 रन बनाये। श्रेयस अय्यर 53 और केएल राहुल 19 रन पर नाबाद रहे। श्रेयस ने भारत के लिए विजयी चौका मारा और अपना अर्धशतक पूरा किया। **(खबर पेज 12 पर)**

गागर में सागर

बाइक चोर गिरोह के सरगना सहित पांच गिरफ्तार, आठ बाइक बरामद

रांची। सदर थाना पुलिस ने कोकर के तिरिल रोड बक्सा गली से बाइक चोर गिरोह के सरगना सहित पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में सरगना बोकारो निवासी सद्दाम हुसैन, अमन अली, बंटी कुमार यादव, विशाल यादव और पप्पु कुमार यादव शामिल हैं। इनके पास से चोरी की आठ बाइक और भारी मात्रा में टूल किट बरामद की गयी है। सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने शनिवार को सदर थाने में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर गिरोह के सरगना को कोकर से गिरफ्तार किया गया। इसकी निशानदेही पर गिरोह के अन्य सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि गिरोह के सदस्य रांची से बाइक चोरी कर बोकारो में बेचते थे। साथ ही कोयला ढुलाई करने वालों को बाइक बेचा जाता था। उन्होंने बताया कि बोकारो पुलिस ने भी गिरोह के पांच सदस्यों को पकड़ा है और पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। बरामद बाइक में तीन यामहा आर वन फाइव, चार हीरो स्पलेंडर और एक टीवीएस है।

ईचागढ़ में आठ क्विंटल गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

रांची। सरायकेला-खरसावां जिले की ईचागढ़ थाना पुलिस ने एक ट्रेलर से ले जाया जा रहा 810 किलो गांजा बरामद किया है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें यूपी के बरेली निवासी वाहिद खान और धनबाद के झरिया निवासी करण कुमार गुप्ता शामिल हैं। इनका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। यह ट्रेलर रांची की ओर जा रहा था। बताया गया कि जिले के एसपी डॉ. विमल कुमार को नशे की बड़ी खेप ले जाए जाने के बारे में सूचना मिली थी। उन्होंने एसडीपीओ संजय सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर रोड पर तैनात किया। इसी दौरान चौका नामक जगह पर ट्रेलर को रोका गया। उस पर अलग-अलग पैकेट में छिपाकर आठ क्विंटल गांजा रखा था। गिरफ्तार किए गए दोनों तस्करों को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शहीद देवेंद्र मांझी को शहादत दिवस पर किया नमन, बोले

झारखंड का नव निर्माण ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि

बेहतर - गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने पर विशेष फोकस

नवीन मेल संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड हमेशा से वीरों और शहीदों की धरती रही है। यहां के अनेकों वीरों ने अन्याय और शोषण के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी। इस लड़ाई में कई ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इन्हीं शहीदों में एक नाम है-देवेंद्र मांझी, जिन्होंने जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए जान दे दी। उनके योगदान को हम कभी भुला नहीं सकते। उन्होंने कहा कि झारखंड का नव निर्माण ही शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री शनिवार को पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोईलकेरा में शहीद देवेंद्र माझी के 29वें शहादत दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने शहीद स्मारक पर माल्यार्पण कर झारखंड की माटी के वीर सपूत शहीद देवेंद्र मांझी को श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे वीरों ने झारखंड अलग राज्य के आंदोलन और आदिवासी- मूलवासी तथा जल जंगल जमीन की रक्षा के लिए लंबा संघर्ष किया। अब हमारा दायित्व बनता है कि इन शहीदों के सपनों के अनुरूप झारखंड का संवारे। यहां के लोगों को पूरे मान-सम्मान के साथ उनका हक और अधिकार दें। हमारी सरकार इसके लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा शिक्षा के माध्यम से ही बेहतर समाज और राज्य का निर्माण संभव है। ऐसे में हमारी सरकार का शिक्षा की बेहतरी पर विशेष जोर है। बच्चियां पढ़ाई नहीं छोड़े, इसके लिए उन्हें **शेष पृष्ठ 11 पर**

हाईकोर्ट से अधिवक्ता राजीव को मिली राहत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट से रांची के एससी/एसटी थाने में दर्ज कांड संख्या 56/2022 में झारखंड हाईकोर्ट के अधिवक्ता राजीव कुमार को शनिवार को बड़ी राहत मिली है। जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट ने राजीव कुमार के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी सहित इस मामले में रांची की निचली अदालत में चल रही क्रिमिनल प्रोसिडिंग को निरस्त कर दिया है। राजीव कुमार ने अपने खिलाफ एसटी/एससी थाने में दर्ज केस को निरस्त करने को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस मामले में अधिवक्ता राजीव कुमार के खिलाफ यह प्राथमिकी दीपक कच्छप ने 16 अगस्त, 2022 को दर्ज कराई थी। इसमें उसने राजीव कुमार पर आदिवासी जमीन को षड्यंत्र कर धोखाधड़ी कर बचने एवं विरोध करने पर जाति सूचक इस्तेमाल करते हुए अपमानित करने एवं जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद अपने फैसले में कहा है कि राजीव कुमार के खिलाफ आरोप सही प्रतीत नहीं होता है। कोर्ट ने राजीव कुमार की याचिका को स्वीकार करते हुए उन्हें राहत प्रदान की है।

आईसीसी वर्ल्ड कप 2023

भारत - 192/3 (30.3 ओवर)

पाकिस्तान - 191/10 (42.5 ओवर)

आज का मैच

इंग्लैण्ड बनाम अफगानिस्तान दिल्ली (2 बजे से)

टीएसपीसी के दो सब जोनल कमांडर सहित 5 गिरफ्तार

एके-56 रायफल और यूएस एम वन रायफल सहित अन्य हथियार बरामद

नवीन मेल संवाददाता। चतरा

पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के दो सब जोनल कमांडर सहित पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने एक एके -56 रायफल, एक सेमी ऑटोमेटिक एसएलआर राइफल, एक यूएस एम वन रायफल, एक 315 बोल्ट रायफल, 275 राउंड जिंदा गोली, दो देशी कट्टा, पांच मैगजीन और टीपीसी का 88 पर्चा बरामद किया है। चतरा एसपी राकेश रंजन ने शनिवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सिमरिया एसडीपीओ अशोक रविदास के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। इसमें टंडवा और सिमरिया थाना पुलिस के सहयोग से सिदालू -सतपहरी पहाड़ के जंगल में अभियान चलाकर टीएसपीसी उग्रवादी संगठन के पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार उग्रवादियों में सब जोनल प्रभात उर्फ विरासत गंझू, विशु गंझू, टीएसपीसी **शेष पृष्ठ 11 पर**

बूढ़ा पहाड़ में सात सिलिंडर बम सहित नौ आईईडी बरामद

लातेहार। लातेहार जिले में बूढ़ा पहाड़ की तराई वाले जंगलवर्ती इलाके से पुलिस ने सात सिलिंडर बम के अलावा दो आईईडी बरामद किए हैं। माना जा रहा है कि माओवादियों ने सुरक्षा बलों को उड़ाने की योजना के तहत बम प्लांट किए थे। हालांकि, सुरक्षा बलों ने करीब एक साल पहले ही बूढ़ा पहाड़ को नक्सलियों से मुक्त करा लिया था। आशंका है कि बम या तो पहले लगाए गए होंगे या फिर बूढ़ा पहाड़ से भागने के बाद नक्सलियों का कोई दस्ता फिर से पांव फैलाने की कोशिश कर रहा है।

भाकपा माओवादी हार्डकोर नक्सली नेहरू मुंडा गिरफ्तार

गुमला। पुलिस को भाकपा माओवादी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कुरूमगढ़ थाना क्षेत्र के मरवा गांव के भाकपा माओवादी के हार्डकोर नक्सली नेहरू मुंडा को गिरफ्तार किया है। नेहरू मुंडा (50) पर पुलिस पार्टी पर हमला करने का आरोप है। नक्सलियों से मिलकर नेहरू ने कुरूमगढ़ इलाके के जंगल में लैंड माइंस विस्फोट किया था, जिसमें एक पुलिस जवान का पैर उड़ गया था। इसके बाद से नेहरू फरार था।

पुलिस मुठभेड़ में घायल नक्सली का पुलिस ने किया रेस्क्यू

रांची। कोल्हान में झारखंड पुलिस का मानवीय चेहरा सामने आया है. पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में घायल एक नक्सली को पुलिस के द्वारा न सिर्फ जंगल से रेस्क्यू किया गया बल्कि उसे बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया है। कोल्हान में नक्सलियों के सफाए के लिए पिछले दो दिनों से झारखंड पुलिस के द्वारा केंद्रीय बलों के साथ मिलकर ताबड़तोड़ अभियान चलाया जा रहा है। अभियान में पुलिस और नक्सलियों के बीच कदम-कदम पर मुठभेड़ हो रहा है जिसमें नक्सलियों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। मुठभेड़ खत्म होने के बाद शनिवार की दोपहर पुलिस के द्वारा जब सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया इसी दौरान एक झोपड़ी में दर्द से कराहता एक घायल नक्सली मिला,घायल नक्सली नबालिग है. उसे घायल देख सुरक्षा बलों ने आनन फानन में रेस्क्यू कर जंगल से निकाला और फिर **शेष पृष्ठ 11 पर**

मुख्यमंत्री कल 827 हाईस्कूल शिक्षकों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्य में 827 हाई स्कूल शिक्षक अभ्यर्थियों के नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की 2016 में आयोजित परीक्षा में विभिन्न विषयों में सफल अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 16 अक्टूबर को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। रांची के स्वर्गीय रामदयाल मुंडा फुटबॉल मैदान मोरहाबादी में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग से अनुशंसित सभी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दी जायेगी। संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम, श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता के अलावे राज्यसभा सांसद महुआ माजी, रांची सांसद संजय सेठ और रांची विधायक सीपी सिंह को भी स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पूरी की जा रही है। इस संबंध में शिक्षा सचिव के रवि कुमार ने बताया कि 827 माध्यमिक शिक्षकों के नियुक्ति के बाद हाई स्कूलों में खाली पड़े शिक्षकों में कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि इस मौके पर विभाग द्वारा तैयार एक डिजिटल शिक्षा आधारित एप को भी लॉन्च किया जाएगा।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के द्वारा साल 2016 में आयोजित हाई स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति परीक्षा में सफल हुए अभ्यार्थियों को सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नियुक्ति की जा रही है, जिसके तहत 16 अक्टूबर को विभिन्न विषयों में सफल 827 अभ्यर्थियों को **शेष पृष्ठ 11 पर**

कमजोर मानसून के कारण कृषि क्षेत्र प्रभावित, जलाशयों का गिरा स्तर

किसानों की आय में बड़ी गिरावट

कृषि उत्पादन हुआ प्रभावित

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के कृषि क्षेत्र को दक्षिण-पश्चिम मानसून से काफी नुकसान हुआ है। खड़ी फसले इससे काफी प्रभावित हुई हैं, साथ ही इस साल दलहन और तिलहन जैसी प्रमुख फसलों के तहत बोए गए क्षेत्र में भी कमी आई है। देश का आधे से अधिक कृषि क्षेत्र फसल उगाने के लिए बारिश पर निर्भर करता है। इससे आगे और अधिक परेशानी हो सकती है क्योंकि अंतर को भरने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए अब महंगे आयात का सहारा लेना पड़ सकता है।

कम बारिश के कारण दालों की खेती का रकबा करीब 9 फीसदी कम हो गया है, जबकि सूरजमुखी का रकबा 65 फीसदी तक गिर गया है। उड़द, मूंग और अरहर जैसी दालों का रकबा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 5.41 लाख हेक्टेयर कम हो गया है। इसी तरह तिलहन का रकबा 3.16 लाख हेक्टेयर कम हो गया है।

इस साल राज्यों में लगभग 8.68 लाख हेक्टेयर फसल क्षेत्र बाढ़ या भारी वर्षा से प्रभावित होने की सूचना है। खरीफ फसलों की कटाई शुरू हो गई है और आने वाले हफ्तों में कुल उत्पादन में नुकसान की सीमा स्पष्ट हो जाएगी।

जून में मानसून देरी से शुरू हुआ, जिसके बाद जुलाई में अधिक बारिश हुई, उसके बाद अगस्त में कमी हुई और फिर सितंबर में पंजाब और हरियाणा जैसे देश के कुछ हिस्सों में फिर से अधिक बारिश हुई, जिससे खड़ी फसल पर असर पड़ा। इसके चलते सब्जियों, खासकर टमाटर और प्याज की कीमतों में भारी वृद्धि हुई, जिससे मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई और घरेलू बजट बढ़ गया।

किसानों की आय में गिरावट का उद्योग पर भी व्यापक प्रभाव पड़ा, क्योंकि महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी कंपनियों द्वारा बेचे जाने वाले ट्रैक्टरों और हीरो मोटोकॉर्प और बजाज जैसी ऑटो प्रमुखों द्वारा विपणन **शेष पृष्ठ 11 पर**

झारखंड में सुबह और शाम अब ठंड का होगा एहसास

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मानसून के समापन के बाद राज्य में अब मौसम शुष्क बना हुआ है। कहीं भी बारिश की संभावना नहीं है। राज्य में इस बार में मानसून 19 जून को आया था। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून के जाने के बाद मौसम में बदलाव आएगा। मानसून खत्म होने बाद राज्य में मौसम शुष्क रहेगा। जल्द ही सर्दी फिर से शुरू हो जाएगी। इस बार झारखंड में 1 जून से 30 सितंबर तक 751.3 मिमी बारिश हुई जबकि सामान्य बारिश 1022.9 मिमी है।

आने वाले कुछ दिनों में राज्य में ठंड की शुरूआत हो जायेगी। सुबह और शाम के वक्त लोगों को ठंड का एहसास होगा। दिन के समय तेज धूप के कारण लोगों को गर्मी का एहसास हो सकता है। नवंबर के बाद पूरी तरह से मौसम में बदलाव महसूस किया जायेगा। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक राज्य में मानसून अब पूरी तरह से खत्म हो चुका है। अब बारिश साइक्लोन के असर पर हो सकती है लेकिन दुर्गा पूजा तक इसके आसार काफी कम हैं। मौसम सामान्यतया खुला रहेगा, जिससे लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।

सुबह और शाम के समय न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज की जायेगी। फिलहाल सुबह और शाम के वक्त न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड की जा रही है, जिससे लोगों को हल्के ठंड का एहसास हो रहा है। हालांकि, दिन के समय औसत तापमान 27 डिग्री सेल्सियस तक रिकॉर्ड किया जा रह है। केंद्र की मानें तो नवंबर शुरू होते ही तापमान **शेष पृष्ठ 11 पर**

गागर में सागर

मुख्यमंत्री से दुर्गा पूजा समिति के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मुलाकात की। मुलाकात करने वालों में रांची महानगर दुर्गा पूजा समिति, रांची जिला दुर्गा पूजा समिति और औद्योगिक जगन्नाथपुर क्षेत्र दुर्गा पूजा समिति के सदस्य शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को सपरिवार पूजा पंडालों में भ्रमण कर मां दुर्गा का दर्शन एवं आशीर्वाद लेने के लिए आमंत्रित किया। मौके पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को माता रानी की प्रतिमा एवं चुनरी भेंटकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल ने दुर्गा पूजा समितियों द्वारा त्योहार के लिए की गई तैयारियों की जानकारी से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को दुर्गा पूजा के दौरान पूजा समितियों द्वारा प्रशासन को पूरा सहयोग करने का भरोसा दिलाया। पूजा समितियां पर्व के दौरान प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर सौहार्दपूर्ण वातावरण में मिलजुल कर दुर्गा पूजा संपन्न कराएं। इस अवसर पर रांची महानगर श्री दुर्गा पूजा समिति के अजीत सहाय, चंचल चटर्जी, जय सिंह यादव, कृष्ण मोहन सिंह, राजन बर्मन,औद्योगिक जगन्नाथपुर क्षेत्र दुर्गा पूजा समिति के वेद प्रकाश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड में हमास का सपोर्ट करने बांग्लादेशी और रोहिंग्या : बाबूलाल

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड में हमास का समर्थन करने वालों को बांग्लादेशी और रोहिंग्या हैं। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पर के माध्यम से कहा कि कांग्रेस शासित झारखंड, कर्नाटक सहित कई अन्य राज्यों में हमास आतंकवादियों के समर्थन में रैली निकाली जा रही है। इजरायल पर फिलिस्तीन समर्थित हमास द्वारा किए जा रहे कायराना आतंकी हमले की भर्त्सना पूरा विश्व जगत कर रहा है। हाफिज सईद और ओसामा बिन लादेन के प्रति सम्मान जताने वाली और 2008 मुंबई हमलों के बहाने हिन्दुओं को बदनाम करने वाली कांग्रेस का आतंक के प्रेम भाव सर्वविदित है। बाबूलाल ने सवाल उठाते कहा कि झारखंड समेत हमारे देश की प्रबुद्ध जनता ये तय करे कि आतंकियों के साथ खड़ा होने वाले ये लोग आखिर कौन हैं? इनकी मंशा क्या है? ये लोग या तो बंग्लादेशी-रोहिंग्या हैं या उनके समर्थक। बाबूलाल मरांडी ने स्वास्थ्य विभाग, झारखंड को मृतप्राय बताया है। सोशल मीडिया पर इस संबंध में सूचना साझा करते कहा कि जमशेदपुर में लगातार 33 बार फोन करने के बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंची। इससे अंततः दो गरीब महिलाएं जिंदगी की जंग हार गयीं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महज कुछ करोड़ रुपये कमीशन के चलते पहले से एम्बुलेंस का संचालन कर रही कंपनी को टर्मिनेट कर नई कंपनी को एंबुलेंस सेवा के लिए अनुबंधित किया लेकिन यह कुछ करोड़ रुपये ही झारखंड की गरीब जनता के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। हेमंत को चाहिए कि पैसों का मोह छोड़ कर जनता की सेवा के लिए ऐसी अक्षम कंपनी का अनुबन्ध तुरंत समाप्त करें। बाबूलाल ने साहिबगंज जिले में एक गर्भवती महिला को एम्बुलेंस नहीं मिल पाने के कारण उसे बहंगी में लादकर अस्पताल तक पहुंचाने के मसले पर कहा कि एम्बुलेंस अनुपलब्धता के कारण मरीजों को हुई परेशानी की खबरें लगातार आते रहती हैं लेकिन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता और उनका विभाग कोई संज्ञान नहीं लेता।

एसएसहाई स्कूल सोनाहातु में मेरी मिट्टी मेरा देश कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रांची। रांची के सोनाहातु एस एस हाई स्कूल में प्रखंड कार्यालय के कर्मियों एवं जनप्रतिनिधियों ने मिलकर विद्यालय परिसर में मेरी मिट्टी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम नेहरू युवा केंद्र संगठन के उप निदेशक सर्वेंद्र प्रताप सिंह एवं सोनाहातु प्रखंड विकास पदाधिकारी खगेश कुमार की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें मुखिया सावना महली विकास सिंह मुंडा जगबंधु सिंह मुंडा तेलवाडीह पंचायत मुखिया सरिता देवी मुखिया प्रतिनिधि फनी भूषण सिंह मुंडा प्रखंड के दर्जनों जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ो की संख्या में बिधालय के बच्चियों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। स्कूली बच्चियों एवं प्रखंड कार्यालय के कर्मियों और जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र से लाई गई मिट्टी को कलश में रख कर बिधालय परिसर से प्रखंड कार्यालय तक जुलूस निकाला जहां भारत माता की जयकार लगाते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंचे। बताएं चले कि भारत सरकार द्वारा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम की जा रही है। जो दिल्ली में 29-30-31अक्टूबर को देश के शहिदों के नाम पर 75 वीं बर्षगांठ मनाई जाएगी।इस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

परिवर्तन संकल्प यात्रा की तैयारी को लेकर भाजपा की बैठक संपन्न

सिल्ली। आगामी 27 अक्टूबर को पतराहातू मैदान में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के होने वाले परिवर्तन संकल्प यात्रा को लेकर भारतीय जनता पार्टी सिल्ली विधानसभा स्तरीय तैयारी की बैठक वन विश्रामागार सिल्ली में संपन्न हुई। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो ने एवं संचालन भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरज ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप रांची सांसद संजय सेठ, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो,पूर्व विधायक रामकुमार पाहन शामिल हुए ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद संजय सेठ ने कहा कि यह संकल्प यात्रा ऐतिहासिक होगा। बैठक में हर बूथ एवं हर पंचायत से 100 की संख्या में कार्यकर्ताओं पतराहातू प्रस्थान करेंगे। भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा को लेकर आमजनों में अपार उत्साह है। ऐसे में यात्रा को सफल बनाने को लेकर हम सभी को मिलकर कार्य करने होंगे। ऐसे में सभी पदाधिकारी जिन्हें जिम्मेदारी मिली है उसे कृतसंकल्पित होकर पूरा करना हम सबकी जिम्मेदारी है। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो ने कहा कि सभी वर्गों को जोड़ते हुए सर्वाधिक आमजन की भागीदारी बने ऐसा प्रयास करना है। पूर्व विधायक रामकुमार पाहन ने कहा कि पूरे विधानसभा को सजाना है, यात्रा का प्रचार प्रसार अधिकाधिक किया जाए। इस दौरान काफी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे। बैठक में विधानसभा स्तरीय संचालन समिति बनाई गई जिसमें भाजपा नेता धीरज महतो, प्रताप कुशवाहा चौधरी महतो, मनोज महतो, सृष्टिधर प्रजापति शामिल हैं।

श्री अग्रसेन जी युगपुरुष रामराज्य के समर्थक थे : संजय सर्राफ

नवीन मेल संवाददाता। रांची

अग्रवाल सभा, रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन एवं मारवाड़ी सहायक समिति के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया है कि महाराजा अग्रसेन जी की जयंती अश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि यानि शारदीय नवरात्रि के पहले दिन हर वर्ष अग्रसेन जी की जयंती मनाई जाती है। महाराजा अग्रसेन जी पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की 34 वीं पीढी में जन्म हुआ था। वे समाजवाद के युगपुरुष रामराज्य के समर्थक एवं महादानी थे तथा महाराजा अग्रसेन जी का विवाह नाग लोक के राजा कुमुद के स्वयंवर में राजकुमारी माधवी से हुआ। इस विवाह से नाग और आर्य कुल का नया गठबंधन हुआ। माता लक्ष्मी जी की कृपा से श्री अग्रसेन जी के 18 पुत्र हुए? इन्हीं 18 गुरुओं के नाम पर अग्रवाल समाज की स्थापना हुई जो आज भी अग्रवाल समाज 18 गोत्र के नाम से जाने जाते हैं। अग्रसेन जी धार्मिक शांति दूत प्रजा हिंसा विरोधी, बलि प्रथा बंद करने वाले करुणा निधि तथा सब जीवों से प्रेम स्नेह रखने वाले दयालु राजा थे। 15 अक्टूबर को श्री अग्रसेन जी का 5177 वां जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। अग्रवाल समाज का विकास अग्रोहा से हुआ इसके लिए किसी इतिहास आदि के प्रमाण की जरूरत नहीं है। अग्रवाल अपने गौत्रों की तरह अपने मूल स्थान को भी पीढ़ी दर पीढ़ी याद रखता है। महाभारत काल में (महाभारत में वर्णित) नकुल और कर्ण द्वारा भारत विजय के आधार पर अग्रोहा का निर्माण कलियुग से 5060 वर्ष पूर्व का माना जाता है।

महाराजा अग्रसेन जी की निकाली गई भव्य शोभायात्रा व आकर्षक झांकी

रांची। अग्रवाल सभा रांची के तत्वावधान में श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव सह 47 वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर महाराजा अग्रसेन जी का भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा महाराजा अग्रसेन भवन से प्रारंभ हुई जो की रांची नगर के प्रमुख मार्गो अप्पर बाजार, बंशीधर अडूकिया रोड, साबू रिक्शा रोड, कोतवाली शहीद चौक, पुस्तक पथ, गांधी चौक, मारवाड़ी टोला, नॉर्थ मार्केट रोड, ईस्ट मार्केट रोड, चूड़ीवाला रोड, कोर्ट सराय रोड होते हुए पुनः अग्रसेन भवन में समापन हुआ। अपराह्न 3 बजे महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना एवं प्रसाद वितरण के साथ भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में महाराजा अग्रसेन जी की भव्य एवं मनमोहक आकर्षक झांकी निकाली गई। शोभा यात्रा रांची के प्रमुख मार्गो से गुजरी जगह-जगह समाजिक संगठनों रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी सहायक समिति, माहेश्वरी सभा, ब्राह्मण सभा, कवि सम्मेलन आयोजन समिति, डा. लालचंद बगड़िया संस्थान, सहित अन्य संस्थाओं के लोगों ने अग्रसेनजी की पुष्प की बारिश,आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। पूरा नगर अग्रसेन जी की जयकारा से गूंज मान रहा। शोभा यात्रा में शामिल भजन गायको ने सुमधुर मनमोहक भजनों से पूरे माहौल को श्री अग्रसेनमयी बना दिया। पूरे मार्ग में भक्तगण जयकारा के साथ झूमते रहे, शोभायात्रा में बड़ी संख्या में अग्र बंधुओं एवं महिलाएं अग्रध्वज एवं पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। शोभा यात्रा का संचालन अग्रवाल युवा सभा ने किया।

बीआईएस ने जमशेदपुर शाखा कार्यालय में मनाया विश्व मानक दिवस

मंत्री ने विकास पर बल दिया

नवीन मेल संवाददाता। रांची

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), जमशेदपुर शाखा कार्यालय, जमशेदपुर द्वारा शनिवार को विश्व मानक दिवस मनाया गया। विश्व मानक दिवस हर वर्ष दिनांक 14 अक्टूबर को मनाया जाता है, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों को विकसित करने के लिए दुनिया भर के हजारों विशेषज्ञों के सहयोगात्मक प्रयासों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए मनाया जाता है। हर साल विश्व मानक दिवस का विषय अंतरराष्ट्रीय मानकीकरण निकायों अर्थात आईएसओ, आईईसी और आईटीयू द्वारा तय की जाती है। इस वर्ष का विषय सतत विकास लक्ष्यों के संदर्भ में बेहतर विश्व के लिए साझा दृष्टिकोण है। मंत्री ग्रामीण कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार बादल पत्रलेख ने अपने मुख्य अभिभाषण में 17 सतत विकास लक्ष्यों के लिए प्रयास करने और उसके प्रति भारत की प्रतिबद्धता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने वाले मानकों के निर्धारण को प्राथमिकता देने और स्वस्थ परिवेश को बढ़ावा देने वाले मानकों के विकास में बीआईएस द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। संयुक्त राष्ट्र की महासभा के शिखर सम्मेलन में 193 सदस्य देशों ने भी इसी लक्ष्य को अपनाया था और इसे साल 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य है, इसके बारे में लोगों को बताया । श्री एस. के. वर्मा, वैज्ञानिक- ई एवं प्रमुख बीआईएस, जमशेदपुर ने अपना उद्घाटन अभिभाषण दिया और संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्यों द्वारा अपनाए गए 17 सतत विकास लक्ष्यों के लिए प्रयास करने और उसके प्रति भारत की प्रतिबद्धता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने वाले मानकों के निर्धारण को प्राथमिकता देने और स्वस्थ परिवेश को बढावा देने वाले मानकों के विकास में बीआईएस द्वारा किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दोहराया कि सतत विकास लक्ष्य जनसांख्यिकीय परिवर्तन से लेकर आर्थिक गतिविधि के नए मॉडल तक कई चुनौतियों और अवसरों का सामना करने के लिए सर्वोत्तम हैं और इस संबंध में मानकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने उल्लेख किया कि मानक अंतरराष्ट्रीय व्यापार की नींव तैयार करते हैं और सतत विकास के लिए वैश्विक साझेदारी के कार्यान्वयन और पुनरोद्धार के साधनों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सतत विकास लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त करने और विश्?व को रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने में बीआईएस की भूमिका महत्वपूर्ण है। श्री सुभाष चन्द्र नायक, वैज्ञानिक- 'डी' एवं संयुक्त निदेशक, बीआईएस जमशेदपुर ने आईएसओ, आईईसी और आईटीयू के द्वारा प्राप्त संदेश को पढ़कर सबको सुनाया ।

पंडाल में दिखेगी झारखंड की संस्कृति की झलक

नवीन मेल संवाददाता। रांची

नवरात्रि रविवार से आरंभ हो रहा है। जिसके लिए जगह-जगह मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना कर समितियों के द्वारा आकर्षक पंडाल बनाए जा रहे हैं। श्री दुर्गा पूजा एवं रावण दहन समिति, अरगोड़ा, रांची द्वारा भी पूजा को लेकर भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। समिति के अध्यक्ष पंकज साहू ने बताया कि इस बार पंडाल में झारखंड की संस्कृति की झलक दिखाई देगी। चारों तरफ उत्सव का माहौल होगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पंडाल की ऊंचाई 45 फीट है और चौड़ाई 60 फीट है। वहीं मूर्ति की ऊंचाई 14 फीट है, लंबाई 11 फीट है। पंकज साहू ने बताया कि कोलकाता के कारीगर चंदन जेना की देखरेख में पंडाल का निर्माण कार्य चल रहा है। पंडाल के निर्माण में लगभग 30 लाख का खर्च हो रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भी लाइटिंग की विशेष व्यवस्था होगी। अरगोड़ा से लेकर मंदिर परिसर तक आकर्षक लाइट लगाए जा रहे हैं। समिति के अध्यक्ष पंकज साहू ने बताया कि पूरे नौ दिन तक समिति के द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन भी होगा, जिसमें भंडारा, आरती के साथ ही कई अन्य कार्यक्रम किए जाएंगे। मां का पट पंचमी को श्रद्धालुओं को लिए खुलेगा।

सांसद व विधायक ने संयुक्त रूप से कई सड़कों का किया शिलान्यास

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली

झारखंड सरकार ग्रामीण कार्य विभाग के तहत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज 3 के अन्तर्गत प्रखण्ड सिल्ली पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास रांची लोक सभा सांसद एवं सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने संयुक्त रुप से किया। टुटकी पंचायत के चातमबाड़ी से धरमपुर तक 8 किलोमीटर, चोरडेरा (रामडेरा) से सिंगपुर 7.95 किलोमीटर, छोटा चांगडु. से वनटोला 16 किलोमीटर का शिलान्यास शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम के दौरान रांची सांसद संजय सेठ ने कहा कि केंद्र सरकार विकास को लेकर काफी गंभीर है और कई सारी योजनाओं को चला रही है जिसका लाभ हमें मिल रहा है। महिलाओं के उत्थान के लिए भी केंद्र सरकार बहुत सारी योजनाओं पर काम कर रही है। सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने कहा कि इस सड़क के बन जाने लोगों को काफी सहुलियत मिलेगी। हमारा प्रयास रहेगा की सिल्ली विधानसभा के सुदूर वर्ती क्षेत्र में भी सड़क का निर्माण हो ताकि लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल सके। इस मौके जिला परिषद उपाध्यक्ष बीना देवी,प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बडाईक, भाजपा के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो, भाजपा के ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष विनय महतो धीरज, पूर्व मुखिया धनेश्वर वेदिया, बिनोद साहु, उपमुखिया सुकरी देवी समेत काफी संख्या मे ग्रामीण मौजूद थे।

सरसा जंगल में दिन दहाड़े सखुआ के दर्जनों परिपक्व पेड़ों को बेरहमी से काटा

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र के देवगांव पंचायत के सरसा जंगल में दिन दहाड़े खुल्लमखुल्ला सखुआ के दर्जनों पेड़ों को बेरहमी से काट दिया गया। काटने वाली महिलाओं को पूछने पर दो लोगों ने अपना नाम रौशनी और रेशमा बताया। कई लोग मोबाइल से फोटो खींचते देख जंगल के अंदर प्रवेश कर गए। लेकिन कटे हुए सखुआ के पेड़ वास्तविक हालात की गवाही दे रहे थे। काटने वाली महिलाओं ने बताया कि सूखे हुए पेड़ हैं इसलिए काट रहे हैं। महिलाओं ने बताया कि रोज सैकड़ों लोग पेड़ काट रहे हैं और अभी रुक जाइए थोड़ी ही देर में एक एक करके बाहर निकलेंगे तो देख लिजिएगा। उनसे यह पूछने पर कि कुछ सालों पहले पुरवर्ती मुखिया फूलमणी देवी और पूर्व मुखिया संतोष तिर्की के नेतृत्व में काट डाले गए पेड़ों पर रक्षा सूत्र बांध कर पेड़ों की रक्षा का संकल्प लिया था। तब महिलाओं ने कहा कि हमने कोई रक्षा सूत्र नहीं बांधा था। लेकिन पेड़ तो गैर-कानूनी ढ़ंग से बेतहाशा काटे जा रहे थे।

मथुरा व लंबोदर ने राज्यपाल के कुलपति को पदमुक्त करने के फैसले का किया स्वागत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायक मथुरा प्रसाद महतो और आजसू पार्टी के विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन द्वारा विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुखदेव भोई को पदमुक्त करने के निर्णय को जायज ठहराया है व इसका स्वागत किया है। साथ ही इसके लिए राज्यपाल के प्रति आभार भी प्रकट किया है। मालूम हो गत 9 अक्टूबर को दोनों विधायक राजभवन जाकर राज्यपाल से मिलकर विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुखदेव भोई के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई करने की मांग की थी। इसके बाद राज्यपाल ने जांच कर कर उन्हें पद मुक्त करने का आदेश दिया। दोनों विधायकों ने संयुक्त रूप से राज्यपाल को इस बात से अवगत कराया था कि कुलपति ने रानी शिक्षण संस्थान टीचर ट्रेनिंग कॉलेज एवं विधि महाविद्यालय सहित सभी बीएड कॉलेज से सात-सात लाख रुपए सहयोग राशि के नाम पर वसूली की है। यह राशि निजी बैंकों में जमा है। इसकी शिकायत किए जाने पर पांच सदस्यीय जांच समिति बनाई गई। जांच समिति ने शिकायत को सही पाया। बावजूद इसके दोषी पाए गए कुलपति के खिलाफ अब तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई है ।इसी क्रम में विधायक डॉ लंबोदर महतो ने राज्यपाल को इस बात से भी अवगत कराया था कि कुलपति का मनमाना पूर्ण रवैया बना हुआ है। आलम यह है कि कुलपति ने कई डिग्री कॉलेज में पीजी की पढ़ाई को बंद कर दिया है। यही नहीं कई कॉलेज में क्षेत्रीय भाषा की पढ़ाई को भी बंद कर दिया है और इसके स्थान पर उड़िया भाषा चालू कर दिया है। उन्हें राज्यपाल का ध्यान इस और भी आकृष्ट कराया था कि इंटर को भी बंद कर दिया है।

मतदाता सर्वेक्षण का दूसरा चरण 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक

निर्वाचन कार्यों को प्राथमिकता देनी होगी : सीईओ

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शनिवार को मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग के तत्वावधान में राज्य के 40 विधान सभा क्षेत्रों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों (ई.आर.ओ) को प्रशिक्षण दिया गया। शेष विधानसभा क्षेत्र के ईआरओ का प्रशिक्षण बीते 11 अक्टूबर को दिया जा चुका है। इस अवसर पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने विभिन्न विधानसभा क्षेत्र से आये हुए ई.आर.ओ. को आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों के क्रम में विभिन्न विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया। वहीं दूसरी ओर कार्यालय द्वारा हाल ही में कराए गए कैप सर्वे के आंकड़ों पर भी उन्होंने विस्तार से समझाते हुए सभी को अपने अपने स्तर पर तदनुरूप काम करने को निर्देशित किया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान उन्होंने राज्य भर से आए अधिकारियों को जानकारी दी कि आगामी 27 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक दूसरे चरण के घर-घर मतदाता सर्वेक्षण का कार्य किया जाना है, उन्होंने अपील की कि इस 'होम टू रोल' सर्वेक्षण कार्यक्रम को सभी अधिकारी पूरी तरह सफल बनाएंगे। उन्होंने जन प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों से भी अपील की कि वे इस सर्वेक्षण का पूरा लाभ उठाएं तथा कोशिश करें कि कोई भी ऐसा नागरिक न छूट पाए जिसकी उम्र 18 वर्ष पूरी हो चुकी हो फिर भी उसका नाम मतदाता सूची में न हो। उन्होंने बताया कि आगामी चार तिथियों 28 अक्टूबर, 29 अक्टूबर, 4 नवंबर तथा 5 नवंबर को प्रत्येक मतदान बूथ पर भी विशेष अभियान चलाया जाना है। इसके अलावा आगामी 28 नवंबर को आदिम जनजातियों के लिए, 29 नवंबर को बेघर लोगों के लिए, 30 नवंबर को 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए, 2 दिसंबर को थर्ड जेंडर व सेक्स वर्कर्स के लिए तथा 3 दिसंबर को दिव्यांग जनों के लिए भी विशेष अभियान चलाया जाना है। बता दें कि शिक्षा विभाग के समन्वय से ऐसे स्कूली छात्र-छात्राओं का अग्रिम फॉर्म-6 आवेदन भरवाये जा रहे हैं जो आगामी 1 जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं। बताया गया कि ऐसे 6.59 लाख छात्रों के फॉर्म-6 भरवा जा रहे हैं। सीईओ ने सभी अधिकारियों से कहा कि वे अपने दायित्वों के निर्वहन के क्रम में निर्वाचन कार्यों को सदैव उच्च प्राथमिकता दें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न ई.आर.ओ के अलावा मुख्य निर्वाचन कार्यालय की ओएसडी श्रीमती गीता चौबे, अवर सचिव श्री देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी (मुख्यालय) श्री संजय कुमार एवं निर्वाचन विभाग के अन्य कई संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

महालया पर अन्नापूर्णा भंडार का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

पितृ पक्ष की अमावस्या श्राद्ध दिवस और महालया के अवसर पर गुप्त दान द्वारा गुरु प्रेमी प्रभु प्रेमी भक्त के सौजन्य से निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे मे लगभग 1500 से अधिक श्रद्धालुओं ने अन्नपूर्णा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। संत शिरोमणी श्री श्री 108 स्वामी सदानंद जी महाराज के द्वारा संचालित रांची की सुप्रसिद्ध समाजिक एवं धार्मिक संस्था एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट एवं स्वामी सदानंद प्रणामी चैरिटेबल ट्रस्ट (रजि) दिल्ली शाखा रांची शहर की जानी मानी समाजिक संस्था है। गुरू महाराज के जनसेवा को समर्पित जीवन के स्वर्णिम 51 वर्ष पुरे होने के उपलक्ष्य में रांची शहर के पुंदाग स्थित संस्था के निमार्णाधीन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर (मंगल राधिका सदानंद सेवाधाम आश्रम) के प्रांगण मे गुरु प्रेमी प्रभु प्रेमीजन के एव उनके परिवार के सौजन्य से अपने माता पिता अपने परिवार के पूर्वजों की स्मृति में श्री कृष्ण प्रणामी संस्था के उपाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल सदस्य ओमप्रकाश सरावगी, पुर्णमल सर्राफ के द्वारा वहां के भक्त जनों ग्रामीणों एवं मंदिर के आस पास के रहने वाले श्रद्धालुओ ने मंदिर परिसर मे आये हुए भक्त प्रेमीयो,राहगीरों एवं बच्चों के बीच 113 वें निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का विधिवत उद्घाटन कर वितरण कार्य शुरू किया गया। आज संस्था के सदस्यो ने श्री राज श्यामा जी (राधा-कृष्ण) एव गुरू महाराज की फोटो पर चंदन वंदन कर वहा उपस्थित महिलाओं और पुरूष श्रद्धालुओं को चंदन टिका कर के भजन संकीर्तन कर मंदिर में उपस्थित ब्राह्मणों को भोजन कराकर एव ब्राह्मणों को कुछ राशी भेंट स्वरूप प्रदान कर आज की 113 वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का वितरण शुरू किया। आज के भंडारे में संस्था छोला भटुरा, बदाम पिस्ता मिश्रित केसरिया खीर, समोसा, भेजिटेबल बिरियानी, केसरिया जलेवी का पितृ पक्ष श्राद्ध दिवस की अमावस्या और महालया के अवसर पर वितरण किया गया। आज जैसे ही संस्था के निमार्णाधीन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर मे अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का विधिवत वितरण कार्यक्रम शुरू हुआ वहा उपस्थित श्रद्धालुओं ने और संस्था के सदस्यों ने श्री प्राणनाथ प्यारे की जय।

फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के जरिया नहर टोली गांव स्थित ग्रीन पार्क स्टेडियम में साऊथ हॉल यूनाइटेड के तत्वावधान में चल रहे पांच दिवसीय ऑल झारखंड फुटबॉल प्रतियोगिता शनिवार को संपन्न हो गया। फाइनल मैच बीटी एलेवन व प्रामाणिक इंटरप्राइजेज गंगा रामपुर बंगाल के बीच खेला गया। जिसमें 4 -1गोल से बीटी की टीम विजेता रही। इससे पूर्व समापन समारोह में पहुंचे बतौर मुख्य अतिथि जदयू के मांडर विधानसभा प्रभारी बिगा मिंज ग्रामीण एसपी मनीष टोप्पो डीएसपी रजत मणिक बाखला व थाना प्रभारी मुकेश कुमार हेम्ब्रम ने फाइनल मैच का उद्घाटन खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर व फुटबॉल पर किक मारकर किया।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(गव्य विकास)
जिला गव्य विकास कार्यालय, लोहरदगा

-: इच्छा की अभिब्यक्ति :-

वित्तीय वर्ष 2023–24 में लोहरदगा जिला के प्रगतिशील दुग्ध उत्पादकों/पशुपालकों को राज्य के बाहर यथा–एन0डी0डी0बी0, आनन्द, गुजरात एवं एन0डी0आर0आई0, करनाल, हरियाणा में (07–10) दिनों के प्रशिक्षण –सह– परिभ्रमण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु इच्छा की अभिब्यक्ति के तहत आवेदन आमंत्रित किया जाता है। इच्छुक पशुपालक दो दिनों के अंदर अपना पूर्ण ब्यौरा अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में जमा करेंगे।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी
लोहरदगा।

PR.NO.309163 Lohardaga(23-24):D

गागर में सागर

रांची नगर निगम ने एनसीसी कैडेट्स के बीच बांटे पौधे

रांची। नगर निगम ने शनिवार को पुरुलिया रोड स्थित संत जेवियर कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स के बीच पौधों का वितरण किया। नगर निगम के प्रशासक अमित कुमार के निर्देश पर रिलेशन्स के सहयोग से पर्यावरण जागरुकता अभियान के तहत पौधों का वितरण हुआ। सभी ने पौधे लगाकर इसका संरक्षण करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एनसीसी की डॉ प्रिया श्रीवास्तव और रिलेशन्स के निदेशक आशुतोष द्विवेदी सहित कई शिक्षक उपस्थित थे।

रोजगार का सृजन करें ताकि लंबित आवास का निर्माण हो सके पूरा : चंद्रशेखर

रांची। ग्रामीण विकास सचिव चंद्रशेखर ने शनिवार को 15 सितंबर से 10 अक्टूबर 2023 तक चले ह्यचलो करें आवास पूरा अभियान में सभी जिलों की उपलब्धि पर अनुसमर्थन दल के वरीय प्रभारी के साथ प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा की। प्रधानमंत्री आवास योजना(ग्रामीण) और बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। सचिव ने कहा कि इसका विशेष ख्याल रखें कि ज्यादा से ज्यादा रोजगार सृजित किया जाएं , ताकि लंबित आवास योजना का क्रियान्वयन बड़े पैमाने पर हो। उन्होंने कहा कि योजनाओं की जियो मैपिंग भी कराई जाए। सचिव ने कहा कि अभियान फेज टू के तहत योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया जाएगा। ग्रामीण विकास विभाग के सचिव चंद्रशेखर ने प्रधानमंत्री आवास योजना को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार बेघरों को घर देनें की योजनाओं को लेकर भी उतनी ही संवेदनशील है और इसलिए आप कोशिश करें कि जरुरतमंदों को ससमय आवास का लाभ मिले।

झामुमो कार्यालय घेरने निकले पंचायत स्वयं सेवकों को पुलिस ने रोका

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यालय का घेराव करने जा रहे पंचायत स्वयं सेवक संघ के सदस्यों को शनिवार को हरमू चौक के पास ही पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोक दिया। इससे पूर्व सरकार से अपनी मांग मनवाने के लिए कई सदस्य हरमू मैदान में जमा हुए। इनका कहना था कि वे लोग दो बार मुख्यमंत्री आवास का घेराव कर चुके हैं। इसके बावजूद सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है। प्रदेश अध्यक्ष चंद्र दीप कुमार ने कहा कि हेमंत सरकार हमारी बात सुने। बातचीत के लिए बुलाये। हमलोगों की बात को अनदेखा किया जा रहा है। आने वाले समय में संघ विधानसभा और लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करेगा। सरकार अपने वादे से मुकर रही है। 100 दिनों से हमलोगों को ठगने का काम कर रही है। जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती, आंदोलन करते रहेंगे। अब सांसद-विधायक के आवास के सामने नंग-धड़ंग प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनकी प्रमुख मांगों में पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ के दस सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन वार्ता करें, स्वयं सेवकों की सेवा स्थायी करने, नियमित मानदेय लागू किया करने, स्वयं सेवकों का समायोजन करने और संघ का नाम बदलकर पंचायत सहायक करना शामिल हैं। इस मौके पर सूर्य मोहन, रामसागर, सुनिता, रेखा, उमेश चंद्र तिरिया, दिलीप कुमार सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

बिरसा चौक से सिंह मोड़ तक चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

रांची। रांची नगर निगम, जिला प्रशासन और यातायात पुलिस की ओर से शहर के अलग -अलग हिस्सों में रोजाना अतिक्रमण मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को हटिया क्षेत्र में बिरसा चौक से सिंह मोड़ तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ठेले, खोमचे, बांस- बल्ली से बनी दुकानें, सड़क किनारे किये गये अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान दुकानदारों के सामान भी जब्त किये गये। उन्हें आगे फिर से अतिक्रमण नहीं करने की हिदायत दी गई। अभियान में नगर निगम की हल्ला गाड़ी, जेसीबी एवं सुरक्षा के मद्देनजर जवान शामिल थे।

श्री श्याम मंदिर में 83वें श्री श्याम भंडारे का किया गया आयोजन

3000 से अधिक श्रद्धालुओं ने अमृतमय महाप्रसाद किया ग्रहण

नवीन मेल संवाददाता। रांची

शनिवार को हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर 83 वें श्री श्याम भंडारे के प्रसाद का आयोजन किया गया। इस मौके पर श्री श्याम मित्र मंडल के पहले महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया व उपमंत्री अनिल नारनौली के नेतृत्व में यजमान नरेश अग्रवाल पुष्पा अग्रवाल प्रवीण अग्रवाल कुमुद अग्रवाल सच्चिदानंद अग्रवाल डा खुशबू अग्रवाल ने श्री श्याम मंदिर में विराजमान खाटूनरेश लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी शिव परिवार हनुमान जी व गुरुजनों को भंडारे का प्रसाद अर्पित कर सुख समृद्धि व खुशहाली की प्रार्थना की। अग्रवाल परिवार ने खाट ूनरेश को प्राकृतिक पंखा डोलाकर भोग स्वीकार करने की मनुहार की। भोग लगे अमृतमय प्रसाद को अग्रवाल परिवार ने वृहद भंडारे में मिलाकर महाप्रसाद बनाकर मंदिर के आचार्यों को भंडारे का प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। ज्ञातव्य है कि प्रत्येक शनिवार को हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा श्री श्याम भंडारे का आयोजन किया जाता है। 83 वें श्री श्याम भंडारा के प्रसाद में बनारसी कचोड़ी आलू परवल लौकी का सब्जी सुजी का हलवा चिप्स का प्रसाद श्री श्याम मंदिर में ही मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी की निगरानी में निर्मित किया गया था। भंडारे का वितरण समय होते-होते मंदिर परिसर भक्तों से अट गया था। हरमू रोड में लंबी-लंबी कतारें लग गई । खाटू नरेश की जय जयकारो जय घोष से संपूर्ण छेत्र गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जयकारों के बीच अग्रवाल परिवार व मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी के नेतृत्व में भंडारे का महाप्रसाद का वितरण शुरू किया गया।

सर्वपैतृ अमावस्या पर भक्तों ने भगवान से की मंगल प्रार्थना

रांची। पहाड़ी मंदिर के सन्निकट स्थित श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरूपति बालाजी) मंदिर में 14 अक्टूबर शनिवार को आश्विन मास स्नान दान- सर्वपैतृ अमावस्या तिथि पर पतितों को भी पावन करने वाले पद्मावती वल्लभ भगवान श्रीश्रीनिवास भगवान का हुआ विशेष अनुष्ठान। दयामयी श्रीमहालक्ष्मीजी समेत श्रीभगवान की कृपा दृष्टि जब जीव पर पड़ती है तब उस कृपा दृष्टि के प्रभाव से जीव भगवान के चरणों की शरण में चला जाता है। यही शुद्ध धारणा को हृदय में धारण किये तमाम श्रद्धालुओं ने अपने- अपने पितरों के सद्गति प्राप्ति की कामना से श्रीवेंकटेश्वर अष्टोत्तर शत्तनाम, श्रीलक्ष्मी अष्टोत्तर और श्रीविष्णु सहस्त्रनाम की अर्चना करायी। इसके पूर्व प्रातः भगवान का विश्वरूप दर्शन, सुप्रभातम, मंगलाशासनम, वेंकटेश प्रपत्ति आदि के बाद शास्त्रोक्त विधि से तिरुवाराधन हुआ। नक्षत्र कुंभ और कपूर से महामंगल आरती हुई और पायसान्न (खीर)महाप्रसाद का नैवेद्य भोग लगा । सर्वशोभा संपन्न भगवान् के श्रीविग्रह को सुंदर वस्त्र और आभूषणों से अलंकृत किया गया । वेद के ऋचाएं, उपनिषद मंत्र, श्रीस्तुति भूस्तुति गोदास्तुति आदि अनेकों स्तोत्रों से स्तवन किया गया। आज के पायसान्न (खीर)महाप्रसाद का भोग निवेदन किया श्री विकास- रुचिता शर्मा लालपुर राँची ने।अर्चकः श्री सत्यनारायण गौतम गोपेश आचार्य और नारायण दास ने मिलकर पूजनादि अनुष्ठान संपन्न कराया। इनकी रही सहभागिता सर्वश्री रामअवतार नारसरिया राजेश सुल्तानिया प्रदीप नारसरिया अनूप अग्रवाल रंजन सिंह सुशील लोहिया जगमोहन नारसरिया शम्भू नाथ पोद्दार प्रभाष मित्तल सुशील गाड़ोदिया ओमप्रकाश गाड़ोदिया के अतिरिक्त सैकड़ों भक्तों ने हिस्सा लिया।

शारदीय नवरात्र आज से

रांची। शारदीय नवरात्र रविवार से शुरू हो रहा है। प्रतिपदा और कलश स्थापना कर मां की आराधना शुरू की जाएगी। प्रतिपदा पूरे दिन है। इस दिन वैधृति योग दोपहर 11.56 बजे तक है; अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11.36 से 12.56 तक है। इस तिथि को माता शैल पुत्री का ध्यान किया जाएगा। पंडित मनोज पांडेय ने बताया कि ऋषिकेश पंचांग के अनुसार सोमवार को द्वितीया तिथि रात 12.19 बजे तक रहेगी। इस दिन माता ब्रह्मचारिणी का ध्यान किया जाएगा। मंगलवार तृतीया तिथि रात 12.16 बजे तक होगी। इस दिन माता चंद्रघंटा का ध्यान किया जाएगा। बुधवार चतुर्थी तिथि रात 11.42 बजे तक रहेगी। इस दिन माता कुष्मांडा का ध्यान किया जाएगा। गुरुवार पंचमी तिथि रात 10.40 बजे तक रहेंगी। इस दिन मां स्कंदमाता का ध्यान किया जाएगा। शुक्रवार षष्ठी (बेलवरण) तिथि रात 9.13 बजे तक रहेगी। इस दिन माता कात्यायनी के स्वरूप का ध्यान किया जाएगा। शनिवार सप्तमी तिथि रात 7.26 बजे तक रहेगी। माता कालरात्रि के स्वरूप की आराधना की जाएगी। महाअष्टमी तिथि संध्या 5.25 बजे तक रहेगी।

कैंसर की समस्या से झारखंड भी अछूता नहीं है : राज्यपाल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारे देश में कैंसर की समस्या बढ़ रही है और झारखंड भी इससे अछूता नहीं है। ऐसे में इस कैंसर कॉन्क्लेव का आयोजन करना एक सराहनीय प्रयास है, जिसमें टाटा मेमोरियल अस्पताल, मुंबई सहित देशभर से विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। उनके ज्ञान एवं विचारों के आदान-प्रदान से कैंसर के इलाज और मनोबल वृद्धि में सहायता मिलेगी। राज्यपाल शनिवार को महावीर मेडिका सुपर स्पेश्यलिटी हॉस्पिटल, रांची की ओर से होटल बीएनआर चाणक्या में आयोजित "मेडिका कैंसर कॉन्क्लेव" में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कॉन्क्लेव शोधकताओं और चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों को कैंसर की चुनौतियों पर चर्चा करने एवं अपने अनुभव को साझा करने की दृष्टि से उपयोगी मंच हो सकता है। इससे शीघ्र ही कैंसर का पता लगाने के नवीनतम तरीकों, बेहतर उपचार के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता को भी बढ़ावा मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि कैंसर से निजात पाने के लिए सबको एक साथ काम करना पड़ेगा। साथ ही अस्पताल को यह भी ध्यान रखना होगा कि कैंसर के मरीजों का अच्छे-से-अच्छा इलाज समुचित व्यय पर हो सके। राज्यपाल ने कहा कि हमारे देश में प्राचीन काल और सदियों से ही सेवा एवं विश्व बंधुत्व की भावना निहित है। साथ ही कहा कि स्वास्थ्य बीमा के संबंध में जागरुकता फैलाना आवश्यक है ताकि वक्त पर लोगों को इलाज में कठिनाई न हो। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अस्पताल में ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि लोगों को वहां भी स्वास्थ्य बीमा की जानकारी प्राप्त हो सके। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, राज्य के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह, डॉ राणा उदयन लहरी, डॉ मदन कुमार गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

आदिवासी सरना धर्म कोड जनसभा आठ नवम्बर को

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आदिवासी सेंगल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सालखन मुर्मू ने कहा कि आगामी आठ नवम्बर को रांची की मोरहाबादी मैदान में आदिवासी सरना धर्म कोड जनसभा आयोजित की जाएगी, जहां देश विदेश से लाखों आदिवासी सरना समुदाय के लोग जुटेंगे। उन्होंने कहा कि सेंगल का नारा है सरना कोड दो, आदिवासी वोट लो। मुर्मू शनिवार को धुर्वा स्थित पुराने विधानसभा सभागार में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में आदिवासियों को उनकी धार्मिक आजादी नहीं मिल रही। आजादी से वंचित रखने में कांग्रेस और भाजपा दोनों की सरकारें दोषी हैं। कांग्रेस ने कॉलम हटाया वही दूसरी ओर भाजपा की सरकार और संघ जबरन आदिवासी समुदाय को हिन्दू का ठप्पा लगाने पर आतुर हैं। जबकि दुनिया जानती है आदिवासी प्रकृति पूजक है न कि मूर्ति पूजक। मुर्मू ने कहा कि देश में पहली बार है जब भाजपा, किसी आदिवासी महिला को देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर राष्ट्रपति बनाई है। भाजपा के लिए सुनहरा मौका भी है कि सरना धर्म कोड की मांग पूरा कर आदिवासियों को अपने साथ जोड़ ले। चुनाव में लाभ मिलेगा।

तेली और महली को श्मशान घाट पर दाह संस्कार नहीं करने देना कानूनन अपराध

दोषियों पर सरकार करे सख्त कार्रवाई : राजेन्द्र

नवीन मेल संवाददाता। रांची

राजधानी से सटे रांची के बिजुलिया गांव में तेली और महली जाति के लोगों को श्मशानघाट पर दाह संस्कार अन्य समाज के द्वारा नहीं करने दिया जा रहा है। और तेली जाति को और महली जाति को छुत बताकर गांव छोड़ने के लिए कहा जा रहा है। इस घटना पर मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि छुआछूत और श्मशानघाट में दाह संस्कार करने नहीं देना कानून अपराध है । उन्होंने कहा कि सरकार दोषियों के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई करे। प्रसाद ने कहा कि इस घटना से आज झारखण्ड की संस्कृति और भाईचारा को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के कारण सभ्य समाज के लोगों को शर्मसार होना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज हिंदू के ठेकेदार कहां हैं? जब धर्म की बात आती है तो तेली समाज हो या महली समाज ,हिंदू के नाम से सबसे आगे आकर अपना योगदान देते हैं। लेकिन आज वे छुत हो गए। प्रसाद ने कहा कि यही कारण है कि हिन्दू समाज के कुछ ऐसी रूढ़िवादी छोटी सोंच रखने वाले ठेकेदारों के छुआछूत की नीति से हिंदू समाज को बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि ऐसी घटना की पुनार्वृति ना हो यह सुनिश्चित करे।

अब सरकारी स्कूलों के क्लास भी होंगे स्मार्ट

रांची। झारखंड का एजुकेशन डिपार्टमेंट शिक्षा की पुरानी व्यवस्था से निकलकर अब डिजिटल युग के साथ तेजी से कदम मिलाने लगा है। डिजिटल युग में अब सरकारी स्कूलों के क्लास भी स्मार्ट होंगे। अटेंडेंस और असाइनमेंट जैसी चीजों को ऑनलाइन करने के बाद अब शिक्षा विभाग बच्चों की पढ़ाई की भी ऑनलाइन व्यवस्था करने जा रहा है। इसके लिए जे-गुरुजी एप तैयार किया गया है। प्ले स्टोर पर इस एप को फ्री में डाउनलोड करने के बाद बच्चों की क्लास मोबाइल में भी उपलब्ध होगी और सरकारी स्कूलों के बच्चे डिजिटल पढ़ाई करेंगे।

युवा परिवर्तन का वाहक बनें : सुदेश महतो

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि वर्तमान स्थिति में परिवर्तन राज्य की आवश्यकता है और युवा परिवर्तन का वाहक बनें। राज्य के नव निर्माण के लिए युवाओं को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। पार्टी के हर कार्यकर्ता जनता के आम राय को एक राय बनाने में अहम भूमिका सुनिश्चित करें। सुदेश कुमार महतो हरमू स्थित केंद्रीय कार्यालय में शनिवार को आयोजित मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकार ने पदाधिकारियों की भूमिका को बदल दिया है। उनके कार्य प्रणाली के साथ आचरण भी बदल गया है। इनको मूल जिम्मेदारी से हटाकर दूसरे कार्यों में लगाया दिया गया है। इसका सीधा असर आम जनता पर हो रहा है, लोग इससे परेशान है। मिलन समारोह में बड़कागांव विधानसभा से आए जेएमएम के पूर्व पंचायत अध्यक्ष बिजेंद्र कुमार और गढ़वा के सामाजिक कार्यकर्ता शैलेंद्र कुमार सिंह उर्फ छोटन की अगुवाई में विभिन्न राजनीतिक दलों के सैकड़ों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आजसू पार्टी की सदस्यता ली।

बांझपन उपचार शिविर सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

किसानों को पशुओं के बीमारियों की दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

बीएयू अधीन संचालित रांची पशुचिकित्सा विज्ञान एवं पशुपालन महाविद्यालय, रांची और जिला पशुपालन विभाग, सिमडेगा के सहयोग से 75 वें अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के अधीन विगत शुक्रवार को पशुओं का बांझपन उपचार शिविर सह जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस मौके पर पशुओं में होने वाली बीमारियों की भी किसानों को दी गयी जानकारी। सिमडेगा घाटी जिले के कोलेबिरा प्रखंड में आयोजित इस कार्यक्रम का बतौर मुख्य अतिथि उद्घघाटन डीन वेटनरी डा. सुशील प्रसाद ने की। कार्यक्रम में कोलेबिरा के जिला परिषद अध्यक्ष, प्रमुख, सीओवीएस, रांची के नोडल अधिकारी के रूप में कार्यक्रम में डॉ. बसंत एपी ब्रीडिंग, डॉ. मधुरेन्दु एपी पैरासिटोलॉजी, डॉ. थानेश एपी ब्रीडिंग, डॉ. उमेश ज्ञानी, केवीके वैज्ञानिक डा हिमांशु व डॉ. बंधनु उरांव और जिला पशुपालन अधिकारी डा अर्जुन राम एवं भ्रमणशील पशुचिकित्सक डा अर्चना मिंज कार्यक्रम में शामिल हुए। डीन वेटनरी डॉ. सुशील प्रसाद ने पशुओं में बांझपन से राज्य में पशुधन विकास में बाधा और आय में कमी पर प्रकाश डाला। किसानों को पशुओं के बांझपन के समाधान के लिए पशुचिकित्सक और वैज्ञानिकों से उचित परामर्श प्राप्त करने पर जोर दिया। मौके पर डॉ. बसंत, डॉ. मधुरेन्दु, डॉ. थानेश, डॉ. उमेश ने पशुओं के उपचार से सबंधित तकनीकी जानकारी से अवगत कराया। मौके पर केवीके वैज्ञानिक एवं पशुपालन अधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये ।कार्यक्रम में सिमडेगा जिले के लगभग 240 किसानों ने भाग लिया । इस अवसर पर पंचायत प्रमुख, बीडीओ और अध्यक्ष जिला परिषद द्वारा किसानों के लिए एक लिफलेट जारी किया गया। शिविर में करीब 100 पशुओं की निःशुल्क चिकित्सा और किसानों को कृमि मुक्ति के लिए खनिज मिश्रण, कैल्शियम और अन्य दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। यह कार्यक्रम झारखंड के 19 आकांक्षी जिलों में केंद्रीय पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय के सहयोग से चलाये जा रहे कार्यक्रम के अधीन सिमडेगा जिले में आयोजित गया।

नगर निगम की स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता 20 से 25 अक्टूबर तक

रांची। दुर्गा पूजा के अवसर पर रांची नगर निगम की ओर से स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया जाना है। पूजा एवं त्योहारों के मौके पर अक्सर श्रद्धालुओं के द्वारा पंडालों के आसपास बचे खाद्य पदार्थों एवं अन्य ठोस अपशिष्ट को यत्र- तत्र फेंक दिया जाता है। जिससे गंदगी फैलती है। बेहतर सफाई के प्रबंधन का उत्तरदायित्व आयोजनकर्ता, स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं का भी है। इस प्रयास को प्रभावी बनाने के लिए सूडा के निर्देश के आलोक में स्वच्छ पूजा पंडाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। पूजा पंडालों का स्वच्छता मूल्यांकन 20 से 25 अक्टूबर के दौरान गठित टीम द्वारा तालिका में अंकित मापदंडों के आधार पर किया जायेगा। प्रतियोगिता कुल 120 अंक की है।

मारवाड़ी कन्या मध्य विद्यालय में प्रदर्शनी का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता। रांची

श्री शिवनारायण मारवाड़ी कन्या मध्य विद्यालय, गांधी चौक, रांची में शनिवार को अमृत महोत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्व राष्ट्रपति, बैज्ञानिक व शिक्षक डा. ए पी जे कलाम के जन्मदिन 15 अक्टूबर के आलोक में बलस्य मूलं विज्ञानं थीम के आधार पर एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । इस अवसर पर कक्षा चार से कक्षा आठ तक की छात्राओं ने 46 प्रदर्शनी प्रस्तुत किए । इनमें छात्राओं द्वारा मुख्यतः निम्नलिखित विषय पर प्रदर्शनी प्रस्तुत किए -जल चक्र ,जल संग्रहण, संरक्षण, शुद्धीकरण, वाष्पीकरण, वायुमंडल, वायु दाब, पवन चक्की, चन्द्रयान, स्टेथस्कोप, टंकी अलार्म, ओटोमेटिक स्ट्रीट लाइट आदि। शिक्षाविद एवं विज्ञान के वरिष्ठ शिक्षक जी वी एस आर एवंसलिल कुण्डु सर ने सभी प्रदर्शनी को देखा , प्रतिभागी छात्राओं से प्रश्न पूछे , उनका मार्गदर्शन किया और पुरस्कार के योग्य टीम की सूची प्रदर्शनी प्रभारी शिक्षिकाएं सुनीता ओझा एवं अनिता प्रेमलता बघेल को पुरस्कृत करने के का दायित्व दिया गया। अमृत महोत्सव का शुभारंभ वेद मंत्रोच्चारण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। सभी उपस्थित शिवनारायण जी मोदी के परिवार के सदस्यों एवं समाज के गणमान्यों को छात्राओं द्वारा निर्मित अभिनन्दन कार्ड दे कर स्वागत किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष कमल कुमार केडिया ने विद्यालय के 90 वर्ष पूरे होने की सबों को बधाई दी एवं शिवनारायण मोदी के पौत्र आनन्द मोदी, शरद मोदी, प्रपौत्र मयन्क , पौत्रवधू संगीता मोदी, प्रपौत्र वधू ऋद्धि मोदी का अभिनन्दन किया । छात्राओं द्वारा स्वागत गायन की प्रस्तुति की गई। सभी शिक्षिकाओं ने अपना परिचय देते हुए विद्यालय में प्रदत्त विशेष दायित्व को बताया। कार्यक्रम संचालन ममता शर्मा ने किया । प्रधानाध्यापिका ने छात्राओं को सिखाने हेतु की जा रही विविध कोशिशों की जानकारी दी । व्यवस्था में मीना ओझा, पिंकी रानी, मीरा कुमारी एवं कामिनी कुमारी का विशेष सहयोग रहा। सचिव ने कहा कि सही शिक्षा से ही जीवन की सभी समस्याओं का समाधान है। प्रभाकर अग्रवाल ने संस्थापकों की तत्कालीन महिलाओं को पढ़ाने की सोच व प्रयास को नमन करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया । प्रबंधन व समाज के आलोक तुलस्यान, उमाशंकर माहेश्वरी,राजेश कौशिक, पवन शर्मा , सुधीर लाल आदि उपस्थित थे।

गागर में सागर

घूसखोर अफसरों को जेल भेजने वाले लोगों को आप करेगी सम्मानित

गिरिडीह। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने वाले नागरिकों को आम आदमी पार्टी सम्मानित करेगी. उक्त बातें आम आदमी पार्टी झारखंड के प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने शनिवार को कही. उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा. भ्रष्टाचार के खिलाफ काम कर रही एंटी करप्शन ब्यूरो झारखंड में कार्यरत है. सूचना का अधिकार कानून, लोकायुक्त सहित अन्य संस्थाओं को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है. उन्होंने कहा कि वर्तमान में भ्रष्टाचार चरम पर है लेकिन जिस अनुपात में भ्रष्टाचारियों को जेल जाना चाहिए, उतना जा नहीं रहे हैं. जिसके कारण भ्रष्ट पदाधिकारी और कर्मचारी को तनिक भी डर नहीं है. श्री शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सूचना का अधिकार कानून लागू है, लेकिन सरकार और विपक्ष दोनों के कारण सूचना का अधिकार कानून झारखंड में फेल है. 25000 हजार केस झारखंड राज्य सूचना आयोग में लंबित है. पूर्व की सरकार में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 181 जब चलता था तो उससे भी भ्रष्टाचार पर बहुत अंकुश लगा था, लेकिन उसका भी कोई विकल्प वर्तमान सरकार ने नहीं निकाला. आम आदमी पार्टी ऐसे लोगों की सूची तैयार करके उनको सम्मानित करने का काम करेगी.

बोकारो : सेवाती घाटी कोयला लदा मोपेड पलटा, चालक की मौत

बोकारो। बोकारो जिले के कसमार थाना क्षेत्र में झारखंड-बंगाल की सीमा पर सेवाती घाटी में कोयला लेकर जा रहा मोपेड गहराई में जा गिरी. जिससे चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी. मृतक कसमार थाना क्षेत्र के मधुकरपुर निवासी देवेन्द्र नायक का पुत्र विश्वजीत नायक (22 वर्षीय) बताया जाता है. विश्वजीत मोपेड (संख्या जेएच 09 एएक्स 5750) से कोयला लेकर बेचने के लिए सेवाती घाटी के रास्ते बंगाल जा रहा था. ढलान में गाड़ी अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत पत्थरों से टकराकर हो गयी. घटना 13 अक्टूबर की दोपहर की है. घटना के बाद खाई में कई घंटे तक वह मृत अवस्था में पड़ा रहा. रात में गड्ढे से उसकी लाश बरामद हुई. पुलिस को बगैर सूचित किये 14 अक्टूबर की अहले सुबह उसका दाह संस्कार कर दिया गया. इस मामले पर पूछे जाने पर कसमार थाना प्रभारी उज्जवल कुमार पांडेय ने बताया कि सेवाती घाटी में ऐसी किसी तरह की घटना की सूचना पुलिस को नहीं मिली है. मालूम हो कि बेरमो थाना क्षेत्र के जारंगडीह से लेकर पेटरवार के चांपी व खेतको से अवैध कोयला खरीदकर 100 से ज्यादा की संख्या में बाइक व स्कूटर से इन दिनों कोयला ढोया जा रहा है. ये लोग पेटरवार एवं कसमार के रास्ते बंगाल में ले जाकर कोयला को महंगे दाम में बेचते हैं.

धनबाद: आइआइटी-आइएसएम अकाउंट्स बिल्डिंग में लगी आग

धनबाद। देश के अग्रणी तकनीकी संस्थानों में से एक आईआईटी-आईएसएम धनबाद के एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग के पीछे स्थित एकाउंट्स सेक्शन के कार्यालय में शनिवार की सुबह साढ़े पांच बजे आग लग गयी. अगलगी में कार्यालय में रखे लाखों के कंप्यूटर और अन्य जरूरी दस्तावेज जल कर राख हो गए. अग्निशमन विभाग के लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया. जिसकी वजह से आग मुख्य एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग तक नहीं पहुंच सकी और बड़ी घटना टल गई. मौके पर पहुंचे संस्थान के निदेशक प्रो. जेके पटनायक ने बताया कि अहले सुबह की घटना की वजह से कार्यालय में कोई नहीं था. नुकसान का आंकलन जांच के बाद ही हो पायेगा. फिलहाल आग लगने के कारण का पता नहीं चला है.

बीबीएमकेयू: मैनेजमेंट की पांच छात्राओं का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

धनबाद। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) में शनिवार को कैंपस सेलेक्शन में पांच छात्राओं का चयन बजाज कैपिटल में हुआ. कैंपस सेलेक्शन का आयोजन विवि के प्रबंधन विभाग के द्वारा किया गया था. चयनित पांच छात्राओं में निकिता शर्मा, खुशबू कुमारी, श्रुति सिंह, शीतल शर्मा एवं सिमरन कुमारी शामिल हैं. सफल छात्राओं को बधाई देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ मनुमन शरण ने कहा कि यह उनके लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है. प्रबंधन विभाग शत प्रतिशत प्लेसमेंट की प्रतिबद्धता की ओर एक कदम आगे बढ़ा है. इसके पूर्व भी विभाग के छात्रों को मल्टीनेशनल कंपनियों में बेहतर पैकेज के साथ प्लेसमेंट मिला है. संस्थान के सहायक प्राध्यापक डॉ सत्यनारायण पांडेय ने भी छात्राओं को बधाई दी.

कंगालों बस्ती को बचाने के लिए ग्रामीणों ने दिया धरना

धनबाद। शनिवार को धनबाद के रणधीर बर्मा चौक पर कंगालों बस्ती बचाव संघर्ष समिति के बैनर तले एक दिवसीय धरना दिया गया. इसके बाद ग्रामीणों ने उपायुक्त व जनप्रतिनिधियों से 14.95 एकड़ जमीन भू-माफियाओं के कब्जे में जाने से रोकने की मांग की. धरना में शामिल सांसद पशुपतिनाथ सिंह ने मीडिया से बात की. कहा कहा कि पीस कमिटी की बैठक में धनबाद उपायुक्त से बात हुई है. जिसमें कंगालों बस्ती के लोगों को पर्चा दिखाने को कहा गया है. खास कर अनुसूचित जाति के लोगों को उक्त जमीन उन्हें सरकार ने उपलब्ध कराई है.

स्वर्णरेखा नदी तट पर लोगों ने पूर्वजों का तर्पण व पिंडदान किया

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। सर्व पितृ पक्ष अमावस्या पर स्वर्णरेखा नदी तट पर लोगों ने अपने पूर्वजों का तर्पण व पिंडदान किया. पंडित दीपक पांडे ने बताया कि आज के दिन पितरों का तर्पण एवं पिंडदान करने से परिवार पर पूर्वजों का आशीर्वाद बना रहता है. आज पितृ पक्ष अमावस्या एवं महालया का संधिकाल है. रविवार से नवरात्री के कलश स्थापना के साथ ही मां दुर्गा पूजा व अराधना शुरू हो जायेगी. आज सैकड़ों की संख्या में लोगों ने स्वर्ण रेखा नदी तट पर अपने पूर्वजों व पितरों का तर्पण व पिंडदान किया. उल्लेखनीय है कि इस साल पितृ पक्ष की शुरूआत 29 सितंबर को हुई थी, जो 14 अक्टूबर यानी आज सर्वपितृ अमावस्या के साथ समाप्त हो जायेगा. आज के दिन पितरों का तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान करने का आखिरी दिन है. सनातन धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है. इस दौरान किसी भी तरह के मांगलिक और शुभ कार्यों को करने की मनाही होती है. इस दौरान केवल पितरों का श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करने का विधान है. मान्यता है कि 15 दिनों तक चलने वाले पितृपक्ष के दौरान पितर धरती पर आते हैं. सर्व पितृ अमावस्या को महालया अमावस्या, पितृ मोक्ष अमावस्या के नाम से भी जानते हैं.

'गुरुश्रेष्ठ' शिक्षक सम्मान समारोह आज

जमशेदपुर। चाकुलिया नगर पंचायत के पुराना बाजार स्थित नगर भवन में आगामी 15 अक्टूबर को नेताजी सुभाष पब्लिक वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाधान में गुरुश्रेष्ठ शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित होगा. समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड शिक्षा परियोजना की निदेशक किरण कुमारी पासी उपस्थित होंगी. इस समारोह में बहरागोड़ा विधानसभा के विद्यालयों के उत्कृष्ट शिक्षकों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया जायेगा. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियां जोरों पर हैं. यह जानकारी नेताजी सुभाष पब्लिक वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक सह विधायक समीर कुमार महंती ने दी है.

ट्रेन में चढ़ने के दौरान गिरा युवक, पैर कटा

धनबाद। धनबाद रेल मंडल के फुलारीटांड स्टेशन में शनिवार के दिन धनबाद से रांची जा रही इंटर सिटी एक्सप्रेस में चढ़ने के दौरान गिरने से युवक का पैर कट गया. दुर्घटना के बाद सूचना पाकर पहुंची रेल पुलिस द्वारा आनन-फानन में घायल युवक को धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया. जहां उसका इलाज चल रहा है. बताया जाता है कि धनबाद स्टेशन से विकास राय नामक युवक झालदा जाने के लिए ट्रेन पर सवार हुआ था. इसी दौरान वह फुलारीटांड स्टेशन में उतर गया. जब ट्रेन चलने लगी तो वह चढ़ने के दौरान ट्रेन की चपेट में आ गया.

स्कूटी से अवैध शराब जब्त, चालक फरार

धनबाद। दशहरा पर्व के नजदीक आने के साथ ही सिंदरी और बलियापुर के विभिन्न होटलों में शाम होते ही अवैध शराब से महफिल सज जाना आम बात हो गई है. इन होटलों और मयखानों को इन दिनों पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले से नदी के रास्ते नौका से अवैध शराब खपाया जा रहा है. इसी कड़ी में शुक्रवार को सिंदरी थाना क्षेत्र के दामोदर नदी घाट पर अवैध शराब लदे स्कूटी संख्या जे एच 10 सी के 3494 को स्थानीय लोगों ने दबोच लिया. दबोचने के बाद लोगों ने इसकी सूचना सिंदरी पुलिस को दी.

निरसा कोलियरी कार्यालय में 40 से 50 की संख्या में आये थे लुटेरे

20 लाख के केबल लेकर फरार हुए लुटेरे, की बमबाजी, एक की मौत

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। धनबाद जिले के निरसा थाना क्षेत्र के ईसीएल चापापुर कोलियरी में केबल लुटेरों का आतंक देखने को मिला है. दरअसल, 30- 40 की संख्या में केबल लुटेरों ने शुक्रवार की देर रात बमबाजी कर दिया. इस दौरान कोलियरी आवासीय कॉलोनी में रहने वाले संजीव कुमार कोइरी (26) की मौत हो गई. मृतक माले नेता व इसीएल कर्मी काशीनाथ कोइरी का एक मात्र पुत्र था. आक्रोशित कर्मियों एवं स्थानीय ग्रामीण ने शनिवार की सुबह कोलियरी प्रबंधक अजीत कुमार सिंह से धक्का मुक्की किया. ग्रामीणों का आरोप था कि प्रबंधन को देर तक सूचना करने के बाद भी कोई नहीं पहुंचा. कोलियरी में किसी प्रकार का कोई सुरक्षाकर्मी भी मौजूद नहीं रहता है. निरसा के गोपालगंज स्थित नया थाना से महज आधा किलोमीटर की दूरी पर घटनास्थल है. इधर, काफी संख्या में ग्रामीणों ने कोलियरी का काम काज पूर्ण रूप से ठप कर दिया है. कोलियरी परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल के अलावे सीआईएसएफ की तैनाती कर दी गई है. इस कोलियरी में लगातार तीसरे दिन केबल लूट की घटना घटी है.

क्या है पूरा मामला

इस संबंध में बताया जाता है कि शुक्रवार की देर रात करीब 1:30 बजे कोलियरी के सुरक्षाकर्मी काजल गोराई, नवनी बाउरी कार्यालय परिसर में कार्य कर रहे थे, तभी कोलियरी कार्यालय के पीछे की रास्ते से करीब 30- 40 की संख्या में बंदूक, पिस्टल, बम, तलवार से लैस अपराधी प्रवेश कर गया. हथियार के बल पर दोनों सुरक्षा कर्मियों को अपने कब्जे में ले लिया. हथियार के बल पर दोनों सुरक्षा कर्मी को बंधक बना लिया गया. जबरन उनसे स्टोर रूम का चाभी छीन लिया गया. इसके बाद अपराधियों ने करीब एक हजार मीटर केबल लूटकर ले भागा. लूटे गए केबल का मूल्य करीब दस लाख रुपया बताया जाता है. इधर, केबल लूट का हो-हल्ला सुनकर आसपास के लोग जाग गए.अपराधी कोलियरी आवासीय कॉलोनी की ओर केबल लेकर भाग रहे थे. हो-हल्ला सुनकर समीप में रहने वाले संजीव कुमार भी उठ गए. इस दौरान अपराधी ने सीधे उसके ऊपर बम फेंक दिया. बम उसके सीने पर लगा. काफी मात्रा में शरीर से खून बहने लगी. इसके बाद परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने उस रात को धनबाद स्थित अशर्फी अस्पताल ले गए. जहां चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए अन्यत्र रेफर कर दिया. इधर, रानीगंज स्थित मिशन अस्पताल में ही उसकी मौत हो गई.

बंद घर का ताला तोड़ नगद समेत 19 लाख की चोरी

चोर सीसीटीवी में कैद

नवीन मेल संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर के सीताराडेरा थाना अंतर्गत बाराद्वारी अमिता अपार्टमेंट निवासी अमित कुमार जैन के घर में चोरों ने हाथ साथ कर दिया. चोरों ने अमित के बंद घर का ताला तोड़ घटना को अंजाम दिया. घटना शुक्रवार रात की है. घटना की जानकारी अमित को तब हुई जब वह रात 10 बजे अपने घर पहुंचे. उन्होंने देखा कि घर में लगा ताला टूटा हुआ है और कमरे में रखा सारा सामान बिखरा पड़ा है. उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. जांच के दौरान पास ही लगे सीसीटीवी में चोर की तस्वीर कैद हो गई है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. चोरों ने अन्य दो फ्लैट में भी चोरी करने का प्रयास किया पर उन फ्लैट से उन्हें कुछ भी हाथ नहीं लगा. अमित ने बताया कि वे शनिवार शाम 6.30 बजे काम से साकची बाजार गये थे. रात 10 बजे घर आने पर पाया कि ताला टूटा हुआ है. चोर ने घर से 15 हजार रुपए नकद और 19.25 लाख के जेवर की चोरी की है. चोरों ने फ्लैट में तीन घरों को निशाना बनाया पर उक्त फ्लैट में बैचलर्स रहते हैं, इसलिए, उन्हें कुछ हाथ नहीं लगा. उन्होंने बताया कि उनकी मां मुंबई गई है, जबकि वे घर पर अकेले है. जून माह में ही उन्होंने यह फ्लैट खरीदा था. नवंबर माह में उनकी शादी होने वाली है. इसको लेकर गहने घर पर रखे थे. इधर, सीसीटीवी में दिखाई दे रहा है कि चोर सारा सामान एक बोरे में भरकर आराम से जा रहा है.

झारखंड में त्रिपुरा के मत्स्य पदाधिकारियों एवं मत्स्य कृषकों का केज भ्रमण कार्यक्रम आयोजित

मत्स्य बीज ज्यादा से ज्यादा संचयन करें : डॉ. द्विवेदी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। त्रिपुरा राज्य से आए हुए 24 मत्स्य कृषकों का दल, गंडाछीशा तथा कारबोक जिले के ढलाई तथा गोमती प्रखण्डों के डुमबुर जलाशय के रहने वाले कृषकों का झारखंड दौरा सम्पन्न हुआ. यह दौरा 10 से 15अक्टूबर तक तक निर्धारित था. निदेशक मत्स्य झारखंड ने त्रिपुरा से आए मत्स्य कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखण्ड के केज कल्चर तकनीक को त्रिपुरा जैसे नार्थ इस्ट राज्य में भी फैलाने की कोशिश करनी चाहिए, ताकि लोगों को अधिक से अधिक रोजगार मुहैया हो सके तथा मत्स्य उत्पादन में त्रिपुरा राज्य आगे बढ़ सके. केज कल्चर में मत्स्य आहार महत्वपूर्ण घटक है. जिसे राज्य में फीड मिल स्थापित करने की जरूरत है. त्रिपुरा से आए जतन कुमार चकमा, वृहत कुमार त्रिपुर, देव कुमार दास, उदित जमातिया, संजीत कुमार साहा सहित अन्य ने अपने विचार व्यक्त किये. मत्स्य कृषकों द्वारा झारखण्ड के केज कल्चर को सराहा गया तथा यहां के गुढ़ तथ्यों की जानकारी दी गई. उन मत्स्य कृषकों के जीवन की दशा-दिशा सुधारने का काम त्रिपुरा सरकार द्वारा किया जा रहा है जो कबीले तारीफ है. किसी भी योजना को प्रारंभ करने में दिक्कत आती है. त्रिपुरा में पहली बार केज कल्चर द्वारा मछलीपालन प्रारंभ किया गया है, जिसमें प्रारंभ में थोड़ी बहुत दिक्कते आएगी. परन्तु परेशानियों से हताश नहीं होना है. त्रिपुरा से हमलोगों का रिश्ता बना रहे, यहाँ के किसान वहाँ जाए तथा वहाँ के किसान यहाँ आए इस तरह यह रिश्ता बना रहना चाहिए. यहाँ के मत्स्य किसान वहाँ जाकर प्रॉउन, मांगुर, सिंघी, पबदा मछलियों का प्रजनन हेतु हैचरी देखने हेतु त्रिपुरा जाने तथा पालन कर कार्य को देखने हेतु निदेश दिया गया. केज के किसानों को विशेषकर ठंड में ध्यान देने की जरूरत है. केज में पालने हेतु मत्स्य बीज ज्यादा से ज्यादा संचयन करें. मनोज कुमार, संयुक्त मत्स्य निदेषक ने झारखण्ड के केज कल्चर के इतिहास के बारे में बताया. कोशिश यह रखना चाहिए कि मछली बिके तो पूरा पैसा खर्च ना करें आमदनी का कुछ हिस्सा बचा कर रखें. केज में मछली पालकों को बताया गया कि बिमारी से कैसे बचाव करें. जानकारी पहले से लेकर सजग रहें. त्रिपुरा से आये मत्स्य अधीक्षक अघोर देव बर्मन ने बताया कि झारखण्ड में केज कल्चर हेतु मत्स्य कृषकों तथा विभाग के बीच आदि सीखने की जरूरत है. निदेशक महोदय ने उत्कृष्ठ बैरकपुर के वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया जिन्होंने केज कल्चर में तकनीकी जानकारी देकर झारखण्ड को इस मुकाम तक पहुचाया है. केज कल्चर में झारखण्ड एक राज्य अग्रणी राज्य है. इसलिए, त्रिपुरा के किसान पहली बार स्थल भ्रमण करने हेतु हजारीबाग के तिलैया, सरायकेला के चांडिल जलाशय, रामगढ़ के पतरातु डैम में केज कल्चर का निरीक्षण किया.

अनियमितता

बेंच-डेस्क की खरीदारी में बुरे फंसे डीएसई

डीसी ने जांच टीम गठित की, मांगा जवाब

नवीन मेल संवाददाता

गिरिडीह। जिले में स्कूलों के लिए बेंच- डेस्क की खरीदारी में डीएसई बुरी तरह फंसते नजर आ रहे हैं. अनियमितता की शिकायत के बाद डीसी नमन प्रिय लकड़ा ने जांच के लिए अनुमंडल स्तर पर टीम गठित कर दी है. वहीं मामले में जिला शिक्षा अधीक्षक विनय कुमार को डीसी ने स्थिति स्पष्ट करने को कहा है. डीएसई के अलावा कार्यालय में लिपिक पद पर कार्यरत देव कुमार कश्यप पर लगे आरोप को लेकर भी जवाब मांगा है. डीसी श्री लकड़ा ने डीएसई को लिखे पत्र में सख्त निर्देश दिया है. कहा है कि बेंच -डेस्क खरीदी मामले में विभिन्न स्रोतों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं. मामले में उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेड़ाटांड़ के प्रधानाध्यापक अमृत साव, महेशलुंडि पंचायत के मुखिया शिवनाथ साहू से शिकायती पत्र मिला है. पत्र में डीएसई पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं. साथ ही लिपिक पर राशि मांगने का आरोप है. डीसी ने मामले में पूरी स्थिति स्पष्ट करने का निर्देश दिया है. पूछा है कि बेंच- डेस्क खरीदी में विभाग द्वारा तय मानक का पालन किया गया है? आपके द्वारा क्या प्रक्रिया अपनाई गई? विभागीय निर्देश के अनुपालन में आपने क्या किया. मिल रही शिकायत के अनुसार बेंच डेस्क खरीदी में नियमित पर्यवेक्षण नहीं किया गया. शिकायत के बाद भी मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गयी.

क्या है मामला

बेंच- डेस्क खरीदी में गड़बड़ी का मामला उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेलाटांड़ से सामने आया था. जब डीएसई के निर्देश के बाद भी प्रबंधन समिति ने भुगतान से इनकार कर दिया था. गुणवत्ता का सवाल उठाते हुए भुगतान पर रोक लगा दी गई थी. मुखिया ने भी डीएसई पर गंभीर आरोप लगाए थे. यह मामला तब चर्चित हुआ जब डीएसई का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें गुणवत्ता प्रमाण पत्र मामले में डीएसई प्रधानाध्यापक को धमका रहे थे. उन्होंने कहा था कि विभाग का हेड मैं हूं, तो गुणवत्ता का प्रमाण पत्र देने वाला एई और जेई कौन होता है. फिलहाल मामले में जांच चल रही है और डीसी को डीएसई के जवाब का इंतजार है.

सिंदरी : मदर टेरेसा हाई स्कूल में साइंस एग्जीबिशन का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

धनबाद। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के 92वें जन्मदिन से एक दिन पहले शनिवार को मदर टेरेसा हाई स्कूल में साइंस एग्जीबिशन का आयोजन किया गया. छात्र-छात्राओं ने 53 साइंस एग्जीबिशन लगायी. जिसमें साइंस के फायदे और मनुष्यों व जानवरों को हो रहे नुकसान को प्रतिकृति के रूप में दर्शाया गया. मौके पर एग्जीबिशन के मुख्य अतिथि हर्ल सिंदरी वाइस प्रेसिडेंट (उत्पादन) सह प्रतिनिधि सुरेश प्रमाणिक ने बताया कि विज्ञान के उपकरणों के अपने फायदे हैं. देश और समाज के लिए विज्ञान फायदेमंद है. उन्होंने बताया कि रोबोट इसका ज्वलंत उदाहरण है. समाजसेवी सह विद्यालय संरक्षक अंबुज मंडल ने कहा कि सिंदरी के अन्य प्राइवेट स्कूलों में मदर टेरेसा स्कूल अलग है. स्कूल गरीब बच्चों को प्रोत्साहित कर निःशुल्क शिक्षा प्रदान करती है. इस दौरान छात्र-छात्राओं ने भी विज्ञान के फायदे और नुकसान की चर्चा की. बीआईटी सिंदरी निदेशक प्रो पंकज राय ने विज्ञान से बच्चों को दूरगामी परिणाम आने की जानकारी दी. उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया. मौके पर हर्ल सिंदरी वाइस प्रेसिडेंट (उत्पादन) सुरेश प्रमाणिक, बीआइटी सिंदरी निदेशक प्रो पंकज राय, सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल सचिव शशि भूषण कुमार गुप्ता, समाजसेवी अंबुज मंडल, जन अधिकार मंच अध्यक्ष रंजीत कुमार, मासस वरिष्ठ नेता सुरेश प्रसाद, लोजपा (रा) युवा प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र द्विवेदी, कांग्रेस नेता प्रशांत कुमार दुबे, मदर टेरेसा उच्च विद्यालय सिंदरी प्राचार्य राधेश्याम प्रसाद, सविमं सिंदरी शिक्षक रागेश प्रसाद सिंह, स्कूल की छात्र-छात्राएं सहित अन्य उपस्थित रहे.

गागर में सागर

रामगढ़ थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

रामगढ़। रामगढ़ थाना परिसर में शनिवार को दुर्गा पूजा को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई । बैठक में आगमी दुर्गा पूजा सौहार्दपूर्ण व शांति पूर्ण तरीके से मनाने की बात कही गई। शांति समिति की बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी पूजा कुमारी,अंचल अधिकारी सत्येंद्र पासवान, थाना प्रभारी रोहित कुमार सहित रामगढ़ थाना क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि व पूजा कमिटी के सदस्य मौजूद थे। मौके पर थाना प्रभारी ने कहा कि दुर्गा पूजा बिल्कुल शांतिपूर्ण तरीके से मनाना है। उन्होंने उपद्रवियों को चेतावनी भी दी है कि अगर किसी ने शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश की तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी । मौके पर कमल बगड़िया, विमल बुधिया धनंजय कुमार पुटूस, प्रवीण कुमार, अजीत गुप्ता, जगतपाल प्रसाद, छोटू पटेल, अंकित सिंह, राहुल देव, अमर चटर्जी, समीर सिन्हा, भरत कुमार, नंद किशोर, सुभाष राम, श्याम, सुंदर शर्मा,राहुल मजूमदार, अकमल हुसैन आदि उपस्थित रहे।

डीएवी में कैरियर काउंसलिंग सह मोटीवेशनल संगोष्ठी का आयोजन

बरही । शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल में करियर काउंसलिंग सह मोटिवेशनल संगोष्ठी का आयोजन किया गया. बतौर मुख्यातिथि सह मुख्य प्रवक्ता दीपक झा ने बच्चों को कैरियर चयन से संबंधित जानकारी दिया. उन्होंने बताया कि कैरियर चयन किसी के दवाब या डुप्लिकेसी में नहीं बल्कि रुचि से करनी चाहिए. यह हमारे भविष्य की नींव रखता है. इसके चयन में पूरी तन्मयता और एकाग्रता आवश्यक है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी विषय की तैयारी सिर्फ परीक्षा पास करने के लिए नही बल्कि ज्ञान अर्जित करने के लिए करनी चाहिए. तभी सफलता पाई जा सकती है. प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने कहा कि विद्यालय में इस प्रकार के नियमित कार्यक्रम आयोजित किए जाते है. जिससे बच्चों के अंदर छिपे प्रतिभा का विकास होता है.

बाल विवाह रोकने के लिए बीस सूत्री अध्यक्ष ने किया जागरूकता रथ को रवाना

रामगढ़ । दुलमी बीस सूत्री अध्यक्ष सुधीर मंगलेश एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील प्रजापति ने गुरुवार को प्रखण्ड कार्यालय परिसर से कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन के सौजन्य से अग्रगति संस्था द्वारा चलाये जा रहे बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जाकर बाल विवाह के प्रति लोगों को जागरूक करने का काम करेगा। बताया गया कि बाल विवाह मुक्त भारत के लिए सितंबर से अक्टूबर तक विशेष अभियान का आयोजन किया गया है। इसके तहत पूरे प्रखण्ड में स्कूल,कॉलेज,हाट बाजार, रेलवे स्टेशन सहित अन्य जगहों पर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह रथ उन्ही स्थानों में जाकर लोगों को जागरूक करने का काम करेगा। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने टीम के सदस्यों के साथ में बैठक भी किया। साथ ही अभियान में हर संभव मदद करने का आश्वासन भी दिया। मौके पर अंजनी कुमार,गौतम शर्मा,नागेश्वर कुमार,भगीरथ महतो,भुवनेश्वर महतो ,कविता कुमारी, फूलवंती कुमारी संगीता कुमारी उपस्थित थे।

ड्राइविंग के समय मोबाइल प्रयोग का करे परहेज : इंस्पेक्टर

बरही । बढ़ते बाईक दुर्घटना को देखते हुए इंस्पेक्टर रोहित कुमार सिंह सभी दोपहिया वाहन चालकों से बाईक चलाने के क्रम में हेलमेट प्रयोग के साथ नियंत्रित गति से ही बाईक चलाने की अपील किया है. उन्होंने बताया कि बाइक दुर्घटना का अधिकांश कारण असुरक्षित गति से बिना हेलमेट की सवारी और मोबाइल का प्रयोग देखा जा रहा है. उन्होंने लोगो से दो पहिया वाहन चलाते समय मोबाइल और नशे का प्रयोग पूरी तरह वर्जित करने की सलाह दिया है. इंस्पेक्टर ने अभिभावकों से भी अपने नाबालिग बच्चो को दो पहिया वाहन का प्रयोग नहीं करने देने तथा ओवरलोडिंग से भी बचने की बात कही है. उन्होंने कहा कि जीवन अनमोल है, इसे सुरक्षित रखना भी एक महत्वपूर्ण जिम्मेवारी है.

उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति की बैठक

घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें : डीडीसी

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। समाहरणालय सभाकक्ष में उप विकास आयुक्त रामगढ़ रोबिन टोप्पो की अध्यक्षता में जिला गंगा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने सर्वप्रथम जिला गंगा समिति की पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की जानकारी नोडल पदाधिकारी नमामि गंगे योजना सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार सहित समिति के अन्य सदस्यों से ली। नमामि गंगे योजना के तहत गंगा एवं उसकी सहायक नदियों तथा अन्य जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से संचालित भुवन गंगा एप के माध्यम से चिन्हित किये गए रामगढ़ जिले के विभिन्न जल स्त्रोतों में ड्रेनेज व डंप स्थलों की जानकारी उप विकास आयुक्त ने जिला जनसंपर्क पदाधिकारी से ली एवं कार्य में प्रगति लेन संबंधित महत्वपूर्ण निर्देश दिया। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी द्वारा उप विकास आयुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को 1 नवंबर से 08 नवंबर तक आयोजित होने वाले गंगा उत्सव की जानकारी दी गई। जिसपर उप विकास आयुक्त ने गंगा उत्सव को वृहत्त रूप से आयोजित करते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों को नमामि गंगे योजना के उद्देश्य के प्रति जागरूक करने हेतु जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय कर विद्यालय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों को आयोजित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल अनील प्रसाद गुप्ता तथा सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद को सईयाओं के द्वारा घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने एवं गंगा शपथ दिलाने का निर्देश दिया। वहीं उन्होंने नमामि गंगे योजना के तहत गंगा उत्सव के दौरान छावनी परिषद एवं नगर परिषद को अपने अपने क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान एवं वृक्षा रोपण करते हुए फोटोग्राफ और वीडियोग्राफ जिला जनसंपर्क कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने दामोदर बचाओ संस्था के प्रतिनिधि गोविंद मेवाड़ को जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर दिनाक 06 नवंबर को स्थल चयनित करते हुए नमामि गंगे योजना के तहत मैराथन दौड़ आयोजित करते हुए लोगो को जागरूक करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सीसीएल रजरप्पा को भी 08 नवंबर को जिला स्तर पर गंगा उत्सव से संबंधित वृहत्त रूप से मैराथन दौड़ आयोजित करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त टोप्पो ने टाटा ग्रुप को उनके क्षेत्र में पड़ने वाले 14 ग्राम पंचायतों में वृक्षारोपण एवं श्रमदान कार्यक्रम करते हुए विडियोग्राफ एवं फोटोग्राफ जिला जनसंपर्क कार्यालय रामगढ़ को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने सहायक अभियंता लघु सिंचाई प्रमंडल रामगढ़ को जिले के विभिन्न स्थानों पर हस्ताक्षर अभियान एवं सेल्फी पॉइंट के द्वारा लोगो को जागरूक करने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को इस वर्ष के लिए बनाए गए कैलेंडर के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करने, रामगढ़ जिले को धार्मिक रूप से पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करने सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

महिला मुक्ति-जनसाहस संस्था ने प्रवासी मजदूरों को दिया प्रशिक्षण

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पंचायत गोरहर के बाराटांड में महिला मुक्ति संस्था एवं जनसाहस संस्था के एमआरसी टीम के द्वारा प्रवासी मजदूरों एवं इनके परिवारों को प्रवास पूर्व प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जन साहस संस्था के राज्य समन्वयक स्वेता गुड़िया,फील्ड ऑफिसर रोहित कुमार,सत्येंद्र कुमार यादव ,जेएसएफ जरीना खातून, आरसीएफ प्रेमा कुजूर,जनसाथी नीलम कुमारी उपस्थित थी। इस दौरान स्वेता गुड़िया ने सुरक्षित पलायन के बारे में बताया कि मजदूर लोग प्रवास से पूर्व अपने पंचायत में पंजीकृत करवा कर निकले साथ ही लेबर ऑफिस हजारीबाग में पंजीकृत करवा कर ही प्रवास करे। वही क्षेत्र अधिकारी रोहित कुमार ने बताया की लेबर ऑफिस में पंजीकृत करवाने तथा कार्य के दौरान क्या करना है आदि बातों की जानकारी आप लोगों को रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अगर किन्ही मजदूर का ठिकेदार या मालिक के द्वारा काम करवा कर मजदूरी का पैसा नही देता है तो मजदूर हेल्प लाइन नंबर पर कॉल कर के सहायता ले सकते है। लोगों को बीओसीडबल्यू कार्ड, इ श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आभा कार्ड, सामाजिक सुरक्षा योजनाओ आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। साथ ही महिलाओं से शोषण के विरुद्ध महिला हेल्पलाइन नंबर के संबंध में जानकारी दी गई। बताया की समस्या होने पर मजदूर हेल्प लाइन नंबर 18002000211 तथा महिला हेल्पलाइन नंबर 180030002852 पर कॉल कर मदद ले सकते हैं।

मृतक के परिजनों से मिले विधायक, दिया सांत्वना

बरही । बीते रात्रि धनबाद रोड मिडल स्कूल के पास हुए सड़क दुर्घटना में कुटमा निवासी संतोष हादसा का घटनास्थल पर मौत हो गया था. शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने अंत्यपरीक्षण के लिए हजारीबाग भेज दिया था. जिसे शनिवार को परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया. दुर्घटना की सूचना से आहत स्थानीय विधायक उमाशंकर अकेला यादव अपने समर्थको संग मृतक के परिजन से मिलने उनके गांव कुटमा पहुंचे. उन्होंने परिजनों को सांत्वना और ढांढस देते हुए मृतात्मा की शांति हेतु ईश्वर से कामना किया. पीड़ित परिवार को अपने स्तर से हर संभव मदद करने की बात कही. साथ ही पीड़ित परिवार को भविष्य में हर संभव सरकारी सहयोग दिलाने का आश्वासन भी दिया. मौके पर राजदेव यादव, बाबूलाल मुर्मू, रवि सिंह, सोनाराम हांसदा, जगदीश यादव, बासु मुर्मू, राजू बास्के, जगदीश हांसदा, रामजी सोरेन, भोला सिंह, रामजी यादव सहित अन्य दर्जनों लोग मौजूद थे. दूरभाष पर विधायक ने बताया कि दुर्घटना के संबंध में बरही थाना में उन्होंने इंस्पेक्टर से मुलाकात कर पूरी जानकारी ली है. साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश भी दिया है.

टीबी मुक्त भारत 2025 को लेकर बैठक आयोजित

'सबकी सहभागिता से ही टीबी मुक्त भारत अभियान होगा सफल, साथ दें'

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। गोला प्रखंड सभागार में शनिवार को उपायुक्त चंदन कुमार के निर्देशानुसार सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद के निर्देशन में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ स्वराज की अध्यक्षा में टी बी मुक्त ग्राम पंचायत जागरूकता अभियान के तहत मुखिया और वार्ड सदस्यों एवं पंचायत समिति सदस्यों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान डॉ स्वराज ने ग्राम पंचायत के माननीय मुखिया ,वार्ड सदस्यों एवं सामुदायिक सदस्यों को टी बी मुक्त ग्राम पंचायत बनाने के लिए जागरुक किया और टीबी उन्मूलन के लिए सामुदायिक सहभागिता के द्वारा टी बी मुक्त ग्राम पंचायत तथा रामगढ़ जिले को 2025 तक टी बी मुक्त करने हेतु किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी । वहीं, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डा स्वराज ने उपस्थित सामुदायिक सदस्यों को टी बी के लक्षण बताते हुए कहा कि टीबी बीमारी का इलाज संभव है और जिला यक्ष्मा विभाग सभी टी बी यूनिट में निःशुल्क जांच कर टी बी मरीजों के पहचान और निःशुक्ल दवा उपलब्ध कराने के साथ-साथ डिबीटी के माध्यम से 500 रुपए प्रतिमाह पोषण युक्त खान पान के लिए इलाजरत टीबी मरीज को दिया जाता है। उपायुक्त रामगढ चंदन कुमार की. पहल से निश्चय मित्र टाटा स्टील फाउंडेशन घाटो द्वारा प्रोटीन युक्त पोषण पैकेट प्रतिमाह इलाजरत टी बी मरीज को दिया जा रहा है सामुदायिक सहभागिता के तहत जनप्रतिनिधि अपने-अपने पंचायत में टी बी के संदिग्ध लक्षण वाले व्यक्ति को जैसे दो सप्ताह से खांसी होना, शाम में बुखार आना,भूख ना लगना,वजन कम होना, छाती में दर्द होना ,मधुमेह के रोगी इत्यादि लक्षण हो तो वैसे व्यक्ति को उत्प्रेरित कर सहिया के सहयोग से या स्वयं नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर भेजकर संदिग्ध मरीज की जांच करवाने में मददगार बनें, अगर जांच उपरांत पाज़िटिव होने पर टीबी की दवा निःशुक्ल रोगी के घर पर उपलब्ध करायी जाती है ।ज़िला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ स्वराज ने जनप्रतिनिधियों से सामुदायिक सहभागिता पर जोर देते हुए आनुरोध किया कि आप सभी लोग सहयोग करें तो टी बी मुक्त ग्राम पंचायत का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

श्रमदान करने वालों के बीच मानव विकास संस्था ने किया कीट का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के चेचकपी पंचायत अंतर्गत ग्रामीणों ने बीते दिनों श्रमदान कर ग्राम पिपराही से ग्राम धोबारी टोला लस्करी तक तीन किलोमीटर तक रोड मरम्मती कार्य किया।ज्ञात हो कि इस मार्ग से काफी लोगों का आना जाना होता है। रोड मरम्मती में चेचकपी पंचायत मुखिया रीता देवी और सरपंच सुरजमुनी देवी का अहम भूमिका रही। इस कार्य के लिए गूंज के सहयोग से मानव विकास संस्था ने श्रमदान करने वालों के बीच शुक्रवार को कीट का वितरण करते हुए हौसला अफजाई किया। वितरण के दौरान उपस्थित संस्था के सचिव बीरबल प्रसाद ने कहा की हर जनहित कार्य करने वालों को संस्था के द्वारा सहयोग किया जाता रहा है और यह कार्य आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने लोगों से जनहित कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। मौके पर मुखिया रीता देवी,पंसस सुरजमुनी देवी,अंजू देवी,मोनिका देवी, रोज बेनित एक्का,राहुल कुमार समेत आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

मटवारी गांधी मैदान में ड्रीम सिटी डिज्नीलैंड मेला शुरू

हजारीबाग। हजारीबाग के मटवारी गांधी मैदान में शनिवार से ड्रीम सिटी डिज्नीलैंड मेला शुरू हो गया. जिसका उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग सदर विधायक मनीष जायसवाल ने किया. यह मेला एक महीने से अधिक दिनों तक यहां चलेगा। इस मेले में आम जनता के स्वास्थ्य और मनोरंजन के कई साधन मौजूद हैं. हस्तशिल्प वस्तुओं और भारत के विभिन्न हिस्सों के कारीगरों से निर्मित कई प्रकार के परिधान, सौंदर्य सामग्री, खाद्य सामग्री, सजावटी वस्तु सहित अन्य प्रकार के सामानों की खरीदारी एक ही स्थल पर कर सकेंगे. वहीं बच्चों और परिवार जनों के साथ कई प्रकार के झूले, भूत महल, ठेले खोमचे के टेस्ट का आनंद और मनोरंजन उठा सकेंगे. डिजनीलैंड मेले के प्रवेश द्वार को सिमेंटेड ईंट के थीम पर लंदन ब्रिज का लुक दिया गया है और मेले के झूले को रंग-बिरंगे विद्युतीय सज्जा से सजाया गया है.

अबुआ वीर दिशोम अभियान के तहत वनाधिकार समिति गठित

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार चलाए जा रहे योजना अबुवा वीर दिशोम अभियान 2023 के तहत सलैया पंचायत में क्रियान्वयन तथा वनाधिकार समिति का पुनर्गठन किया गया। जिसमें पंचायत अंतर्गत आने वाले सलैया और बरवॉ ग्राम में ग्राम सभा आयोजित कर वन समिति का पुनर्गठन किया गया। गठन प्रक्रिया की अध्यक्षता सलैया पंचायत मुखिया इंद्रदेव प्रसाद ने किया।सर्व प्रथम सलैया गांव में जल जंगल की सुरक्षा हेतु सर्वसम्मति से 15 सदस्यीय टीम का गठन किया गया,जिसमें सलैया के लिए अध्यक्ष बबुनी महतो तथा सचिव लालमोहन दास मनोनीत हुए। तत्पश्चात बरवॉ गांव में भी सर्वसम्मति से पन्द्रह सदस्यीय टीम का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष राजकुमार प्रसाद व सचिव बेवी देवी का चयन किया गया। चयनित अध्यक्षों को मुखिया संघ अध्यक्ष इंद्रदेव प्रसाद ने बुके देकर सम्मानित किया। साथ ही पारदर्शिता के साथ कार्य करते की अपील की। मौके पर पंचायत सचिव उदित नारायण बर्मन ,बीएफटी त्रिवेणी प्रसाद,अर्जुन प्रसाद ,बुलाकी प्रसाद आदि उपस्थित थे।

रंगारंग कार्यक्रम | संत जेवियर्स स्कूल में लगी बहुआयामी द्विवार्षिक प्रदर्शनी

छात्रों ने 198 मॉडल बना दिखाई अपनी प्रतिभा

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। संत जेवियर्स स्कूल हजारीबाग में शनिवार को परवाज कार्यक्रम के तहत बच्चों की कल्पनाओं ने वैज्ञानिक उड़ान भरी. इस बहुआयामी द्विवार्षिक प्रदर्शनी में विभिन्न विषयों पर आधारित 198 मॉडल बना अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया.इनमें विज्ञान, मानविकी, वाणिज्य, गणित, भाषा और सूचना प्रौद्योगिकी के एक-से बढ़कर एक मॉडल शामिल थे. विज्ञान के क्षेत्र में ट्रेन की टीआई दुर्घटना को रोकने से संबंधित मॉडल, वेस्ट मैनेजमेंट आदि नमूने दिखाए गए. अंग्रेजी के प्रतिरूप में शब्दकोश पर आधारित खेल का टीआई नमूना अत्यधिक आकर्षक था. गणित के क्षेत्र में पाइथागोरस थ्योरम, प्रो पर्सनालिटी थ्योरम, कॉरिडेट ज्यामिति आदि तथा कंप्यूटर में सूचना प्रौद्योगिकी में आधुनिकीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित ऐप को कोडिंग किया गया था. वाणिज्य के क्षेत्र में बच्चों की बहुमुखी प्रतिभा नजर आई. कठपुतली पर आधारित प्रतिरूप सबके आकर्षण का केंद्र रहा. सामाजिक विज्ञान में जियो पॉलिटिक्स, ऐतिहासिक विकास में आधुनिक नवाचार, ग्रीन सिटी, सतत पोषणीय विकास आदि से संबंधित मॉडल प्रस्तुत किए गए. वाणिज्य में क्रिप्टो करेंसी को दशार्या गया. कक्षा चार और पांच के बच्चों ने आकर्षक हस्तकला प्रस्तुत किए. प्रदर्शनी में कक्षा 4 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. यह प्रदर्शनी ह्लगो ग्रीनह्व विषय पर आधारित थी. मुख्य आकर्षण यह था कि मॉडल जैव निम्नीकरणीय सामग्रियों से बने थे और इनमें प्लास्टिक या थमोकोल का कोई उपयोग नहीं किया गया था. इससे पहले प्रदर्शनी का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि विनोबाभावे यूनिवर्सिटी के यूसीईटी के निदेशक प्रो. डॉ. ए. के. साहा, और एंडोस्कॉपिक और विशिष्ट अतिथि लैप्रोस्कॉपिक के सर्जन डॉ. अमर कुमार ने विद्यालय के प्राचार्य फादर रोशनर खलखो एस. जे., फादर रंजीत और सिस्टर करुणा के साथ किया. फिर बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी. अतिथियों और प्राचार्य ने बच्चों का उत्साह बताया. वहीं डॉ. देवव्रत मित्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया. स्कूल एंथम के साथ प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ.

राधा गोविंद विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में बायो टेक्नोलॉजी विभाग एवं माइक्रोबायोलॉजी विभाग द्वारा दो दिवसीय हस्त प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कॉरपोरेट ट्रेनर के रूप में डॉ. रूपक रॉय और मिस प्रिया मित्रा उपस्थित थे। मौके पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी .एन. साह ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि पीसीआर टेक्नोलॉजी प्रशिक्षण के बाद बच्चों को बायोटेक्नोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में आगे बढ़ने का एक सुनहरा अवसर प्राप्त हो सकेगा। जबकि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर डॉ शुक्ला महंती ने कहा कि हस्त कार्यशाला प्रशिक्षण छात्रों के भविष्य के लिए लाभदायक होगा। वहीं, कुलसचिव डॉ निर्मल कुमार मंडल ने हस्त कार्यशाला प्रशिक्षण की महत्व को बताते हुए कहा कि प्रशिक्षण माध्यम से बच्चे अपने शिक्षण-प्रशिक्षण स्किल को बेहतरीन बनाकर इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित राधा गोविंद शिक्षा स्वास्थ्य ट्रस्ट के सचिव प्रियंका कुमारी ने बच्चों को उत्साहित करते हुए कहा कि हस्त कार्यशाला प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों का उज्जवल भविष्य के लिए नए द्वार खुल सकते हैं। मौके पर वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ.अशोक कुमार सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ. रश्मि ,समिति के सदस्य अजय कुमार, डॉ पूजा कुमारी जयसवाल , डॉ मुकेश गुप्ता डॉ. सत्य प्रकाश एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष , व्याख्यातागण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

गागर में सागर

कोडरमा : वाहन चेकिंग अभियान के दौरान 4 हाइवा जब्त

कोडरमा। शुक्रवार देर रात अनुमंडल पदाधिकारी संदीप कुमार मीना के नेतृत्व में जिला खनन टास्क फोर्स के सदस्यों ने चंदवारा और नवलशाही थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान चलाया. चेकिंग के दौरान 4 हाइवा को जब्त किया गया. खनिज लदे वाहनों का सघन चेकिंग अभियान के दौरान 1 वाहन को पकड़ा गया, जिसमें बोल्डर लदा हुआ था. वहीं नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत खनिज लदे वाहनों की जांच के दौरान 3 वाहनों को पकड़ा गया, जिसमें गिट्टी लदा हुआ था. खक्टटर ढढ्ढ१३' पर जाँच करने पर भी उक्त सभी वाहनों में लदे खनिज का कोई परिवहन चालान प्रदर्शित नहीं हुआ. वाहनों में लदे खनिज के बावत किसी प्रकार का कागजात, परिवहन चालान नहीं पाये जाने पर जिला खनन टास्क फोर्स के सदस्यों द्वारा सभी वाहनों को जब्त कर लिया गया. थाना में वाहनों को रखा गया है. मौके पर जिला खनन पदाधिकारी दारोगा राय और पुलिस बल के जवान मौजूद थे.

कोडरमा: गडगी पानी टंकी मैदान में क्रिकेट टूर्नामेंट आज से

कोडरमा। जयनगर प्रखंड अंतर्गत गडगी पानी टंकी मैदान में आजाद हिंद क्लब द्वारा रविवार को क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा. मुख्य अतिथि बरकठ्ठा विधायक अमित कुमार यादव एवं जिप उपाध्यक्ष निर्मला देवी रहेंगी. वहीं, उद्घाटनकर्ता के रूप में पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव, जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, प्रमुख अंजू देवी, राजद प्रदेश, उपाध्यक्ष सह मुखिया राजकुमार यादव आदि स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल होंगे. उद्घाटन मैच गझंडी (कोडरमा) बनाम बरकठ्ठा (हजारीबाग) के बीच खेला जाएगा. उक्त जानकारी लक्ष्मण यादव व बब्लू यादव ने दिया.

शराब के खिलाफ पुलिस ने अभियान चलाकर जावा महुआ किया नष्ट

कोलेबिरा। कोलेबिरा थाना क्षेत्र अंतर्गत कोलेबिरा थाना प्रभारी इंद्रिश कुमार के निर्देशानुसार एक टीम गठित कर एएसआई इंद्जीत समद, एएसआई जितेंद्र सिंह के द्वारा अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ताबड़ तोड़ अभियान चलाया. वहीं मौके पर अवैध शराब के खिलाफ कोलेबिरा थाना क्षेत्र अंतर्गत बरवाडीह से 200 किलोग्राम के लगभग जावा महुआ को नस्ट किया गया। कोलेबिरा थाना प्रभारी इंद्रिश कुमार ने बताया की सिमडेगा जिला पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार के आदेश अनुसार सिमडेगा जिला में अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है ताकि पूर्ण रूपेण अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री का कार्य बंद हो सके। साथ ही सभी अवैध शराब निर्माण कारोबारियों से शक्त अपील किया गया है कि अवैध शराब का कार्य अविलंब बंद करे अन्यथा पकड़े जाने पर कार्रवाई की जाएगी। यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

कोडरमा : विवेकानंद कॉन्वेंट स्कूल में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

कोडरमा। चेचई, चाराडीह स्थित विवेकानंद कॉन्वेंट स्कूल में सीसीए करिकुलम के अंतर्गत फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें कक्षा नर्सरी से चतुर्थ तक के सभी बच्चे व बच्चियों ने भाग लेकर समाज के विभिन्न पेशेवर जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, किसान, पुलिस,आर्मी, परी, मॉडल खिलाड़ी एवम् शिक्षक वगैरह के वेशभूषा में बच्चों ने रैंप वॉक कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया. इस कार्यक्रम से बच्चों के अंदर एक नई ऊर्जा व उत्सुकता देखने को मिली. जब छोटे-छोटे बच्चे अलग-अलग अंदाज में रैंप वॉक कर रहे थे तो लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर रहे थे. उन सभी बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए शिक्षक शिक्षिकाओं ने भी उत्सुकतापूर्वक बच्चों को मंच पर प्रेरित किया.

डीएवी स्कूल में बच्चों ने किया अपनी प्रतिभाओं का उम्दा प्रदर्शन

कोडरमा। डीएवी पब्लिक स्कूल कोडरमा में सतत विकास प्रक्रिया के अंतर्गत कक्षा एलकेजी से दूसरी के बीच बच्चों के बीच सामूहिक भोजन का आयोजन किया गया. जिसमें बच्चों को सफाई का महत्व एवं मिलजुल कर रहने के फायदे समझाये गये. बच्चे अच्छा भोजन जैसे मिठाई, सलाद तथा स्वास्थ्यवर्द्धक भोजन लाकर अपने दोस्तों के साथ साझा कर खाए. साथ ही स्वच्छता का पालन करने के लिए बच्चे पेपर नैपकिन, पेपर साबुन का प्रयोग करें. साफ-सफाई से हम जीवन में आने वाली कई परेशानियों से मुक्ति पा सकते हैं. हमें साफ-सफाई को अपनी दिनचर्या में अवश्य शामिल करना चाहिए. कक्षा तीसरी से पांचवी के बीच फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें रंग-बिरंगे परिधानों में बच्चों ने अपना जलवा बिखेरा.

सदर अस्पताल में अग्निशमन विभाग की टीम ने किया मॉक ड्रिल

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा में अग्निशमन विभाग द्वारा सदर अस्पताल सिमडेगा में स्वास्थ्य कर्मियों के बीच कार्यक्रम आयोजित करते हुए आग लगने से बचाव हेतु मॉक ड्रील का आयोजन किया गया। इस दौरान सदर अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों को आग लगने के कारण एवं उसके सुरक्षित उपायों के बारे में जानकारी दी गई इस दौरान जिला अग्निशमन पदाधिकारी भगवान ओझा ने बताया गया आग तीन प्रकार से होता है ,जिसमें ठोस तरल एवं द्रव इन आग से बचने के लिए हमें फायर सेफ्टी सिलेंडर का उपयोग करना है, एवं सावधानी बरतनी है। इन सभी चीजों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसी प्रकार के आग लगने पर स्वास्थ्य कर्मी आसानी से छोटे स्तर के आग को आप बुझा सकते हैं ,अगर किसी प्रकार के भीषण आग लगती है तो इसकी जानकारी तत्काल अग्निशमन विभाग को दे ।अग्निशमन विभाग तत्काल वहां पर पहुंचकर आग पर काबू पाएगी। साथ उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल सिमडेगा में बड़े पैमाने पर फायर सिस्टम लगने का काम चल रहा है। जिससे कि आने वाले दिनों में सदर अस्पताल में किसी प्रकार की आग लगने पर ऑटोमेटिक सिस्टम से यहां पर आज को काबू पाने में मदद मिलेगी इस मौके पर सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉक्टर राजेश कुमार, अध्ययन शरन हॉस्पिटल मैनेजर अलका कुल्लु, एएनएम ट्रेनिंग स्कूल की छात्राएं, स्वास्थ्य कर्मी आंगनबाड़ी सेविका एवं अन्य मौजूद रहे।

प्रवासी मजदूर परियोजना के तहत मीडिया कार्यशाला का आयोजन

सिमडेगा। सिमडेगा लीड्स कार्यालय में शनिवार को प्रवासी मजदूर परियोजना के तहत मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया इस दौरान जिले के सभी पत्रकारों को आमंत्रित किया गया था ।मौके पर एक दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत लीड्स के प्रवासी मजदूर परियोजना के मार्गदर्शक रंजीत भेंगरा परियोजना प्रबंधक अनुराग रॉबर्ट कुजूर के द्वारा दीप प्रज्वलित करते हुए की गई। इस मौके पर पीपीटी के माध्यम से लीड्स कार्यक्षेत्र की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई ,साथ ही प्रवासी मजदूरों के लिए परियोजना के माध्यम से किए जाने वाले कार्य उनके समग्र विकास एवं उन्हें आगे बढ़ने से संबंधित सभी चीजों को लेकर जानकारी दी गई। इस मौके पर प्रवासी मजदूर परियोजना के प्रकाश कुमार और तिथि के द्वारा परियोजना की जानकारी एवं परियोजना के

सिमडेगा नगर परिषद ने शहर में चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। नगर परिषद सिमडेगा द्वारा आगामी दुर्गा पूजा को ध्यान में रखते हुए शनिवार को दोपहर में शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया ।मौके पर अंचलाधिकारी इम्तियाज अहमद, नगर परिषद के प्रशासक सुमित कुमार महतो मौजूद रहे। अतिक्रमण हटाओ अभियान सिमडेगा बस स्टैंड महावीर चौक ,डेली मार्केट ,मार्केट कंपलेक्स, नीचे बाजार ,सहित आसपास के क्षेत्र पर गई। इस दौरान सड़क किनारे सरकारी भूमि पर किए गए अतिक्रमण को मुक्त करते हुए अतिक्रमण न करने के निर्देश दिए गए। मौके पर उन्होंने ठेला खुमचा वाले दुकानदारों को वेंडिंग जोन में दुकान लगाने के बाद कहीं। साथ उन्होंने कहा की पूजा के दौरान भीड़भाड़ होगी ऐसे में सड़क किनारे दुकान लगाने पर दुर्घटना के संभावना बनी रहेगी। जिसे ध्यान में रखते हुए अतिक्रमण हटा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग नियमों का उल्लंघन करेंगे ।उनके सामानों को जप्त करते हुए उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रही। वहीं इधर अंचल अधिकारी इम्तियाज अहमद ने कहा है कि नगर परिषद क्षेत्र में भी आंचल की जमीन है। जहां पर पिछले दिनों बोर्ड लगाया गया था और अतिक्रमण मुक्त कराया था, जिसे फिर से लोग अतिक्रमण किया है। समय रहते उसे भी मुक्त करने का कार्य किया जाएगा।

हॉकी के पेनाल्टी शूट आउट में झरैन बड़काटोली ने बाघचट्टा को 1-0 से हराया

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। कुरडेग के झरैन पारिस मैदान में शनिवार को हॉकी प्रतियोगिता का फाइनल मैच खेला गया। खेल का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित विधायक भूषण बाड़ा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता के फाईनल मुकाबले में झरैन बड़काटोली ने पेनाल्टी शूट आउट में बाघचट्टा को 1-0 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। विजेता एवं उपविजेता टीम को विधायक एवं जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि सिमडेगा की पहचान हॉकी की नर्सरी के रूप में बना है। इसे कायम रखना है। उन्होंने कहा कि हॉकी खेल के माध्यम से आज हमारे जिले के सैंकड़ों युवा विभिन्न क्षेत्र में नौकरी कर रहे हैं। आप भी हॉकी खेल के माध्यम से अपना भविष्य बनाएं। महागठबंधन की सरकार खेल को आगे बढ़ाने एवं खिलाड़ियों को सीधी नौकरी देने का काम कर रहे हैं। आप भी एक बेहतर खिलाड़ी बन झारखंड सरकार की योजना का लाभ लें। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को पुरा सम्मान दिया जा रहा है। न सिर्फ हॉकी बल्कि फुटबॉल, एथलेटिक्स आदि खेलों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है ।मौके पर जिला विधायक प्रतिनिधि संतोष सिंह, उपाध्यक्ष शिशिर मिंज, रणधीर रंजन, अरसद हुसैन, सोनू नायक, नीला नाग, पुनम लकड़ा, जयवंत बरला, अजयदान कुजूर, विजय बेक, पल्ली पुरोहित फा क्लेमेंट कुल्लु, फा मुकुल केरकेट्टा, फा रफैल सोय, अंजु, सरिता, एनी, सीमा, माधुरी, सलमा, विनसेलास लकड़ा, अल्फोंस मिंज, हर्षित मिंज आदि उपस्थित थे।

हजारीबाग : रामपुर में आज से आरसीपीएल-11 शुरू

चौपारण। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी रामपुर में दुर्गा पूजा के अवसर पर आयोजित होने वाले रामपुर सर्किल प्रीमियर लीग का शुभारंभ रविवार से होगा. दूधिया रौशनी में खेले जाने वाले सर्किल क्रिकेट मुकाबले की तैयारी पूरी ली गई है. बतौर मुख्य अतिथि बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव व विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रखंड के मुखिया व समिति सदस्यों के साथ कई राजनीतिक व सामाजिक लोग उपस्थित होंगे. आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति का गठन किया गया है. इसमें अध्यक्ष विनय सिंह, सचिव बलभद्र राम, कोषाध्यक्ष पवन कुमार, उपाध्यक्ष शंकर पंडित, आरसीपील प्रबंधक अशोक राणा, आयोजक प्रबंधक शशिकांत शर्मा, मीडिया प्रभारी रणबीर चौधरी, कार्यक्रम प्रबंधक राजेश चंद्रवंशी, स्वागतकर्ता कबिंद्र शर्मा, मेडिकल प्रभारी मनोज पाठक और अंपायर सरयू राणा को जिम्मेवारी सौंपी गई है. आयोजकों ने बताया कि नौ दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमो ने अपना पंजीयन करवाया है. चार-चार के समूह में टीमों को बांटा गया है. बताया गया कि इस बार का आयोजन भव्य व आकर्षक होगा.

कोचेडेगा पंचायत में नशा मुक्ति अभियान के तहत निकाली गई जागरूकता रैली

सिमडेगा। किसी भी सभ्य समाज में नशा के कारण अपराधी गतिविधियां जन्म लेती है और इसे दूर करने के उद्देश्य से कोचेडेगा पंचायत में पंचायत के मुखिया शिशिर टोप्पो की अगुवाई में नशा मुक्ति अभियान के तहत महिलाओं के साथ जागरूकता रैली का आयोजन किया। जागरूकता रैली पंचायत भवन से निकलकर मुख्य पथ होते हुए विभिन्न गली मोहल्ले का भ्रमण करते हुए लोगों को नशा मुक्त समाज बनाने को लेकर अपील किया। पंचायत के मुखिया ने कहा कि अगर हम समाज को नशा मुक्ति बनाते हैं तो आने वाले पीढ़ी पर इसका बढ़िया संदेश जाएगा एवं सभ्य समाज का निर्माण होगा। उन्होंने सभी लोगों को नशा का कारोबार छोड़ते हुए मुख्य धारा में लौटकर समाज को बेहतर बनाने में सहयोग करने की अपील की इस मौके पर पंचायत सचिव जगदीश साहू, सहित जेएसएलपीएस की महिलाएं एवं ग्रामीण महिलाएं शामिल हुई।

सिमडेगाः अज्ञात ट्रेलर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल

सिमडेगा। सिमडेगा रांची मुख्य मार्ग एनएच 143 बंदरचूआ के पास शनिवार को अज्ञात ट्रेलर वाहन की चपेट में आकर 35 वर्षीय मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया घायल व्यक्ति की पहचान बिहार निवासी धर्मेंद्र शाह के रूप में हुई घायल लो तत्काल स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए कोलेबिरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां पर उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल सिमडेगा भेजा गया। इधर सदर अस्पताल सिमडेगा में उसकी इलाज की गई ।बताया गया की दुर्घटना की वजह से उसकी दाहिना पैर पूरी तरह से टूट कर चूर हो गई ,इसके अलावा माथे में गंभीर चोट लगी। इधर डॉक्टरों की देखरेख में सदर अस्पताल में इलाज चल रही है। बताया जा रहा है कि वह बाइक से किसी काम को लेकर कोलेबिरा की ओर जा रहा था इसी दौरान ट्रेलर मालवाहक के द्वारा धक्का मारते हुए फरार हो गया इधर मामले की जानकारी पुलिस को दी गई, वहीं पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सिमडेगा : नियोजन पदाधिकारी को मिला जनसंपर्क विभाग का प्रभार

सिमडेगा। जिला नियोजन पदाधिकारी आशा मैक्सिमा लकड़ा को सिमडेगा उपायुक्त ने पत्र जारी करते हुए ने जिला जन-सम्पर्क पदाधिकारी सिमडेगा का अतिरिक्त पदभार दिया।वहीं निवर्तमा जिला जन-सम्पर्क पदाधिकारी पंकज कुमार भगत ने प्रभार सौंपा। आशा मैक्सिमा लकड़ा ने पदभार ग्रहण के क्रम में कहा कि हम सभी मिलकर समन्वय के साथ कार्य करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाते हुए प्रचार-प्रसार कर जागरूकता के माध्यम को सशक्त बनाया जायेगा। प्रशासनिक क्रियाकलापों तथा- बैठकों सहित विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में भी आम-जनों तक प्रेस-मीडिया के माध्यम से पहुंचाने का प्रयास होगा। कार्यालय के कर्मियों ने नये प्रभारी जिला जन-सम्पर्क पदाधिकारी का बुके देकर स्वागत किया। वहीं निवर्तमान प्रभारी जिला जन-सम्पर्क पदाधिकारी, सिमडेगा पंकज कुमार भगत को पुष्प गुच्छ भेंट में प्रदान कर विदाई दी गई। गौरतलब हो पंकज कुमार भगत की मंडरो अंचल कार्यालय में अंचल अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति हुई है जिसे ध्यान में रखते हुए उन्हें विरमित किया गया।

दुर्गा पूजा को लेकर बीडीओ ने किया क्षेत्र भ्रमण

ठेठईटांगर। प्रखंड क्षेत्र के रेंगारीह देव बाहर एवं बाघचट्टा गांव में होने वाले दुर्गा पूजा के सफल आयोजन को लेकर बीडीओ पंकज कुमार के द्वारा शनिवार को रेंगारीह थाना प्रभारी मनोज मरांडी के साथ क्षेत्र का दौरा करते हुए विधि व्यवस्था सहित सभी चीजों की जानकारी हासिल की इस दौरान उन्होंने पूजा समिति के पदाधिकारी से मुलाकात करते हुए पूजा में होने वाले विधि व्यवस्था आदि चीजों को लेकर चर्चा की। साथ ही विसर्जन तालाब के आसपास जाकर सभी चीजों की जानकारी लिया।मौके पर उन्होंने थाना प्रभारी को पूजा के दौरान विधि व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था पर किसी प्रकार की कमी न होने की बात कही ,साथ ही पूजा समितियों को स्थानीय लोगों से मिलजुल कर आपसी भाईचारे के साथ दुर्गा पूजा मनाने को लेकर अपील की इस मौके पर पूजा समिति के अध्यक्ष सचिव एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता डीएसओ ने खिलाड़ियों से ली सुविधाओं की जानकारी

महिला कबड्डी टीम के लिए खिलाड़ियों की रैंकिंग तय

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। गोवा में आयोजित होने वाले 37वें राष्ट्रीय खेल में भाग लेने के लिए कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के द्वारा तीन अक्टूबर से महिला कबड्डी खिलाड़ियों का प्रशिक्षण चल रहा है. इस कैंप में झारखंड के विभिन्न जिलों से कुल 24 खिलाड़ी शामिल हैं. इस बीच शनिवार को झारखंड महिला कबड्डी टीम के लिए प्रतियोगिता आयोजित कर एक से 24 तक खिलाड़ियों की रैंकिंग तय की गई. रैंकिंग पैनल में मुख्य रूप से साहेबगंज जिला डिस्ट्रिक्ट कोर्ट जज पद से रिटायर्ड जज महावीर कुमार, जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम, कबड्डी प्रशिक्षक तेज नारायण ने महिला खिलाड़ियों का चयन किया. इस अवसर पर कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के महासचिव बिपिन कुमार सिंह, कोडरमा जिला कबड्डी संघ के सचिव धर्मेंद्र कुमार सिंह, अध्यक्ष संदीप कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष विशाल सिंह, सह सचिव विजय कुमार साहू, ग्रिजली विद्यालय के डायरेक्टर अविनाश सेठ, सीईओ प्रकाश गुप्ता, अधिवक्ता मुकेश कुमार, ऋषभ सिंह, सीनियर खिलाड़ी रॉकी कुमार मौजूद थे. जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम ने आयोजकों द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में खिलाड़ियों से जानकारी ली. वहीं, खिलाड़ियों ने आयोजकों द्वारा की गई व्यवस्था की काफी बेहतर बताया. खिलाड़ियों ने कहा उनलोगों को पांच वक्त उच्च स्तर का सेहदमंद भोजन मुहैया करवाया जा रहा है. बता दें कि उक्त प्रशिक्षण शिविर खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार तथा झारखंड ओलंपिक संघ के संयुक्त तत्वावधान में चल रहा है.

श्री संत आसाराम आश्रम रायकेरा में सर्वपितृ श्राद्ध कार्यक्रम आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड के रायकेरा स्थित श्री संत आसाराम आश्रम में श्री योग वेदांत सेवा समिति रायकेरा के तत्वाधान में सर्व पितृ अमावस्या के अवसर पर सामूहिक वार्षिक श्राद्ध का आयोजन किया गया। जिसमे 66 भाई बहनों ने अपने पितरों के साथ-साथ ऐसे लोगों का भी श्राद्ध एवं तर्पण किया जो देश और धर्म के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। उन्होंने कहा मातृभूमि की रक्षा के लिए जो सैनिक दुश्मनों से लड़ते हुए अपने प्राणों की बलि चढ़ा दी ऐसे लोगों के लिए भी श्राद्ध और तर्पण किया गया।वहीं पंडित शैलेश मिश्रा के द्वारा वैदिक रीति रिवाज से कार्यक्रम का समापन हुआ। श्रीमद् भागवत गीता के सातवें अध्याय का सामूहिक पाठ करके उसका जो पुण्य मिला। उससे दिवंगत आत्मा की शांति के लिए समर्पित किया गया। बाबा दुर्योधन दास भी कार्यक्रम में उपस्थित हुए और उनका सहयोग मिला।कार्यक्रम को सफल बनाने में शिव शरण, मोहन, मदन, बिरसा, रामधनी, गुरुदत,तिलक चंदन, रामकिशोर, राजेंद्र, दिनेश, गिरधारी, गोपाल शरण, गौतम शामिल हुए। अंत में ब्राह्मण भोजन के बाद भंडारा का आयोजन हुआ और कार्यक्रम का समापन हुआ।

गागर में सागर

28 को पहुंचेगी निषाद आरक्षण यात्रा

गढ़वा। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के तत्वाधान में बिहार, उत्तर प्रदेश एवं झारखंड में 101 दिनों की निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा की जा रही है। इसका नेतृत्व बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं पार्टी सुप्रीमो मुकेश सहनी कर रहे हैं। निषाद समाज के सामाजिक संगठन महर्षि वेदव्यास परिषद के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष डॉ कुलदेव चौधरी ने कहा कि निषाद आरक्षण संकल्प यात्रा गढ़वा में ऐतिहासिक होगी। बिहार, उत्तर प्रदेश एवं झारखंड के सभी कार्यक्रमों से बेहतर होगा। 28 अक्टूबर को स्थानीय रामासाहू उच्च विद्यालय के मैदान में मुकेश सहनी हेलिकॉप्टर से सुबह 11 बजे आएंगे और सभा को संबोधित करेंगे। बैठक में गढ़वा जिला अध्यक्ष सह पूर्व रमना उपप्रमुख रविंद्र कुमार चौधरी, प्रदेश प्रवक्ता सुमेर चौधरी, विद्वत परिषद के पलामू जिला अध्यक्ष ललन चौधरी, मुखिया सहदेव चौधरी, शिवनाथ चौधरी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य चंदेश्वर चौधरी, सुनील चौधरी, सरोज चौधरी, संतु चौधरी, सकेंद्र चौधरी, भारद्वाज निषाद, संजय बिंद, गोपाल चौधरी आदि उपस्थित थे।

हड़ताल को लेकर दिया गया आवेदन

बड़गड़। प्रखंड के सभी चार पंचायतों मदगड़ी चटेहड़ी, परसवार, बड़गड़ में कार्य कर रहे किसान मित्रों ने जिला कृषक संघ के नियोजित कार्यक्रम के तहत अपनी मांगों को लेकर शुक्रवार को प्रखंड बीटीएम जगरनाथ कुमार राम को हस्ताक्षर युक्त आवेदन देते हुए ज़िले में हो रही बेमियादी हड़ताल में शामिल होने को लेकर आवेदन दिया। मौके पर विकाश मुंडा, अशोक यादव, राजेश बाखला, संजीव, देवनीस खलखो, रंजीत तिग्गा शामिल थे।

जर्जर तार व पोल को बदलने की मांग

श्री बंशीधर नगर। विधायक प्रतिनिधि अशोक कुमार सेठ ने विद्युत विभाग के कार्यपालक पदाधिकारी को आवेदन देकर नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड 11 व 12 में लगे जर्जर तार व पोल को यथाशीघ्र बदलने की मांग की है। कार्यपालक अभियंता को दिये आवेदन में कहा गया है कि उक्त वार्डों की जनता द्वारा विगत तीन माह पूर्व भी विद्युत विभाग के कनीय अभियंता को आवेदन देकर जर्जर पोल व तार बदलने की मांग की गई थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। अभी तक लगभग 10 बार तार टूटकर गिर चुका है। विगत 12 अक्टूबर को भी सुबह 8.20 बजे तार टूटकर गिर गया था। उस समय विद्युत प्रवाहित हो रहा था। उन्होंने यथाशीघ्र जर्जर तार-पोल बदलने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि यदि इस बीच किसी तरह की अप्रिय घटना होती है, तो इसके लिये विद्युत विभाग जिम्मेवार होगा।

किसानों व सखी मंडल के बीच पौधे बांटे

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड के नगर उंटारी में भारतीय लोक कल्याण संस्थान द्वारा संचालित एग्री क्लिनिक सेंटर में शनिवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रवण राम, प्रखंड प्रमुख उर्मिला देवी, प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी ज्ञानचंद केशरी को पौधा देकर सम्मानित किया गया। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड प्रमुख, प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी ने किसानों व महिला समूह के सखी मंडल के बीच पौधों का वितरण किया। उद्यान मित्र मुकेश शुक्ला ने किसानों को सूची के अनुसार पौधों का वितरण किया। मौके पर एफटीसी अनुज सिंह, एग्री क्लिनिक सेंटर के प्रखंड समन्वयक सरोज सोनकर, पल्लवी रानी, बलदेव खलखो, महिला सखी मंडल की उर्मिला देवी, शकुंतला देवी, परी देवी, तैरुण बीबी, ममता देवी, प्रियंका देवी, मनिता देवी, पिंकी देवी, किसान राजेश राम, मुकेश कुमार, उपेंद्र वर्मा, रजाक अंसारी, देवनाथ राम, शंकर राम उपस्थित थे।

सात दिवसीय योग शिविर का समापन

मेराल। भारत स्वाभिमान सह पतंजलि योग समिति की ओर से किस्मती कॉलेज ऑफ फामेर्सी एंड नर्सिंग परिसर में चल रहे सात दिवसीय योग शिविर का समापन शनिवार को आरोग्य हवन यज्ञ के साथ किया गया। मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख दीप माला कुमारी ने योग शिविर की सराहना करते हुए कहा कि आज की जीवनशैली में योग बहुत जरूरी है। मौके पर पतंजलि योग समिति के प्रखंड संरक्षक व प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ अनिल साह, योग प्रशिक्षक सुशील केसरी, कॉलेज के डायरेक्टर लव कुमार सिंह, प्रिंसिपल किंजल सिंह, कृष्णा प्रसाद कुशवाहा, रविंद्र प्रसाद गुप्ता, शिक्षक विनोद कुशवाहा, दिवाकर साव सतीश प्रसाद गुप्ता, भास्कर प्रसाद, बिजेश्वर प्रजापति, विकास कुमार, लव विश्वकर्मा, धर्मेंद्र मेहता, प्रभु कांत, युगल प्रसाद सोनी, मेराल प्रखंड प्रभारी बलराम शर्मा आदि मौजूद थे।

वन अधिकार समिति के गठन का निर्देश

केतार। प्रखंड विकास पदाधिकारी मुकेश मच्छुआ ने वन अधिकार अधिनियम के तहत वन पट्टा उपलब्ध कराने हेतु सभी गांवों में सोमवार को 11 बजे ग्राम वन अधिकार समिति का गठन करने का निर्देश दिया है। इसके लिए उन्होंने नोडल पदाधिकारी भी प्रतिनियुक्त किया है। बीडीओ ने कहा की इस समिति में 15 सदस्य होंगे इन 15 सदस्यों में 10 सदस्य अनुसूचित जनजाति एसटी का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा की गांव में अगर एसटी के सदस्य नहीं होते हैं तो अन्य जाति का चयन करना है। इन 15 सदस्यों में से 5 महिला सदस्यो का होना अनिवार्य है। इसमें अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष का भी चयन करना है। बीडीओ ने समिति गठन के लिए नोडल पदाधिकारी के रूप में सम्बन्धित मुखिया, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, कनीय अभियंता,और प्रखंड समन्वयक को प्रतिनियुक्त किया है। उन्होंने समिति गठन कर रिपोर्ट प्रखंड कार्यालय में देने को कहा है।

झामुमो के प्रवक्ता बन बैठे हैं भ्रष्ट अधिकारी, सरकार कारवाई नहीं करती है तो चरणबद्ध आंदोलन करेंगे : चौबे

भाजयुमो ने फूंका उर्जा संचरण निगम के एमडी केके वर्मा का पुतला

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे के नेतृत्व में शनिवार को रंका मोड़ पर उर्जा संचरण निगम के एमडी केके वर्मा का पुतला फुंका गया। इस मौके पर चौबे ने कहा कि झारखंड में भ्रष्ट अधिकारी झामुमो के प्रवक्ता बन बैठे हैं। उर्जा केके वर्मा एक रिटायर्ड अधिकारी हैं लेकिन झामुमो सरकार ने नियम में बदलाव कर उन्हें उर्जा संचरण निगम का एमडी सहित अन्य कई पदों पर रखा है। पूरे झारखंड में जनता बिजली के लिए त्राहिमाम कर रही है, लेकिन झामुमो सरकार में बैठे मंत्री, विधायक से लेकर अधिकारी तक सिर्फ अपनी झोली भरने में लगे हुए हैं। इस मामले को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आवाज उठाई तो केके वर्मा जैसे भ्रष्ट

अधिकारी ने उनके बारे में अमर्यादित टिप्पणी करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे अधिकारी भ्रष्टाचार करने के लिए विपक्षी पार्टी के लोगों के ऊपर अमर्यादित टिप्पणी कर के झामुमो के नए प्रवक्ता बने हुए हैं। ऐसे अधिकारी अधिकारी को तत्काल बर्खास्त करते हुए इनके पूरे कार्यकाल की जांच झामुमो सरकार कराए। अन्यथा भाजयुमो कार्यकर्ता चुप नहीं बैठेंगे। जबतक कारवाई नहीं होती है हम चरणबद्ध आंदोलन जारी रखेंगे। मौके पर पूर्व लोकसभा प्रत्याशी जवाहर पासवान, भाजपा जिला मिडिया प्रभारी विवेकानंद तिवारी, सोशल मीडिया प्रभारी प्रवीण जायसवाल, वरिष्ठ नेता ब्रजेश उपाध्याय, ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, किसान मोर्चा के मीडिया प्रभारी अरविंद धर दुबे, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष अविनाश पासवान, महामंत्री विकास तिवारी, जिला मीडिया प्रभारी लक्ष्मीकांत पांडेय, नवीन जायसवाल, गोवावल मंडल, अध्यक्ष विकास तिवारी, महामंत्री अनीत तिवारी, ग्रामीण मंडल आईटी सेल प्रभारी धनंजय विश्वकर्मा, इंद्रेश पांडेय, निखिल उपाध्याय, अरविंद प्रजापति, संजय केशरी, उदय कुशवाहा, रामसरीख चंद्रा, मुन्ना तिवारी, राजेश्वर बैठा, मुंजकेश तिवारी, प्रमोद जायसवाल, आयुष दुबे, रविंद्र जायसवाल, दीपक तिवारी, मनीष गुप्ता, दिनेश कुशवाहा, रामसकल कोरवा आदि मौजूद थे।

पूर्व विधायक सत्येंद्र तिवारी ने कहा, भैयाजी तो जेल जाएंगे ही, भ्रष्ट पदाधिकारी भी नहीं बचेंगे

गढ़वा। रंका विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि आज गढ़वा में भ्रष्टाचार और अपराध सर चढ़कर बोल रहा है। आए दिनों अपहरण, बलात्कार, बालू माफिया गिरी, गरीबों की जमीन लूटने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। भैयाजी तो जेल जाएंगे ही, पर कई पदाधिकारी जो उनके ही इशारे पर कठपुतली बने हुए हैं, भारतीय जनता पार्टी ऐसे भ्रष्ट पदाधिकारीयों की भी सूची बना रही है। ऐसे भ्रष्ट पदाधिकारी की भी असली जगह भईया जी के साथ जेल ही होगा। पूर्व विधायक ने कहा कि भैया जी बोलते हैं कि हमारी सरकार आदिवासी एवं दलितों को समर्पित है, लेकिन आज

उनका झूठा चेहरा बेनकाब हुआ है। कई दिन बीत गए, उस आदिवासी बच्ची के परिजनों को अभी तक न्याय नहीं मिला। यह भैयाजी के सामंती मानसिकता और आपराधिक प्रवृत्ति को उजागर करता है। तिवारी ने कहा कि ऐसी दर्दनाक घटना पर प्रशासन अविलंब जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई करे एवं पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये आर्थिक सहयोग एवं पीड़ित परिवार के एक आश्रित को सरकारी नौकरी दे।

वॉटरवेज की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने का अभियान हुआ शुरू

डंडई गांव के शेष दुकानदारों को भूमि खाली करने के लिए 24 घंटे का दिया गया समय

नवीन मेल संवाददाता। डंडई

प्रखंड मुख्यालय स्थित डंडई गांव के वॉटरवेज की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराना शुरू कर दिया गया है। शनिवार की अहले सुबह भू माफी अमीन, राजस्व कर्मचारी भारी पुलिस बल के साथ स्थल पर पहुंचे। अंचल निरीक्षक राजेंद्र यादव द्वारा पूर्व के अल्टीमेटम के अलावा शनिवार को भी दुकानदारों को उनके द्वारा वॉटरवेज की भूमि खाली करने को लेकर 2 घंटे का अतिरिक्त समय दिया गया। बावजूद उक्त दुकानदारों के द्वारा दुकानों को उक्त स्थल से नहीं हटाया गया। इसके बाद अंचल निरीक्षक को आनन फानन में जेसीबी मशीन मंगवानी पड़ी।

वहीं स्थल पर जेसीबी के पहुंचते ही कई दुकानदारों ने अपनी-अपनी दुकानों को हटाना शुरू कर दिया। जेसीबी द्वारा भी कई दुकानों को हटाया गया। दुकानदार मुजाहिद अंसारी, जहीर अंसारी, शाहिद अंसारी, अवधेश मेहता, जानवी बीवी इत्यादि ने पदाधिकारी के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि कार्रवाई के डर से हमने अपनी दुकानें हटा लीं, लेकिन कई दुकानदार हैं जो वॉटरवेज और बाजार समिति की भूमि पर स्थापित हैं। उनकी दुकानों को भी हटाया जाना चाहिए। इसके अलावा दर्जनों दुकानों को जेसीबी के सहारे हटवाया गया। इससे पहले अंचल निरीक्षक द्वारा वॉटरवेज और बाजार समिति की भूमि की मापी करा कर सीमांकन कर दिया गया। शेष दुकानदारों को 24 घंटे की मोहलत दी गई। वहीं प्रखंड 20 सूत्री उपाध्यक्ष भोलाराम ने कहा कि वॉटरवेज की 90 डिसमिल भूमि अब तक अतिक्रमण का शिकार होकर रह गई थी। आज अंचल कर्मियों के सहयोग से उसका सीमांकन किया गया है। उन्होंने कहा कि अब उक्त भूमि की सुंदरीकरण को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से राशि की मांग करेंगे। वहीं अंचल निरीक्षक राजेंद्र यादव ने कहा कि पूर्व के अल्टीमेटम के अनुसार दलबल के साथ वाटरवेज और बाजार समिति की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। दोनों भूमि की मापी कराकर सीमांकन करने का भी किया गया है। उक्त भूमि के अंदर लगी अन्य दुकानों को खाली करने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया है। अगर उक्त अवधि के अंदर वे लोग अपनी-अपनी दुकानों को नहीं हटाता है, तो इसी तरह जेसीबी से उनकी भी दुकानों को हटाने का काम किया जाएगा। मौके पर एएसआई बसंत तिर्की, राजस्व कर्मचारी इंडेश्वर बैठा, अजय यादव आदि उपास्थि थे।

एनएच 75 के दोनों ओर अतिक्रमण के विरुद्ध चला अभियान

श्री बंशीधर नगर। नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी ने थाना के समीप से बीएसएनएल ऑफिस तक एनएच 75 के दोनों ओर अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान चलाया। नप अधिकारी ने सब्जी बाजार में अतिक्रमण खाली कराया। हालांकि नप अधिकारी ने कई लोगों को 24 घंटे के अंदर अतिक्रमण हटा लेने की चेतावनी दी। चौधरी ने कहा कि दुर्गा पूजा और महायज्ञ को देखते हुए उपायुक्त के निर्देश पर अतिक्रमण अभियान चलाया जा रहा है। चेतावनी के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने वालों को जेसीबी लगाकर हटाया जाएगा और खर्च भी संबंधित से वसूला जाएगा। अभियान में नप के नगर प्रबंधक रवि कुमार, अंचल निरीक्षक, राजस्व कर्मचारी जुगेश कुमार, अंचल अमीन योगेंद्र कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अक्षय कुमार सिंह सहित पुलिस बल के जवान, नप के कर्मी उपस्थित थे।

पलायन, फिर भी मनरेगा में भ्रष्टाचार : जिप उपाध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता। गढ़वा

जिले में मनरेगा में भ्रष्टाचार चरम पर है। जिले के लोग भले ही पलायन करते हों, पर गढ़वा में मनरेगा की तमाम योजना में कमीशनखोरी चरम पर है। उक्त बातें जिला परिषद उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव ने कहीं।

उन्होंने कहा कि गढ़वा जिले में कई गरीब परिवार मनरेगा योजना पर निर्भर हैं, लेकिन आज उक्त योजना में इतना भ्रष्टाचार हो गया है लोग इससे धीरे-धीरे दूरी बनाने लगे हैं। पिछले दिनों ही रंका जिला परिषद रंका बीपीओ द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार को उन्होंने रखा लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। क्योंकि प्रखंड से लेकर जिला मुख्यालय तक तमाम अधिकारी भ्रष्टाचार में शामिल हैं। जो लोग गुजरात में मजदूरी कर रहे हैं उनका भी यहां मास्टर रोल के माध्यम से पैसे की निकासी की जा रही है। कुएं में 30 से 40000 रुपये की रिश्वत ली जा रही है। प्रत्येक टीसीबी में 5000 रुपये लिये जा रहे हैं। प्रखंड कर्मी पैसे की उगाही कर रहे हैं। उधर, जिला परिषद मेराल के प्रतिनिधि करीब अंसारी ने भी कहा कि मनरेगा में भ्रष्टाचार चरम पर है। गरीबों को रोजगार देने के बजाय जेसीबी के माध्यम से काम कराया जा रहा है। इसके कारण गरीबों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। रोजगार सेवक से लेकर ऑपरेटर, पंचायत सेवक, सभी बीपीओ पैसे की उगाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता पूर्वक जांच कर दोषी पदाधिकारी पर कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं मंझिआव जिला परिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि प्रखंड

कार्यालय में बिना पैसे का कोई भी काम नहीं होता है। रिश्वत का बोलबाला है। तमाम योजना में भ्रष्टाचार चरम पर है। सभी मामलों को अधिकारियों के समक्ष रखा जाता है उसके बाद भी कुछ नहीं किया जाता। जिला परिषद सदस्य की बात सुनने वाला कोई अधिकारी नहीं है। जब भी हम लोग अपनी समस्या को रखते हैं तो उसे दबाया जाता है। मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आगे हम आंदोलन भी करेंगे।

नल जल योजना में अनियमितता की जांच का दिया निर्देश

भवनाथपुर। जिला परिषद सदस्य रंजनी शर्मा की अनुशंसा पर अनुमंडल पदाधिकारी ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को जांच टीम गठित कर नल जल योजना की अनियमितता की जांच का निर्देश दिया है। शर्मा ने अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर प्रखंड के बनसानी, मकरी, पंडरिया पंचायत में नल जल योजना कार्य में अनियमितता का मामला उठाया था। शर्मा ने अपने आवेदन में विस्तार से उक्त योजना में अनियमितता का उल्लेख किया था। कार्यालय अनुमंडल पदाधिकारी की ओर से जारी पत्र में जिला परिषद सदस्य के पत्र की छाया प्रति संलग्न कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

ग्रामीणों ने उपायुक्त व डीएफओ को आवेदन सौंपकर लगाई गुहार

वन अतिक्रमण करने वालों पर की जाए कार्रवाई

नवीन मेल संवाददाता। बारियातु

प्रखंड की सिबला पंचायत अंतर्गत भाटचतरा स्थित चैनपुर जंगल उजाड़कर सैकड़ों कीमती पेड़ों को बेचने व भारी पैमाने पर अवैध तरीके से खेती करने वालों के विरुद्ध ग्रामीणों ने उपायुक्त व डीएफओ को आवेदन सौंप कर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। इन दिनों लगातार भाटचतरा के चैनपुर जंगल में अतिक्रमण किए जाने को लेकर ग्रामीणों ने वन विभाग से कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने बताया कि बीते मई-जून माह में लगभग 100 एकड़ से भी अधिक वनक्षेत्र को उजाड़ा गया है। वन माफियायों द्वारा कई गाड़ी कीमती लकड़ी बेच दी गई है। साथ ही अवैध तरीके से खेती की जा रही है। इसको लेकर

बालूमाथ वन विभाग कार्यालय का घेराव भी किया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। बाध्य होकर दर्जनों ग्रामीण लातेहार पहुंचे, जहां उपायुक्त हेमंशु मोहन व डीएफओ रौशन कुमार के नाम आवेदन सौंपा गया। आवेदन में बताया कि भाटचतरा के महाबीर साव, आदित्य साव, बिहारी साव, बदरी साव,टेपा गंझु, केशो गंझु, तुलसी उरांव सहित कई लोगों पर्यावरण को नुकसान पंहुचाते हुए वन अतिक्रमण किया है। डीएफओ ने ग्रामीणों को आश्वासन देते हुए कहा कि वन अतिक्रमण करने वाले पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। मौके पर विकास यादव, सुरेश यादव, खुशियाल यादव, कामेश्वर यादव, रवि यादव, योगेंद्र यादव मौजूद थे।

रांची में मंत्री से मिला झामुमो का प्रतिनिधिमंडल

गिद्धौर। राज्य के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर से गिद्धौर प्रखंड झामुमो का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को रांची में मुलाकात की। प्रखंड में व्याप्त विभिन्न जनसमस्याओं के साथ विशेष रूप से गिद्धौर प्रखंड को सुखाड़ के तहत किसानों को लाभ पहुंचाने, सभी किसानों का केसीसी ऋण माफ करने की मांग की। गिद्धौर को पुनः चतरा अनुमंडल में शामिल कराने का अलग से ज्ञापन सौंपा। मंत्री ने समस्याओं से सरकार को अवगत कराने का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधिमंडल में प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा, झारखंड संघर्ष समिति के प्रदीप कुमार व सत्यनारायण शुक्ला आदि शामिल थे।

टोरी जंक्शन पर मालगाड़ी से कटकर वृद्ध महिला की मौत

नवीन मेल संवाददाता। चंदवा

बरकाकाना-बरवाडीह रेल खंड पर टोरी जंक्शन पर शनिवार सुबह एक महिला की मालगाड़ी से कटकर मौत हो गई। बताया जाता है कि शनिवार सुबह करीब दस बजे एक वृद्ध महिला टोरी स्टेशन जाने के लिए हिंडालको बॉक्साइट साइडिंग में खड़ी मालगाड़ी के नीचे से पार हो रही थी तभी अचानक मालगाड़ी खुल गयी और महिला भूसी देवी पति सुटुर ठाकुर (पाटन, पलामू) उसकी चपेट में आ गयी, जिससे उसकी कमर के नीचे का हिस्सा कट गया। काफी देर तक महिला वहीं तड़पती रही और अंततः उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के संबंध में उनके रिश्तेदार चकला निवासी दुर्गा ठाकुर ने बताया कि वह चकला स्थित मायके से पाटन जाने के लिए निकली थी और हिंडालको के बॉक्साइट रेक के नीचे से पार हो रही थी। इसी दौरान यह हादसा हुआ। ज्ञात हो कि वर्षों से फुट ओवरब्रिज निर्माण की मांग की जा रही है। प्रतिदिन हजारों लोग अपनी जान जोखिम में डालकर स्टेशन आते जाते हैं। आये दिन मालगाड़ी के नीचे से पार करने के दौरान दुर्घटना का शिकार होते हैं, लेकिन अब तक इस ओर रेलवे प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। नतीजतन लोग असमय काल के गाल में समा रहे हैं। हिंडालको प्रबंधन के सुरक्षा गार्ड रहने के बावजूद ऐसी दुर्घटना होना निंदनीय है।

नहीं है फुट ओवरब्रिज, जान जोखिम में डालकर स्टेशन जाते हैं लोग, वर्षों से फुट ओवरब्रिज की मांग अब तक नहीं हुई पूरी

धर्म-कर्म

गुरु एक व्यक्ति के साथ एक दिव्य संदेश होता है : जीयर

गुरु और ईश्वर के प्रति भक्ति होनी चाहिए

नवीन मेल संवाददाता। श्री बंशीधर नगर

जीयर स्वामी महाराज ने कहा कि सबसे पहले तो अनर्थ जो जीवन तथा जीवन के व्यवहार में जिस कारण से होता हो उस पर अंकुश लगाएं। अहंकारमय जीवन न हो। जरूर हम करते हैं लेकिन कराने वाला उसी प्रकार से हैं जैसे किसी कठपुतली के नाच को देखा होगा। भले वह नाचते हैं लेकिन नचाने वाला कोई दूसरा है। उसी के इशारे पर कठपुतली नाचता है। ठीक उसी प्रकार हमारे आपके साथ है। हम चाहे जो कुछ भी करते हैं वह

परमात्मा अपनी शक्ति के द्वारा हमलोगों को कठपुतली के समान नचाते हैं। उनकी इच्छा नहीं होती है नचाने के लिए तो अपने आप से तो इस दुनिया में निस्तार हो जाते हैं। किसी के योग्य नही होते हैं। ऐसा विचार कर अनर्थों को त्याग दें। कर्तव्य करें, लेकिन मैं ही करने वाला हूं, मेरे ही द्वारा होता है। ऐसा भाव नहीं होना चाहिए।

स्वामी जी ने कहा कि गुरु और ईश्वर में भक्ति होनी चाहिए। गुरु हमारे जीवन का वह कंडिशन हैं, वह एक स्थिति हैं, वह एक स्तर हैं जिसके माध्यम से हम अपने भटके भूलें, अटके जीवन को समाधान करने में पर्याप्त हो जाते हैं। गुरु केवल कोई एक व्यक्ति और केवल शरीर नहीं, गुरु एक व्यक्ति के अलावा एक दिव्य संदेश होता है। एक उपदेश होता है, एक दिव्य आदेश होता है। एक दिव्य आचरण होता है, जिसके द्वारा हम प्रशस्त मार्गों के अधिकारी होते हैं। व्यवहारिक रूप में गुरु शब्द का मतलब जिसके संरक्षण, छत्रछाया, संवर्धन या जिनके सहवास से हमारे जीवन की किसी प्रकार की जो अधूरापन हो, किसी प्रकार की खामियां हो उन खामियों पर हम अफसोस करें, पश्चाताप करें, अच्छे मार्गों पर चलने के लिए संकल्प करें, बाध्य हो जाएं, ऐसे जिसके द्वारा आदेश प्राप्त होता हो, संदेश प्राप्त होता हो, चाहे वह धोती-कुर्ता में रहने वाला हो चाहे वह गेरुआ कपड़ा वाला हो उसी का नाम गुरु है।

लाभुकों के हंगामे का भी नहीं पड़ा पीडीएस दुकानदार पर कोई असर

50 ग्राम प्रति किलो कटौती कर खाद्यान्न का वितरण जारी रखा

नवीन मेल संवाददाता। डंडई

लाभुकों के हंगामे का भी दुकानदार पर कोई असर नहीं पड़ा। शनिवार को भी दुकानदार द्वारा 50 ग्राम प्रति किलो कटौती कर लाभुकों के बीच खाद्यान्न का वितरण किया जाता रहा। मामला प्रखंड मुख्यालय स्थित डंडई गांव के ज्वाला महिला समूह से जुड़ा है। बता दें कि शुक्रवार को उक्त दुकान पर राशन लेने पहुंचे कई लाभुकों द्वारा कटौती कर राशन वितरण होने को लेकर काफी हंगामा किया गया था। इसके बावजूद शनिवार को उक्त लाभुकों के अलावा सैकड़ों लाभुकों को भी दुकानदार द्वारा 50 ग्राम प्रति किलो कटौती कर खाद्यान्न देने का काम किया गया। लाभुक लक्ष्मीनिया देवी, कोइली कुंवर, सहोदरी देवी, दयानंद भुइयां, प्रमोद भुइयां इत्यादि ने बताया कि हम सभी मानक के अनुसार दुकानदार से खाद्यान्न की मांग करते रहे लेकिन उनके द्वारा बिना कटौती किए खाद्यान्न नहीं दिया गया। लक्ष्मीनिया देवी के पति गोपाल राम ने बताया कि मैं क्षेत्र में पड़े भीषण अकाल का उदाहरण देकर दुकानदार से पूरा खाद्यान्न मांगता रहा लेकिन उन पर कोई असर नहीं पड़ा। साथ ही कहा कि दुकानदार द्वारा सरकारी तराजू के अलावा एक निजी तराजू से भी तौलकर हम सभी को खाद्यान्न देने का काम किया गया है। मामले में डीएसओ रामगोपाल पांडेय ने बताया कि कटौती कर खाद्यान्न वितरण करना काफी गंभीर मामला है। जांच कराकर दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डीलर ने बीडीओ को आवेदन देकर आवंटन से कम राशन मिलने की शिकायत की

केतार। केतार प्रखंड के आदिवासी बहुल परती कुशवानी गांव के डीलर चंद्रदेव बैठा ने शनिवार को प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी मुकेश मच्छुआ को आवेदन सौंपकर आवंटन से कम राशन मिलने की शिकायत की है। आवेदन में डीलर ने उल्लेख किया है कि उसकी जनवितरण प्रणाली की दुकान के साथ दो अन्य डीलर लाल मुनि चेरो और सोमनाथ विश्वकर्मा की दुकान टैंग किया गया है। लेकिन अक्टूबर माह में कुल आवंटन से 30 क्विंटल राशन कम प्राप्त हुआ है, जिससे लाभुकों के बीच समन्वय स्थापित कर राशन वितरण करना संभव नहीं है। ईधर कार्डधारी लाभुक दुकानदार से कम राशन लेने को तैयार नहीं हैं। डीलर ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी मुकेश मच्छुआ से आवंटन के हिसाब से राशन दिलाने का आग्रह किया है ताकि लाभुकों के बीच उचित मात्रा में ससमय राशन वितरण किया जा सके।

एक नजर इधर भी

डॉ. कलाम के विचार प्रभावित करते है बारंबार

तमिलनाडु के एक छोटे से गांव में एक मध्यमवर्गीय परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को जन्मे भारत के पूर्व राष्ट्रपति, प्रख्यात शिक्षाविद् और देश के महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ऐसे महानायक हैं, जिन्होंने अपना बचपन अभावों में बीतने के बाद भी अपना पूरा जीवन देश और मानवता की सेवा में व्यतीत कर दिया। न केवल भारत के लोग बल्कि पूरी दुनिया मिसाइल मैन डॉ. कलाम की सादगी, धर्मनिरपेक्षता, आदर्शों, शांत व्यक्तित्व और छात्रों व युवाओं के प्रति उनके लगाव की कायल रही है। वह देश को वर्ष 2020 तक आर्थिक शक्ति बनते देखना चाहते थे। युवा पीढ़ी को दिये गये उनके प्रेरक संदेश तथा उनके स्वयं के जीवन की कहानी तो देश की आने वाले कई पीढ़ियों को भी सदैव प्रेरित करने का कार्य करती रहेगी। छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए वह अकसर कहा करते थे कि छात्रों के जीवन का एक तय उद्देश्य होना चाहिए और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए जरूरी है कि वे हरसंभव स्रोतों से ज्ञान प्राप्त करें। छात्रों की तरक्की के लिए उनके द्वारा जीवन पर्यन्त किये गये महान कार्यों को देखते हुए ही सन 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा उनका 79वां जन्म दिवस 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से डॉ. कलाम की जयंती पर 15 अक्टूबर को प्रतिवर्ष 'विश्व विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। पढ़ाई-लिखाई को तरक्की का साधन बताने वाले डॉ. कलाम का मानना था कि केवल शिक्षा के द्वारा ही हम अपने जीवन से निर्धनता, निरक्षरता और कुपोषण जैसी समस्याओं को दूर कर सकते हैं। वे कहते थे कि अगर आप फेल होते हैं तो निराश मत हों क्योंकि फेल होने का अर्थ है 'फर्स्ट अटैंप्ट इन लर्निंग' और अगर आपमें सफल होने का मजबूत संकलप है तो असफलता आप पर हावी नहीं हो सकती। इसलिए सफलता और परिश्रम का मार्ग अपनाओ, जो सफलता का एकमात्र रास्ता है। उनके ऐसे ही महान विचारों ने देश-विदेश के करोड़ों लोगों को प्रेरित करने और देश के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया। उनका ज्ञान और व्यक्तित्व इतना विराट था कि उन्हें दुनियाभर के 40 विश्वविद्यालयों ने डॉक्ट्रेट की मानद उपाधि प्रदान की। सादगी की प्रतिमूर्ति डॉ. कलाम का व्यक्तित्व कितना विराट था, इसे परिभाषित करते कई किस्से भी सुनने को मिलते हैं। राष्ट्रपति जैसे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन रहते हुए भी डॉ. कलाम आम लोगों से मिलते रहे। राष्ट्रपति जैसे बड़े पद पर पहुंचने के बाद भी डॉ. कलाम अपने बचपन के दोस्तों को भी नहीं भूले। एक बार कुछ युवाओं ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की और इसके लिए उन्होंने उनके कार्यालय को चिट्ठी लिखी। चिट्ठी मिलने के बाद डॉ. कलाम ने उन युवाओं को अपने पर्सनल चैंबर में आमंत्रित किया और वहां न केवल उनसे मुलाकात ही की बल्कि उनके विचार, उनके आइडिया सुनते हुए काफी समय उनके साथ गुजारा। जिस समय डॉ. कलाम भारत के राष्ट्रपति थे, तब वे एक बार आईआईटी के एक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पहुंचे। उनके पद की गरिमा का सम्मान करते हुए आयोजकों द्वारा उनके लिए मंच के बीच में बड़ी कुर्सी लगवाई गई। डॉ. कलाम जब वहां पहुंचे और उन्होंने केवल अपने लिए ही इस प्रकार की विशेष कुर्सी की व्यवस्था देखी तो उन्होंने उस कुर्सी पर बैठने से इनकार कर दिया, जिसके बाद आयोजकों ने उनके लिए मंच पर लगी दूसरी कुर्सियों जैसी ही कुर्सी की व्यवस्था कराई। उनके मन में दूसरे जीवों के प्रति भी करुणा और दयाभाव विद्यमान था। डॉ. कलाम के जीवन के अंतिम पलों के बारे में उनके विशेष कार्याधिकारी रहे सृजन पाल सिंह ने लिखा है कि शिलांग में जब वह डॉ. कलाम के सूट में माइक लगा रहे थे तो उन्होंने पूछा था, 'फनी गाइज हाउ आर यू', जिस पर सृजन पाल ने जवाब दिया 'सर ऑल इज वेल'। उसके बाद डॉ. कलाम छात्रों की ओर मुड़े और बोले 'आज हम कुछ नया सीखेंगे' और इतना कहते ही वे पीछे की ओर गिर पड़े।

■ **योगेश कुमार गोयल**

समाजवाद के सच्चे प्रवर्तक महाराजा अग्रसेन

महाराजा अग्रसेन भगवान राम के वंशज और भगवान श्रीकृष्ण के समकालीन थे। वे राजा राम के पुत्र कुश की 34वीं पीढ़ी की संतान थे। महाराजा अग्रसेन को अहिंसा के प्रतीक, शांति के दूत के रूप में जाना जाता है। महाराजा अग्रसेन त्याग, करुणा, अहिंसा, शांति, समृद्धि के अवतार और एक सच्चे समाजवादी थे। महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना के लिए उन्होंने नियम बनाया था कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले प्रत्येक परिवार की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक परिवार उसे एक सिक्का व एक ईंट देगा। जिससे आने वाला परिवार स्वयं के लिए मकान व व्यापार का प्रबंध कर सके। इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति की छोटी-छोटी मदद से समान समाज में बराबरी का दर्जा प्राप्त किया जा सकता है। महाराजा अग्रसेन ने शासन प्रणाली में एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया था। उन्होंने वैदिक सनातन आर्य सस्कृंति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य में कृषि-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की स्थापना की थी। महाराजा अग्रसेन एक कर्ता (कर्मयोगी) थे जिन्होंने सभी के लिए समृद्धि की कामना की। उन्होंने अहिंसा का आदर्श अपनाया जिसमें उन्हें पशु बलि की निरर्थकता का एहसास हुआ। इस अहसास ने उन्हें 'अहिंसा' के सशक्त नायकों में से एक बना दिया। उन्होंने सभी जानवरों की बलि पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि अहिंसा में उनके विश्वास का मतलब उत्पीड़न का विरोध न करना नहीं था बल्कि उन्होंने आत्मरक्षा को बढ़ावा दिया। उनके अनुसार आत्मरक्षा और राष्ट्र रक्षा केवल क्षत्रियों-योद्धा जाति का कार्य नहीं है बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपनी मातृभूमि की रक्षा करे। महाराजा अग्रसेन का जन्म अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को महाराजा वल्लभ सेन के घर हुआ था। जिसे दुनिया भर में अग्रसेन जयंती के रूप में मनाया जाता है। राजा वल्लभ के अग्रसेन और शूरसेन नामक दो पुत्र हुये थे। अग्रसेन महाराज वल्लभ के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराज वल्लभ से कहा था कि यह बालक बहुत बड़ा राजा बनेगा। इस के राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदय होगी और हजारों वर्ष बाद भी इनका नाम अमर होगा। उनके राज में कोई दुखी या लाचार नहीं था। बचपन से ही वे अपनी प्रजा में बहुत लोकप्रिय थे। महाराजा अग्रसेन एक सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा थे। जिन्होंने प्रजा की भलाई के लिए वणिक धर्म अपना लिया था। महाराज अग्रसेन ने नाग लोक के राजा कुमद के यहां आयोजित स्वंयवर में राजकुमारी माधवी का वरण किया। इस विवाह से नाग एवं आर्य कुल का नया गठबंधन हुआ। माता लक्ष्मी की कृपा से अग्रसेन के 18 पुत्र हुये। राजकुमार विभु उनमें सबसे बड़े थे। महर्षि गर्ग ने महाराजा अग्रसेन को 18 पुत्र के साथ 18 यज्ञ करने का संकल्प करवाया। माना जाता है कि यज्ञों में बैठे 18 गुरुओं के नाम पर ही अग्रवंश की स्थापना हुई। ऋषियों द्वारा प्रदत्त अठारह गोत्रों को महाराजा अग्रसेन के 18 पुत्रों के साथ उनके द्वारा बसायी 18 बस्तियों के निवासियों ने भी धारण कर लिया। एक बस्ती के साथ प्रेम भाव बनाये रखने के लिए एक सर्वसम्मत निर्णय हुआ कि अपने पुत्र और पुत्री का विवाह अपनी बस्ती में नहीं दूसरी बस्ती में करेंगे। आगे चलकर यह व्यवस्था गोत्रों में बदल गई जो आज भी अग्रवाल समाज में प्रचलित है। महाराजा वल्लभ के निधन के बाद अपने नये राज्य की स्थापना के लिए महाराज अग्रसेन ने अपनी रानी माधवी के साथ सारे भारतवर्ष का भ्रमण किया। इसी दौरान उन्हें एक जगह शेर तथा भेड़िये के बच्चे एक साथ खेलते मिले। उन्हें लगा कि यह दैवीय संदेश है जो इस वीरभूमि पर उन्हें राज्य स्थापित करने का संकेत दे रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रेयगण रखा गया जिसे अग्रोहा नाम से जाना जाता है। वह जगह आज के हरियाणा के हिसार के पास है। आज भी यह स्थान अग्रहरि और अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ के समान है। यहां महाराज अग्रसेन और मां लक्ष्मी देवी का भव्य मंदिर है। उन्होंने परिश्रम और उद्योग से धनोपार्जन के साथ-साथ उसका समान वितरण और आय से कम खर्च करने पर बल दिया। जहां एक ओर वैश्य जाति को व्यवसाय का प्रतीक तराजू प्रदान किया वहीं दूसरी ओर आत्म-रक्षा के लिए शस्त्रों के उपयोग की शिक्षा पर भी बल दिया। उस समय यज्ञ करना समृद्धि, वैभव और खुशहाली की निशानी माना जाता था। महाराज अग्रसेन ने बहुत सारे यज्ञ किये। महाराज अग्रसेन ने 108 वर्षों तक राज किया। महाराज अग्रसेन ने एक ओर हिन्दू धर्म ग्रंथों में वैश्य वर्ण के लिए निर्देशित कर्म क्षेत्र को स्वीकार किया और नये आदर्श स्थापित किये। उनके जीवन के मूल रूप से तीन आदर्श हैं- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता एवं सामाजिक समानता। कहते हैं कि एक बार अग्रोहा में बड़ी भीषण आग लगी। उस पर किसी भी तरह काबू ना पाया जा सका। उस अग्निकांड से हजारों लोग बेघरवार हो गये और जीविका की तलाश में भारत के विभिन्न प्रदेशों में जा बसे। पर उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोड़ी। वे सब आज भी अग्रवाल ही कहलवाना पसंद करते हैं और उसी 18 गोत्रों से अपनी पहचान बनाये हुए हैं। आज भी वे सब महाराज अग्रसेन द्वारा निर्देशित मार्ग का अनुसरण कर समाज की सेवा में लगे हुए हैं। वैसे महाराजा अग्रसेन पर अनगिनत पुस्तकें लिखी जा चुकी हैं। सुप्रसिद्ध लेखक भारतेंदु हरिश्चंद्र जो खुद भी अग्रवाल समुदाय से थे। उन्होंने 1871 में अग्रवालों की उत्पत्ति नामक एक प्रामाणिक ग्रंथ लिखा है। जिसमें विस्तार से इनके बारे में बताया गया है। 24 सितंबर 1976 को भारत सरकार द्वारा 25 पैसे का डाक टिकट महाराजा अग्रसेन के नाम पर जारी किया गया था। सन 1995 में भारत सरकार ने दक्षिण कोरिया से 350 करोड़ रुपये में एक विशेष तेल वाहक पोत (जहाज) खरीदा, जिसका नाम महाराजा अग्रसेन रखा गया।

महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना के लिए उन्होंने नियम बनाया था कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले प्रत्येक परिवार की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक परिवार उसे एक सिक्का व एक ईंट देगा। जिससे आने वाला परिवार स्वयं के लिए मकान व व्यापार का प्रबंध कर सके।

इन दिनों

रमेश सर्राफ धमोरा

प्रधानमंत्री मोदी, नया भारत सुदृढ़ मध्यपूर्व नीति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर अपनी सुदृढ़ विदेश नीति का परिचय दिया है। उन्होंने इजरायल पर आतंकवादी संगठन हमास के हमले को निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि इस संकट के समय भारत, इजरायल के साथ है। वस्तुतः प्रधानमंत्री मोदी का निर्णय राष्ट्रीय हित और भारतीय विरासत के अनुरूप है। इजरायल, चीन और पाकिस्तान के विरुद्ध भारत का खुला समर्थन कर चुका है। संयुक्त राष्ट्र संघ से लेकर अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इजरायल ने भारत का साथ दिया है। उसने यहां तक कहा था कि भारत यदि चीन और पाकिस्तान के विरुद्ध कार्रवाई करेगा तो इजरायल पूरी सहायता देगा। हमास के हमले के समय भारत ने इजरायल के प्रति जो सहानुभूति दिखाई, वह नैतिक रूप से उचित है। वैसे भी भारत ने सदैव आतंकवाद का विरोध किया है। संयुक्त राष्ट्र संघ में आतंकवाद के विरुद्ध साझा रणनीति बनाने का प्रस्ताव मोदी ने ही किया था। जब से प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की कमान संभाली है, तब से आंतरिक और बाह्य सुरक्षा सुदृढ़ हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले कार्यकाल में ही इजरायल और अरब देशों के साथ संबंध बेहतर बनाने पर ध्यान दिया। यह नीति कारगर साबित हुई। मोदी के सौर ऊर्जा प्रस्ताव को भी अरब देशों का समर्थन मिल चुका है। संयुक्त राष्ट्र संघ में उनके अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को अरब देश भी स्वीकार कर चुके हैं। इस दिन वहां भी बड़े पैमाने पर योग के कार्यक्रम होते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र में भारत का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि कश्मीर भारत का हिस्सा है। यही नहीं उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की थी। आज इजरायल, भारत का बड़ा सहयोगी बनकर उभरा है। अरब देश भी मोदी की नीतियों के मुरीद हुए हैं। मोदी की मध्यपूर्व नीति की बड़ी सफलता यह भी है कि उन्होंने अरब मुल्कों और इजरायल के साथ दोस्ती को मजबूत किया। इसके पहले कांग्रेस की सरकारों में इजरायल से दोस्ती को लेकर बड़ा संकोच था। उन्हें लगता था कि इजरायल से दोस्ती मुस्लिम देशों को नाराज कर देगी। मगर मोदी ने इसकी परवाह नहीं की। साहस दिखाया। अरब और इजरायल दोनों से संबंध बेहतर बनाकर दिखा दिया। वैसे भी दुनिया में अगर शांति, सौहार्द कायम करना है, मानवता को सुरक्षित रखना है तो आतंकवाद के खिलाफ साझा रणनीति बनानी होगी।

संयुक्त राष्ट्र संघ से लेकर अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इजरायल ने भारत का साथ दिया है। उसने यहां तक कहा था कि भारत यदि चीन और पाकिस्तान के विरुद्ध कार्रवाई करेगा तो इजरायल पूरी सहायता देगा। हमास के हमले के समय भारत ने इजरायल के प्रति जो सहानुभूति दिखाई, वह नैतिक रूप से उचित है।

आतंकवाद अब किसी एक क्षेत्र की समस्या नहीं है। यह सारी दुनिया के लिए खतरा है। अब जरूरत इस बात की भी है कि आतंकवाद को संरक्षण और वित्तीय सहायता देने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया जाये। भारत का रुख इस पर बिलकुल साफ है। ओआईसी के सदस्य देश भी इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। आतंकवाद शांति और सद्भावना को कमजोर करता है। साल 1988 में यासिर अराफात ने मध्यपूर्व में इजरायल के अस्तित्व को मान्यता देते हुए स्वतंत्र फिलिस्तीन निर्माण की नीति घोषित की थी। इसके बाद ही समाधान की संभावना दिखाई दी थी। किंतु इस नीति के विरोध में हमास की गतिविधियां बढ़ीं। वह लगातार क्रूर होता गया। अब तो उसने सारी हद पार कर दी है। मध्यपूर्व में यहूदी राष्ट्र के अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता। यह सच है कि अल अक्शा मस्जिद से मुसलमानों की आस्था जुड़ी है। मगर यह भी सत्य है कि यहूदियों की आस्था यहां के टेंपल माउंट से जुड़ी है। दावा है कि यहां उनके दो प्राचीन पूजा स्थल हैं। पहले को किंग सुलेमान ने बनवाया था। बेबीलोन्स ने इसे तबाह कर दिया था। फिर उसी जगह यहूदियों का दूसरा मंदिर बनावाया गया, जिसे रोमन साम्राज्य ने नष्ट कर दिया। इसका उल्लेख बाइबिल में भी बताया जाता है। जाहिर है कि इजरायल का दावा सर्वाधिक प्राचीन है। इस समय यहां इजरायल का कब्जा है। यरुशलम में ईसाइयों का द चर्च ऑफ द होली सेपल्कर है। मान्यता है कि ईसा मसीह को यहीं सूली पर चढ़ाया गया था। यहीं प्रभु यीशु के पुनर्जीवित हो उठने वाली जगह भी है। 1967 के युद्ध में इजराइल ने पूर्वी यरुशलम पर भी कब्जा कर लिया था। पूरे यरुशलम को ही वह अपनी राजधानी मानता रहा है। फिलिस्तीनी भी इसे अपनी भावी राजधानी के रूप में देखते हैं। इजराइल का वर्तमान भू-भाग कभी तुर्किये के अधीन था। तुर्किये का वह साम्राज्य ओटोमान कहलाता है। जब 1914 में पहले विश्व युद्ध के दौरान तुर्किये के मित्र राष्ट्रों के खिलाफ होने से तुर्किये और ब्रिटेन के बीच युद्ध हुआ। ब्रिटेन ने युद्ध जीतकर ओटोमान साम्राज्य को अपने अधीन कर लिया। जियोनिज्म विचार के अनुसार यहूदियों ने अपनी मूल व मातृभूमि को पुनः हासिल करने का संकल्प लिया था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने अपनी स्थापना के दो वर्ष बाद फिलिस्तीन को दो हिस्सों में बांटने का निर्णय लिया था।

■ **डॉ दिलीप अग्निहोत्री**

है न विचित्र बात !

अशोक कुमार की शराब व शतरंज में पहली हार

हर साल 13 अक्टूबर को हिंदी सिनेमा के पहले स्टार अशोक कुमार की जयंती मनाई जाती है। कोलकाता में कानून की पढ़ाई कर रहे अशोक कुमार का फिल्मों में आना एक संयोग ही था। वह अपने जीजा शशधर मुखर्जी से मिलने बंबई (अब मुंबई) गये थे। उनके जीजा बॉम्बे टॉकीज में साउंड रिकॉर्डिस्ट थे। नौकरी दिलाने के उद्देश्य से वे उन्हें बॉम्बे टॉकीज के मालिक हिमांशु राय से मिलाने ले गये। अशोक कुमार तब निर्देशक बनना चाहते थे किंतु हिमांशु राय ने यह कहकर कि अच्छे निर्देशक होने के लिए पहले अभिनेता बनना जरूरी है, उन्हें अपने जर्मन निर्देशक फ्रैंज ऑस्टिन से मिलने भेज दिया। फ्रैंज ऑस्टिन ने उन्हें पहली नजर में ही रिजेक्ट कर दिया। बीएससी होने के कारण शशधर ने पहले सहायक कैमरामैन फिर सहायक फिल्म संपादक और लैब टेक्नीशियन बनाकर बॉम्बे टॉकीज में ही रख लिया। एक दिन जीवन नैय्या फिल्म का हीरो अचानक गायब हो गया तो उन्हें हीरो बनकर कैमरे के आगे खड़ा कर दिया गया और यहीं से अशोक कुमार की फिल्म जीवन की नाव चल पड़ी। इसी दौरान देविका रानी के साथ बनी अछूत कन्या फिल्म ने देशभर में धूम मचा दी। इसमें उनका गाया हुआ गाना 'मैं वन की चिड़िया बनके वन-वन बोलूं रे ... बहुत लोकप्रिय हुआ। उसके बाद तो बॉम्बे टॉकीज की कई हिट फिल्में उनके नाम रहीं जैसे वचन, कंगन, बंधन, झूला, किस्मत, चल चल रे नौजवान आदि। हिमांशु राय की मृत्यु के बाद 1947 से 1949 तक अशोक कुमार ने बॉम्बे टॉकीज को चलाने के लिए दूसरे बैनर की फिल्में नहीं की। इस दौरान मजबूर, जिद्दी, महल, मुकद्दर, मां , मशाल, तमाशा और संग्राम जैसी सफल फिल्मों का निर्माण हुआ। लेकिन वहां के अकाउंटेंट की धोखाधड़ी से कंपनी घाटे में रही। 1953 में उन्होंने बॉम्बे टॉकीज छोड़ दी और अपनी एक फिल्म कंपनी फिल्मिस्तान का निर्माण किया। किशोर साहू जो अपने समय के प्रसिद्ध अभिनेता, निर्माता-निर्देशक थे ने अशोक कुमार के साथ का एक किस्सा बड़े रोचक ढंग से अपनी आत्मकथा में लिखा है। किशोर साहू, अशोक कुमार से पहली बार बॉम्बे टॉकीज में जब मिले तब वह काम की तलाश में वहां पहुंचे थे। यह पहली मुलाकात उस आम के पेड़ के नीचे हुई जिसकी डाली पर बैठकर अशोक कुमार और देवका रानी पर अछूत कन्या का गाना मैं वन की चिड़िया...फिल्माया गया था। अशोक कुमार के साथ उन्होंने सावित्री फिल्म में चित्रकार का एक छोटा सा रोल भी किया। आगे अशोक कुमार के जीजा शशधर मुखर्जी ने उनको एक मकान किराये पर दिलाया जो की मान बाग के नाम से प्रसिद्ध था बॉम्बे टॉकीज के स्टूडियो के नजदीक था। तभी किशोर साहू को वहां की फिल्म जीवन प्रभात में हीरो का रोल मिला। उस दौरान अशोक कुमार लंबी छुट्टी लेकर खंडवा आराम करने चले गये थे । 22 अक्टूबर को किशोर साहू का जन्मदिन होता है उस दिन अशोक कुमार ने उनसे कहा कि चलो साहू आज बंबई चलकर तुम्हारा जन्मदिन मनाते हैं। दोनों लोकल ट्रेन लेकर मलाड से बंबई पहुंचे। वीटी स्टेशन पर उतरकर उन लोगों ने एम्पायर थियेटर में अंग्रेजी फिल्म देखी और फिर अशोक कुमार के कहने पर एम्पायर रेस्त्रां में चले गये। इससे पहले न किशोर साहू ने और न अशोक कुमार ने कभी शराब पी थी। अशोक कुमार के पूछने पर की क्या पीना है उन्होंने ब्रांडी का नाम लिया। अशोक कुमार भी ब्रांडी पीने को तैयार हो गये। दोनों ने एक-एक पैग ब्रांडी पी और साथ में मूंगफली और नमकीन चिप्स खाये। आधे घंटे बाद जब दोनों महात्मा गांधी रोड (उस समय हॉर्नबी रोड) पर निकले तो विक्टोरिया टर्मिनल स्टेशन के भारी भरकम घड़ी के कांटे उन दोनों को धुंधले दिखाई दे रहे थे, कदम डगमगा रहे थे।

■ **अजय कुमार शर्मा**

अस्तित्व को मां रूप में देखना आनंददायी

देवी उपासना के उल्लासधर्मा उत्सव चल रहे हैं। यह प्रकृति की आराधना है। प्रकृति मां है। हम सब इसी के अंश हैं, इसी में पलते हैं। प्रकृति गर्भ से अरबों जीव आ चुके। प्रतिपल आ रहे हैं। सतत अविरल। पुनर्नवा। फूल, फल वनस्पति, प्राणी। प्रश्न उठते हैं कि बार-बार क्यों होता है ऐसा सृजन? वैसी ही नन्ही चिड़िया, गाय का निर्दोष बछड़ा। निष्कलुष, अनासक्त, लोभ मुक्त शिशु। जीवन अद्वितीय है। मां का ही प्रसाद है। प्रकृति सृजनरत है। यह संभवतः कोई गीत रच रही है-अनंतकाल से। अपूर्ण गीत को फिर-फिर संशोधित करती है। छन्दबद्ध करती है। लय देती है। प्रकृति लालित्य रस से भरी-पूरी है। सृजन रहस्यपूर्ण है 'ऊधो कहि न जाय का कहिये देखत अति विचित्र रचना यह समुझि मनै मन रहिये।' यह जीर्ण शीर्ण को निरस्त करती है बार-बार। फिर नूतन प्रवाह और बार-बार सृजन। प्रकृति माता है। हम सबको सींचती है प्रतिपल। वनस्पतियां आकर्षित करती हैं। वे हमारी प्राण ऊर्जा की पूरक हैं। कीट पतंग विविध परिधान में घूमते हैं। प्रकृति दशों दिशाओं से अनुग्रह की वर्षा करती है। हमारा अनुगृहीत भाव स्वाभाविक है। यहां समूची प्रकृति के प्रति धन्यवाद भाव है। वह हमारी माता है। दिव्यता के कारण देवी है। जननी होने के कारण माता है। यह जीवन प्रकृति का ही उपहार है। प्रकृति का पोषण, संवर्द्धन मां की ही सेवा है। व्रत आदि आस्था के विषय हैं। मुख्य बात है-प्रकृति में मां देखने की अनुभूति। यह अनुभूति 'सर्वभूतेषु मातृरूपेण' प्रतीति है। प्रकृति स्वयंभू है,सदा से है। सभी रूप प्रकृति के ही रूप हैं। प्रकृति को मां देखते ही हमारी जीवनदृष्टि बदल जाती है। हम अपनी सुविधा के लिए उन्हें अनेक नाम देते हैं। दुर्गा, काली, सरस्वती, शाकम्भरी, महामेधा, कल्याणी, वैष्णवी, पार्वती आदि आदि। नाम स्मरण आंतरिक बोध में भी सहायक हैं। मूलभाव है-मां। या देवी सर्वभूतेषु मातृरूपेण संस्थिता, नमस्तस्ये, नमस्तस्ये नमो नमः। प्रकृति को दिव्य मां देखना अंधविश्वास का प्रश्न नहीं। प्रकृति अखण्ड इकाई है। इस अखण्ड इकाई का नाम क्या रखें? नाम रखते ही रूप का ध्यान आता है। रूप की सीमा है। प्रकृति अनंत है। असीम और अव्याख्येय। इसे मां कहने में आह्लाद है। सम्प्रति भारत का मन भावप्रवण है। भावप्रवण चित्त में ही शिवसंकल्प उगते हैं। दुनिया का सारा सुन्दर भावप्रवण लोगों ने गढ़ा है। सुन्दर काव्य या सुन्दर ऊक्त-सूक्त। कला सहित सारे सृजन। प्रकृति प्रत्यक्ष भाव बोध में माता है। माता देवी है। देवी माता है। देवी उपासना मां और संतान के अविभाज्य और अनिवर्चनीय प्रेम का चरम है। दुर्गा सप्तशती में भी यही अनुभूति है। यह मां सर्वभूतेषु उपस्थित है। मां मां है। मां न स्त्री है और न पुरुष। वह देवी है, दिव्य है, देवता है। प्रणम्य है। मां उपासना वैदिक काल से भी प्राचीन है। ऋग्वेद में पृथ्वी माता हैं ही। इडा, सरस्वती और मही भी माता हैं, ये तीन देवियां कही गयी हैं-इडा, सरस्वती, मही तिस्रो देवीर्मयो भुव।' (1.13.9) एक मंत्र (3.4.8) में 'भारती को भारतीभिः कहकर बुलाया गया है-आ भारती भारतीभिः।' मां हरेक क्षण स्तुत्य है। दुख और विषाद में मां आश्वस्तिदायी है तो प्रसन्नता और आह्लाद में भी मां की उपस्थिति जरूरी है। इसलिए 'भारती' को नेह-न्योता है। भारतीभिः भरतजनों की इष्टदेवी हैं। ऋग्वेद में ऊषा भी देवी हैं। एक सूक्त (1.124) में 'ये ऊषा देवी नियम पालन करती हैं। नियमित रूप से आती हैं।' (वही मन्त्र 2) ऊषा, 'सबको प्रकाश आनंद देती हैं। अपने पराए का भेद नहीं करतीं।' (वही, 6) सबको समान दृष्टि से देखती हैं। ऋग्वेद में जागरण की महत्ता है। इसलिए 'सम्पूर्ण प्राणियों में सर्वप्रथम ऊषा ही जागती हैं।' (1.123.2) प्रार्थना है कि 'हमारी बुद्धि सत्कर्मों की ओर प्रेरित करे।' (वही, 6) ऊषा सतत प्रवाह है। आती हैं, जाती हैं फिर फिर आती हैं। जैसी आज आई हैं, वैसे ही आगे भी आयेंगी।' ऋग्वेद में मन की शासक देवी का नाम 'मनीषा' है। मनीषा और प्रज्ञा पर्यायवाची हैं। ऋषि आवाहन करते हैं 'प्र शुकैतु देवी मनीषा'। (7.34.1) ऋग्वेद में श्रद्धा भी एक देवी हैं, 'श्रद्धा प्रातर्हवामहे, श्रद्धा मध्यंदिन परि, श्रद्धां सूर्यस्य निम्रुचि श्रद्धे श्रद्धापयेह नः'-हम प्रातःकाल श्रद्धा का आह्वान करते हैं, मध्यान्ह में श्रद्धा का आह्वान करते हैं, सूर्यास्त काल में श्रद्धा की ही उपासना करते हैं। हे श्रद्धा हम सबको श्रद्धा से परिपूर्ण करें। (10.151.5) श्रद्धा प्रकृति की विभूतियों में शिखर है-श्रद्धां भगस्तय मूर्धनि। (10.151.1) ऋग्वेद में जल को भी मां देखा गया है। वे 'जल माताएं' आपः मातरम हैं और देवियां हैं। मां ही जन्म देती है। मां नहीं तो सृष्टि विकास नहीं। ऋग्वैदिक ऋषियों की अनुभूति में संसार के प्रत्येक तत्व को जन्म देने वाली यही आपः मातायें हैं-विश्वस्य स्थातुर्जगतो जनित्रीः (6.50.7) ऋग्वेद के बहुत बड़े देवता है अग्नि। इन्हें भी आपः माताओं ने जन्म दिया हैः तमापो अग्निं जनयन्त मातरः (10.91.6) ऋग्वेद में वाणी की देवी वाग्देवी (10.125) हैं। वाणी की शक्ति अपरिमित है। वाग्देवी (ऋग्वेद वाक्सूक्त 10.125) कहती हैं-'मैं रूद्रगणों वसुगणों के साथ भ्रमण करती हूं। मित्र, वरुण, इन्द्र, अग्नि और अश्विनी कुमारों को धारण करती हूं। मेरा स्वरूप विभिन्न रूपों में विद्यमान है। श्रवण, मनन, दर्शन क्षमता का कारण मैं ही हूं। मैं समस्त लोकों की सर्जक हूं आदि। वे 'राष्ट्री संगमनी वसूनां-राष्ट्रवासियों और उनके सम्पूर्ण वैभव को संगठित करने वाली शक्ति-राष्ट्री है'। (10.125.3) हम सबने भारत को भी भारत माता जाना। मां सर्वोत्तम अनुभूति है, प्रकृति की आदि अनादि अनुभूति। जीवन के हरेक स्पंदन में मां है। हम विराट का अंश है। मां भी विराट का अंश है। विराट अपने अंश हममें प्रकट करता है। मां को माध्यम बनाता है। हम 9 माह गर्भ में रहते हैं। मां की सांस हमारी सांस बनी रहती है। मां जागती रहती है, हम सो सकते हैं। वह सोई हो, तो भी हम जागते रह सकते हैं। गर्भ में हम ईर्ष्या राग द्वैष से मुक्त रहते हैं। भोजन, पानी और पोषण की चिन्ता से भी मुक्त। मां का गर्भ सर्वोत्तम सुरक्षा, सर्वोत्तम आनंद आश्रय और विकास के अवसर देता है। हम गर्भ से बाहर आते हैं, संसार में। उस समय मां असह्य और दुर्निवार व्यथा में होती है लेकिन हमारे संभवन को संभव बनाती है। वह हमारे होने, विकसित होने और सक्षम होने में अपनी भूमिका निभाती है। श्रीकृष्ण या श्रीराम को ईश्वर का अवतार कहा जाता है। वे भी मां के माध्यम से ही यहां आये। अस्तित्व को मां रूप में देखना आनंददायी है। हम पृथ्वी पुत्र हैं। पृथ्वी मां है। ऋग्वेद माता की गहन अनुभूति से भरापूरा है। ऋषि आनंद उल्लास और आश्वस्ति के हरेक प्रतीक में मां देखते हैं। पृथ्वी माता है। कहते हैं 'माता पृथ्वी धारक है। पर्वतों को धारण करती है, मेघों को प्रेरित करती है। वर्षा के जल से अपने अंतस ओज से वनस्पतियां धारण करती है।' ऋग्वेद में रात्रि भी एक देवी हैं 'वे अविनाशी-अमत्र्या हैं, वे आकाश पुत्री हैं, पहले अंतरिक्ष को और बाद में निचले-ऊचे क्षेत्रों को आच्छादित करती है।

प्रकृति लालित्य रस से भरी-पूरी है। सृजन रहस्यपूर्ण है 'ऊधो कहि न जाय का कहिये देखत अति विचित्र रचना यह समुझि मनै मन रहिये।' यह जीर्ण शीर्ण को निरस्त करती है बार-बार। फिर नूतन प्रवाह और बार-बार सृजन। प्रकृति माता है। हम सबको सींचती है प्रतिपल। वनस्पतियां आकर्षित करती हैं। वे हमारी प्राण ऊर्जा की पूरक हैं। कीट पतंग विविध परिधान में घूमते हैं। प्रकृति दशों दिशाओं से अनुग्रह की वर्षा करती है। हमारा अनुगृहीत भाव स्वाभाविक है। यहां समूची प्रकृति के प्रति धन्यवाद भाव है। वह हमारी माता है।

■ **हृदयनारायण दीक्षित**

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. C/O शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नंः BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नई दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com।

गागर में सागर

बिहार के सरकारी कार्यालयों में साप्ताहिक अवकाश रद्द

पटना। बिहार सरकार ने साप्ताहिक छुट्टियों को रद्द करने का आदेश जारी किया। इस आदेश के बाद सभी सरकारी कार्यालय शनिवार और रविवार को खुले रहेंगे। अपर सचिव के तरफ से आदेश जारी किया गया है। इसके पीछे की वजह बिहार सरकार प्रमोशन में रिजर्वेशन को तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्णय बताया जा रहा है।अपर सचिव के जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य के प्रशासनिक हित में प्रमोशन में रिजर्वेशन को लेकर जो योजना बनाई गई है उसके कार्यों के निष्पादन के लिए विभागीय आदेश के अनुसार 03,04, 08, 09, 12, 14 15, 16, 17, 24 एवं 27 तारीख को सभी सरकारी दफ्तर सामान्य कार्य दिवस की भांति खुले रहेंगे। इसमें 14 अक्टूबर को शनिवार एवं 15 अक्टूबर को रविवार है। आदेश के बाद माना जा रहा है कि अगले सप्ताह से प्रमोशन का नोटिफिकेशन जारी होना शुरू हो जाएगा।

कैबिनेट के फैसले के बाद बिहार के मुख्य सचिव अमीर सुबहानी ने सभी विभाग के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की है। उन्होंने कहा है कि 14 अक्टूबर और 15 अक्टूबर को राज्य के सभी कार्यालय खुले रहेंगे यानी जिला स्तर तक के कार्यालय शनिवार और रविवार को खुले रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि नीतीश कैबिनेट ने शुक्रवार को सरकारी सेवकों को प्रमोशन देने का रास्ता साफ किया है। पिछले सात साल से यह अटका हुआ था। इससे पहले मुख्य सचिव ने सभी विभाग को रिक्तियों की सूची जल्द से जल्द तैयार करने का आदेश जारी किया था।

कूच बिहार जिले के नशा मुक्ति केंद्र में नाबालिग की हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कूचबिहार जिले के तूफानगंज में एक नशा मुक्ति केंद्र में एक नाबालिग लड़के की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इससे इलाके में तनाव है। मृतक की पहचान सैफुर अली (17) के रूप में हुई है। केंद्र के अधिकारियों ने शुक्रवार को उसके परिवार के सदस्यों को फोन कर बताया था कि गंभीर हालत में उनके बेटे को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराने के लिए भेजा जा रहा है। बताया गया है कि अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घर वालों ने बेटे की हत्या की शिकायत शुक्रवार रात थाने में दर्ज कराई है। परिजनों का आरोप है कि उसके शरीर पर गंभीर चोट और जलाने के निशान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अली की पीट-पीटकर हत्या की गई है।इस खबर के इलाके में फैलते ही स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साई भीड़ पुनर्वास (नशा मुक्ति) केंद्र पहुंचकर तोड़फोड़ की। स्थिति को नियंत्रण करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचा। परिजनों ने हादसे के लिए नशा मुक्ति केंद्र से जुड़े कुछ लोगों को जिम्मेदार बताया है। शनिवार सुबह नशा मुक्ति केंद्र के आसपास अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

कुख्यात अपराधी केसरिया को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

बेगूसराय। अपराधियों को जेल भेजने के लिए एक्शन मोड में काम कर रही बिहार पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) एवं बेगूसराय पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। बिहार एसटीएफ के विशेष टीम के द्वारा बेगूसराय जिला पुलिस के सहयोग से बेगूसराय के कुख्यात वांछित अपराधी बछवाड़ा थाना क्षेत्र के चमथा रजौली बिंद टोली निवासी स्व. रामजी महतो के पुत्र केसरिया महतो को गिरफ्तार कर लिया गया है। केसरिया को बछवाड़ा थाना क्षेत्र के चमथा दियारा क्षेत्र में छापामारी कर अवैध अग्नेयास्त्र के साथ गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक देशी पिस्तौल एवं दो गोली बरामद किया गया है। पुलिस अधिकारी केसरिया से पूछताछ कर रहे हैं। उसके बाद ही इस मामले में विशेष खुलासा होगा।

बेगूसराय एवं समस्तीपुर जिला के विभिन्न थानों में लूट, अपहरण, रंगदारी एवं आर्म्स एक्ट के छह मामले में केसरिया 13 वर्षों से फरार चल रहा था। एसटीएफ को सूचना में मिली कि बिहार एसटीएफ के टॉप 176 अपराधियों के सूची में शामिल बेगूसराय जिला के कुख्यात अपराधी केसरिया महतो चमथा दियारा में है।

इसके बाद बिहार एसटीएफ के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी-03) के पुलिस उपाधीक्षक विभाष कुमार के निर्देशन में एसटीएफ की टीम ने स्थानीय बेगूसराय जिला पुलिस के सहयोग से घेराबंदी कर दिया। घेराबंदी देखकर उसने चकमा देने की कोशिश की, लेकिन गिरफ्तार कर लिया गया।

बीए प्रथम वर्ष की छात्रा ने फांसी लगाई, पुलिस छानबीन में जुटी

वाराणसी। चेतगंज थाना क्षेत्र के हबीबपुरा स्थित एक निजी गर्ल्स हॉस्टल में शनिवार को एक छात्रा का शव फंदे से लटकता मिला। सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव को फंदे से उतार कर अपने कब्जे में ले लिया। घटना की जानकारी मृत छात्रा के परिजनों को भी दे दी गई।

कांग्रेस ने आदिवासियों को कभी नहीं दिया उचित सम्मान: शिवराज

एजेंसी। भोपाल

हमारी आदिवासी बहनें जब जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने जाती थीं, तो प्यास से उनका कंठ सूखने लगता था, पैरों में कांटे चुभ जाते थे। जब किसी आदिवासी भाई-बहन के पैरों में कांटा चुभता है, तो वो कांटा हमारे कलेजे में चुभ जाता है। उनकी तकलीफों को देखते हुए हमारी सरकार ने आदिवासी बहनों को चप्पल, पानी की कुप्पी और साड़ी देना शुरू किया था। लेकिन कमलनाथ की 15 महीनों की सरकार ने यह योजना बंद कर दी थी। अब हमारी सरकार फिर से तेंदूपत्ता तोड़ने वाले भाई बहनों को जूते-चप्पल पहना रही है, पानी की कुप्पी और साड़ी दे रही है, तो इन्हें तकलीफ हो रही है। यही कांग्रेस का असली चरित्र है और इसी के चलते वह हमेशा आदिवासियों को अपमानित करती रही है। लेकिन

कमलनाथ और प्रियंका जी सुन लें, हम आदिवासी भाई बहनों को सम्मान भी देंगे और सामान भी देंगे। यह बात मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कांग्रेस पार्टी को गरीब विरोधी, आदिवासी विरोधी और बहनों की विरोधी बताते हुए कही। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी आदिवासियों, जनजातीय नायकों को सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस केवल अपने नेताओं के, एक परिवार के लोगों के स्मारक बनवाती रही, लेकिन कभी भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या मामा, भीमा नायक, शंकर शाह, रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती को सम्मान नहीं दिया। इनके स्मारक हम बनवा रहे हैं। अपनी आदिवासी विरोधी सोच के चलते कांग्रेस ने मध्यप्रदेश में कभी शिवभानुसिंह सोलंकी जी और जमनाबाई जैसे नेताओं को मुख्यमंत्री नहीं बनने दिया। हमारी सरकार बेगा, भारिया और सहरिया बहनों के खातों में 2017 से पोषण अनुदान के 1000 रुपये डालती थी, लेकिन उससे भी इन्हें तकलीफ थी और कमलनाथ की सरकार ने आते ही इन गरीब बहनों के पैसे भी बंद कर दिए। इन्होंने हमारे गरीबों, आदिवासी भाइयों के लिए सहारा बन रही संबल योजना भी बंद कर दी थी। चौहान ने कहा कि वो कांग्रेस ही है, जिसने आदिवासी भाइयों के साथ अन्याय किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार कांग्रेस ने आदिवासी बहनों के पैसे छीने थे, अब उनकी नजर लाडली बहनों को मिलने वाले पैसों पर है और कांग्रेस इस योजना को बंद कराने की तैयारी कर रहे हैं। ये ट्वीट कर रहे हैं कि मामा चुपके से पैसा डालेगा.....।हां, मैं बहनों के खातों में पैसे डालूंगा। ये पहले से चल रही योजना है और इसे कोई बंद नहीं करा सकता।

फर्जी पासपोर्ट मामला

सीबीआई ने राज्य में कई ठिकानों पर की छापेमारी

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में चल रहे फर्जी पासपोर्ट गिरोह पर केंद्रीय एजेंसी सीबीआई ने नकेल कसना शुरू कर दिया है। पासपोर्ट फजीर्वाड़े के आरोप में सीबीआई ने राज्य के कई हिस्सों में छापेमारी की है। कोलकाता के रूबी, साल्ट लेक के अलावा हावड़ा में भी सीबीआई का तलाशी अभियान चल रहा है। खबर है कि केंद्रीय जांच एजेंसी दार्जिलिंग और सिलीगुड़ी में भी छापेमारी कर रही है। सीबीआई के एक अधिकारी के मुताबिक, शनिवार को देशभर में कम से कम 50 जगहों पर तलाशी चल रही है। सीबीआई की छह सदस्यीय टीम शनिवार सुबह हावड़ा के उलुबेरिया के महिशाली निवासी शेख सहनूर के घर पहुंची है। सहनूर के घर को केंद्रीय बलों ने घेर रखा है और अंदर अधिकारियों की तलाशी चल रही है। उससे पूछताछ भी हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, जांचकर्ता सहनूर के जवाब से संतुष्ट नहीं हुए इसके बाद उसे आगे की पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी निजाम पैलेस पहुंचे हैं। उधर, रूबी इलाके में स्थित पासपोर्ट कार्यालय में सुबह सात बजे सीबीआई की एक बड़ी टीम पहुंची। सहनूर के पड़ोसियों के मुताबिक, वह वीजा और पासपोर्ट बनाने का काम करता था। उसका ऑफिस साल्ट लेक में है। शनिवार सुबह सीबीआई की टीम सहनूर के घर में दाखिल हुई तो इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह 11 बजे तक सीबीआई की टीम उसे हिरासत में लेकर रवाना हो गई।

योगी सरकार का अहम फैसला

पांच एक्सप्रेस-वे के किनारे बसाए जाएंगे 32 औद्योगिक शहर

एजेंसी। लखनऊ

योगी आदित्यनाथ सरकार अपने पांच एक्सप्रेस-वे के किनारों पर 32 औद्योगिक शहर बसाने जा रही है। इसमें पूर्वांचल, बुंदेलखंड और गंगा एक्सप्रेस-वे के किनारे बसे 23 जिलों के 84 गांवों को चिन्हित कर औद्योगिक शहर के लिए अधिसूचित भी कर दिया गया है। अब उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) इनके अधिग्रहण का काम करेगा। हर शहर के लिए शुरू के चरण के लिए 100 से 600 एकड़ तक जमीन का अधिग्रहण होना है। अधिग्रहण के बाद यूपीडा यहां बुनियादी सुविधाओं का विकास कर इनको निवेशकों को उपलब्ध कराएगा। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि इन शहरों में वेयर हाउस, लॉजिस्टिक, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, होजरी, फूड प्रोसेसिंग, दुग्ध प्रसंस्करण, दवा, मशीनरी से संबंधित इकाइयों में निवेश आकर्षित कराने का फोकस होगा। यह भी ख्याल रखा जाएगा कि जिस क्षेत्र में जिस उद्योग की परंपरा हो उससे संबंधित उद्योग

भी लगें। इसके अलावा भी करीब दर्जन भर शहरों से लगे अलग टाउनशिप का भी विकास योगी सरकार कर रही है। इसका दोहरा लाभ होगा। संतृप्त हो चुके शहरों की बुनियादी सुविधाओं पर अब और अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा। नए शहर या टाउनशिप पूरी तरह से नियोजित होंगे। इनमें रहने वालों का जीवन स्तर बेहतर होगा। ये उनके सपनों के परवान चढ़ाने में मददगार बनेगा। उन्होंने बताया कि विश्व आर्थिक मंच की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2030 तक देश के करीब 40 फीसद लोग शहरों में निवास करेंगे।

हिंदुओं की धार्मिक भावना और स्वतंत्रता पर हमला कर रही है बिहार सरकार : गिरिराज

एजेंसी। बेगूसराय/पटना

केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने शनिवार को बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर से मिलकर बिहार में हिंदुओं के धर्मांतरण, लव-जिहाद के द्वारा दलित पिछड़ों के साथ शोषण तथा हिंदुओं के त्योहार में अघोषित पाबंदी पर संज्ञान लेने का अनुरोध किया है। गिरिराज सिंह ने सांसद राम कृपाल यादव, विधायक संजीव चौरसिया, विधायक कुंदन कुमार, पूर्व विधायक शिवेश राम, प्रदेश मंत्री संतोष रंजन राय एवं मीडिया प्रभारी दानिश इकबाल के साथ राज्यपाल से मुलाकात किया है। गिरिराज सिंह के नेतृत्व में मिलने गए सभी नेताओं ने बिहार सरकार द्वारा हिंदुओं के साथ किया जा रहे भेदभाव सहित अन्य मामले को विस्तार से रखा है। गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार सरकार के

द्वारा अपने राजनीतिक लाभ के लिए हिंदू समुदाय विशेष कर दलित और पिछड़े वर्ग पर अत्याचार हो रहे हैं। नवरात्र से प्रारंभ दुगार्पूजा और त्योहारों के महीने में अघोषित पाबंदी तथा प्रदेश भर में पूजा समितियों पर अघोषित पाबंदी संविधान में हिंदुओं के धार्मिक तथा नागरिक स्वतंत्रता पर सीधा प्रहार है। प्रदेश हित में इन विषयों पर संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान करने का निर्देश देने का आग्रह किया है।कल से शारदीय नवरात्र के साथ सनातनी हिंदुओं के त्योहारों का महीना प्रारंभ हो रहा है। बिहार सरकार ने हिंदुओं के त्योहार पर रक्षाबंधन से शुरू छुट्टियों की कटौती के बाद भाजपा द्वारा तीव्र विरोध करने पर अपना आदेश वापस लिया। अब उसी मानसिकता के तहत नवरात्र में शिक्षकों की छुट्टियों की अवधि में आवासीय प्रशिक्षण का निर्देश देकर हिंदुओं की घोषित छुट्टियों पर अघोषित पाबंदी लगा दी है। इस अवधि में हिंदू धर्मावलंबी दस दिनों तक लगातार उपासना करते हैं। दुर्गा पूजा की पूजा समितियों को लाइसेंस देने के समय ही जिला प्रशासन अपने मनमाफिक विसर्जन तथा विसर्जन के रूट को अंकित कर हिंदुओं की धार्मिक भावना को आहत कर रही है। जिला प्रशासन अपने कड़े निदेर्शों के माध्यम से पूजा समितियों के सदस्यों के नाम पुलिस थानों में अंकित कर रही है। जिससे समितियों के सदस्यों तथा सनातनियों के बीच भय का वातावरण व्याप्त हो रहा है। बेगूसराय में सुनियोजित षड्यंत्र के तहत हिंदुओं की धार्मिक भावना तथा दलित पिछड़ों के साथ अन्याय किया जा रहा है। पिछले दिनों बेगूसराय के खातोपुर में शिवलिंग तोड़ने की घटना के बाद जिला प्रशासन के द्वारा एक दर्जन निर्दोष हिंदुओं को जेल में बंद कर दिया गया।

शुभेंदु का ममता पर आरोप, पूजा में भी वीआरपी कर्मियों को वेतन नहीं दे रही बंगाल सरकार

एजेंसी। कोलकाता

एक तरफ पश्चिम बंगाल सरकार राज्य के 100 दिनों की रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के कामगारों का बकाया केंद्र से नहीं मिलने को लेकर हमलावर है तो दूसरी तरफ राज्य सरकार पर अपने ही कर्मचारियों को तीन महीने से वेतन नहीं देने के गंभीर आरोप नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने लगाया है। राज्य के विभिन्न हिस्सों में विलेज रिसोर्स पर्सन यानी ग्राम संसाधन कर्मचारियों (वीआरपी) को वेतन पिछले तीन महीने से नहीं मिला है। इस बावत शनिवार को शुभेंदु अधिकारी ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स पर एक वीआरपी कमी के खाते का फोटो डाला है। इसमें देखा जा सकता है कि जुलाई महीने में आखिरी बार वेतन मिला था और उसके बाद कोई सैलरी नहीं आई है। शुभेंदु ने सोशल मीडिया पर लिखा कि त्यौहारी सीजन में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा ग्राम संसाधन कर्मचारियों (वीआरपी) को "संसाधनहीन" छोड़ दिया गया है।

पश्चिम बंगाल में वीआरपी के तौर पर 25 हजार 40 लोग कार्यरत हैं, जिन्हें पिछले तीन महीने से वेतन नहीं मिला है।उन्होंने आगे लिखा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न विकास योजनाओं के परिणाम का आकलन करने के लिए सामाजिक लेखा (सोशल ऑडिट) परीक्षा आयोजित करने के लिए ग्राम संसाधन कर्मचारियों का उपयोग आमतौर पर किया जाता है। केंद्र और राज्य सरकारों के लिए, योजनाएं बनाने और संशोधित करने के लिए जमीनी डेटा एकत्र करना बेहद महत्वपूर्ण है। वीआरपी सरकार की आंख और कान के रूप में कार्य करते हैं जो पारदर्शी रूप से रिपोर्ट करते हैं कि जमीनी स्तर पर योजनाओं को कैसे लागू किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल में, वीआरपी का उपयोग अतिरिक्त कार्यों के लिए भी किया गया था, जो उनकी नौकरी की जिम्मेदारियों के अंतर्गत शामिल नहीं हैं। जैसे डेंगू जैसी वेक्टर जनित बीमारियों के प्रसार के बारे में जागरूक करना और सरकार को रिपोर्ट देना। उन्हें केवल पांच हजार 250 रुपये प्रति माह की मामूली राशि का भुगतान किया जाता है। उन्हें पिछले तीन महीने से वेतन नहीं मिला है। दिवालिया राज्य सरकार ने उनका भुगतान नहीं किया है। मैंने उदाहरण के तौर पर एक वीआरपी से संबंधित बैंक पासबुक की प्रति संलग्न की है। राज्य सरकार के अधिकारियों से विशेष तौर पर अनुरोध करते हुए शुभेंदु ने लिखा है कि मैं राज्य के मुख्य सचिव हरि कृष्ण द्विवेदी (आईएएस), अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त विभाग मनोज पंत (आईएएस), अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. एम.वी.राव (आईएएस) और डॉ. पी उलगनाथन (आईएएस) सचिव; पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से वीआरपी के लंबित वेतन को 17 अक्टूबर से पहले बोनस राशि के साथ जारी करने का अनुरोध कर रहा हूं। शुभेंदु ने कहा है कि अगर ऐसा हुआ तो वीआरपी कर्मचारियों के परिवार में भी दुर्गा पूजा के सीजन में आनंद का माहौल होगा।

भाजपा नौकरियां देने में विफल रही : कांग्रेस

एजेंसी। भोपाल/नई दिल्ली

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए कुछ ही हफ्ते बचे हैं। ऐसे में कांग्रेस ने शनिवार को बेरोजगारी को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधा और कथित बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के कारण नौकरियां देने में विफल रहने का आरोप लगाया। पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता शोभा ओझा ने कहा कि मध्य प्रदेश एक ऐसा राज्य है जहां भाजपा के पिछले 18 वर्षों के शासन में निवेश के नाम पर कुछ भी नहीं आया है।

शोभा ओझा ने आरोप लगाया कि ग्लोबल इन्वेस्टर मीट जैसे आयोजनों में करोड़ों रुपये पानी की तरह खर्च करने के बावजूद राज्य में निवेश के नाम पर कुछ नहीं आया। उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश के युवा न केवल सरकारी बल्कि प्राइवेट नौकरियों से भी वंचित रहे। यह शर्मनाक है कि

राज्य में 17,000 छात्र और बेरोजगार लोग आत्महत्या कर चुके हैं। प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में बीजेपी ने रोजगार के नाम पर सिर्फ घोटाले दिए हैं। मध्य प्रदेश ने पिछले 18 वर्षों में भारी बेरोजगारी, छात्र आत्महत्याओं और घोटालों का शर्मनाक दौर देखा है। भाजपा के संरक्षण में प्रदेश में तमाम माफिया पनपते रहे, जिससे सरकारी नौकरियां घोटालों की भेंट चढ़ गईं। कांग्रेस नेता ने कहा कि मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा की स्थिति खराब है। राज्य में 70 लाख युवा हैं, उच्च शिक्षा से वंचित हैं।

परंपरा — आदिवासी इंजीनियरिंग की मिसाल है बस्तर दशहरा का दुमंजिला विशाल रथ

पिछले 615 वर्षों से हो रहा है रथ का निर्माण

नवनिर्मित चार पहियों वाले रथ का संचालन 16 अक्टूबर से किया जायेगा

दो मंजिले रथ का निर्माण करते हैं। इसे बनाने में 50 घन मीटर लकड़ी का उपयोग होता है।

एजेंसी। जगदलपुर

बस्तर संभाग मुख्यालय में सबसे लंबी अवधि 75 दिनों तक चलने वाले रियासत कालीन परंपराओं के साथ बस्तर दशहरा पर्व में लकड़ी से बनाये जाने वाले दुमंजिला रथ 40 फुट उंचा, 32 फुट लंबा एवं 20 फिट चौड़ा भव्य रथ इसकी एक मिसाल है। पिछले 615 वर्षा से प्रति वर्ष एक नया रथ का निर्माण किया जाता है, एक वर्ष 08 चक्के का रथ बनया जाता है, वही दूसरे वर्ष 04 पहियों वाले रथ का निर्माण किया जाता है। प्रति वर्ष नये सिरे से बनाये जाने वाले इस रथ को बनाने वालों के पास भले ही किसी इंजीनियरिंग की डिग्री न हो लेकिन जिस कुशलता और समयावधि में इसे तैयार किया जाता है वह आदिवासी इंजीनियरिंग की मिसाल है। इस वर्ष 04 पहियों वाले नये रथ का निर्माण किया जा रहा है, नया रथ आकार लेने लगा है, जिसका संचालन जिसका संचालन 15 अक्टूबर को नवरात्रि के कलश स्थापना के दूसरे दिन 16 अक्टूबर से किया जायेगा। इन दो दिनों में

नये रथ का निर्माण पूरा कर लिए जाने की बात रथ निर्माण के कारिगरों के मुखिया दलपति ने कहा है।उल्लेखनीय है कि रथ के चक्कों से लेकर धुरी (एक्सल) तथा रथ के चक्कों व मूल ढांचे के निर्माण में अपने सीमित और पारंपरिक औजारों कुल्हाड़ी व बसूले सहित अन्य औजारों का उपयोग करते हैं। बस्तर दशहरा रथ के ग्रामीण कारीगर/शिल्पी जिस कुशलता के साथ दो मंजिले रथ का निर्माण करते हैं। इसे बनाने में 50 घन मीटर लकड़ी का उपयोग होता है। माचकोट एवं तिरिया के समृद्ध साल वनों से लाए गए साल वृक्ष के मोटे तनों से रथ का एक्सल बनाया जाता है। इसके दोनों छोर पर चक्का बिठाने के लिए आकार तय किया जाता है। रथ परिचालन का सारा दारोमदार पहियों पर ही होता है। रथ का पहिया बनाने के लिए मजबूत लकड़ियों के दो अर्धगोलाकार आकृतियों को आपस में बिठाकर पूर्ण गोलाकार चक्कों का रूप दिया जाता है। इन चक्कों का आकार, मोटाई व उनके बीच बने नार का निर्माण ऐसे होता है कि रथ के संचालन में आसानी हो। बस्तर दशहरा रथ के संचालन एवं अन्य रियासत कालीन परंपराओं को देखने के लिए देशी/विदेशी पर्यटक अपार उत्कंठा लिए बस्तर पहुंचते हैं। बस्तर दशहरा के दुमंजिला लकड़ी से निर्मित रथ का संचालन आकर्षण और कौतूहल का विषय होता है।

नवादा से 5 दिन पूर्व लापता बैंक कर्मी राजगीर से बरामद

नवादा। नवादा पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। नवादा जिले के सिरदला थाना क्षेत्र से पिछले 5 दिन से लापताा बैंक कर्मी को पुलिस ने राजगीर से शनिवार को सकुशल बरामद कर लिया है। बैंक कर्मी नालंदा जिले के नगरनौसा के निवासी नीरज कुमार बताए जाते हैं। अधिकारी के मुताबिक नीरज बैंक में बतौर लोन वसूली एजेंट के रूप में कार्यरत थे। वह लोन वसूली के लिए 09 अक्टूबर को रजौली, सिरदला आए थे। उनके पास वसूली के करीब 42 हजार रुपये थे। उस दिन शाम में आखिरी बार जब उनसे बातचीत हुई, उसके बाद से ही उसका फोन स्विच-ऑफ हो गया। अगले दिन तक घर और ऑफिस नहीं आने पर परिजनों द्वारा सिरदला थाने में अगवा होने की शिकायत दर्ज करायी गयी थी।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट
Facilities
❖ आरसीटी
❖ पायरिया का ईलाज
❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
❖ स्माईल डिजाइन
❖ इनविजिवल क्लिप
❖ दंत रोपण
❖ फिक्स दाँत लगाना
❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

गागर में सागर

दिवंगत सीडीएस जनरल बिपिन रावत की बेटियों ने गया में किया पिंडदान

पटना। देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) दिवंगत जनरल बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका रावत के मोक्ष की कामना लिए उनकी दोनों बेटियां शनिवार को गया पहुंची। उन्होंने पितृपक्ष मेला के आखिरी दिन पूरे विधि-विधान के साथ फल्गु नदी के तट पर पिंडदान किया। इस दौरान दोनों की आंखें नम हो गईं। दोनों बेटियों कृतिका रावत और कुमारी तारिणी रावत के साथ मौके पर दिवंगत जनरल के भाई रिटायर्ड कर्नल विजय रावत, साले कुंवर यशवर्धन सिंह और सपना सिंह समेत परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि 08 दिसंबर, 2021 को बिपिन रावत सुलुरु वायुसेना हवाई अड्डे से रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन जा रहे थे। रास्ते में तमिलनाडु के नीलगिरि में उनका हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया। इस हादसे में बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका समेत 14 लोगों की मौत हो गई थी। उल्लेखनीय है कि सनातन धर्म में पितृपक्ष के दौरान पूर्वजों के लिए पिंडदान और तर्पण करने का विशेष महत्व होता है। खासकर बिहार की मोक्ष नगरी गया में पिंडदान करना बहुत ही अहम माना जाता है। 15 दिनों तक चलने वाले पितृपक्ष के दौरान लाखों लोगों ने पूर्वजों के मोक्ष के लिए पिंडदान किया।

भारत में 23 अगस्त को मनाया जाएगा 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस', अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। देश में 23 अगस्त को 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस संबंध में केन्द्र सरकार ने 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी कर दी है। चंद्रयान मिशन 3 के तहत 23 अगस्त, 2023 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर विक्रम लैंडर की सफल लैंडिंग की गई थी। उल्लेखनीय है कि 23 अगस्त को चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ घोषणाएं की थीं। इसमें जिस स्थान पर चंद्रयान-3 का मून लैंडर उतरा, उस स्थान को शिवशक्ति नाम रखना और 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने का भी ऐलान करना शामिल है। इसके अलावा चंद्रमा के जिस स्थान पर चंद्रयान-2 ने अपने पदचिह्न छोड़े हैं, उस प्वाइंट का नाम तिरंगा रखा गया।

अमित शाह की मौजूदगी में डॉ रमन सिंह कल नामांकन पत्र दाखिल करेंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह 16 अक्टूबर का राजनांदगांव से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। इस दौरान खुद केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहेंगे। इससे पहले भाजपा ने राजनांदगांव के स्टेट स्कूल मैदान में बड़ी रैली की योजना बनाई है, जिसकी तैयारियां शुरू हो गई हैं। भाजपा कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राजनांदगांव से पूर्व मुख्यमंत्री तथा भाजपा उम्मीदवार डॉ रमन सिंह के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होंगे। अमित शाह का पूरा प्रवास कार्यक्रम भी तय कर लिया गया है। तय शेड्यूल के मुताबिक अमित शाह 16 अक्टूबर को 11:45 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। उसके बाद रायपुर एयरपोर्ट से 11:50 बजे हेलीकॉप्टर से राजनांदगांव के लिए रवाना होंगे और 12 :22 बजे वो राजनांदगांव पहुंचेंगे। अमित शाह यहाँ पूर्व मुख्यमंत्री के नामांकन के अवसर पर आयोजित रैली और सभा में शिरकत करेंगे। अमित शाह 1:30 बजे हेलीकॉप्टर से रायपुर के लिए रवाना होंगे और यहां से वे 2 बजे कोलकाता के लिए रवाना होंगे।

भारत-श्रीलंका एक साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि प्रगति और विकास के लिए साझेदारी भारत-श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को वीडियो संदेश के माध्यम से नागापट्टिनम (भारत) और कांकेसंथुराई (श्रीलंका) के बीच नौका सेवाओं के शुभारंभ को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि भारत और श्रीलंका राजनयिक और आर्थिक संबंधों में एक नए अध्याय की शुरूआत कर रहे हैं और नागापट्टिनम और कांकेसंथुराई के बीच नौका सेवा की शुरूआत संबंधों को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, भारत अपने लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए श्रीलंका के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों की प्रगति और विकास के लिए साझेदारी को सशक्त माध्यम बताया और कहा कि हमारा दृष्टिकोण सभी तक विकास पहुंचाना है, किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना है। श्रीलंका में भारतीय सहायता से कार्यान्वित परियोजनाओं ने लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। उन्होंने बताया कि उत्तरी प्रांत में आवास, पानी, स्वास्थ्य और आजीविका सहायता से संबंधित कई परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और कांकेसंथुराई हार्बर के उन्नयन के लिए समर्थन देने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, चाहे वह उत्तर से दक्षिण को जोड़ने वाली रेलवे लाइनों की बहाली हो, प्रतिष्ठित जाफना सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण, पूरे श्रीलंका में आपातकालीन एम्बुलेंस सेवा शुरू करना, या डिक ओया के मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल में हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के दृष्टिकोण के साथ काम कर रहे हैं। भारत और श्रीलंका के बीच संस्कृति, वाणिज्य और सभ्यता के साझा इतिहास को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राचीन तमिल साहित्य में नागपट्टिनम और आसपास के शहर श्रीलंका सहित कई देशों के साथ समुद्री व्यापार के लिए जाने जाते हैं और पूम्पुहार के ऐतिहासिक बंदरगाह का उल्लेख एक केंद्र के रूप में किया जाता है। उन्होंने पट्टिनाप्पलाई और मणिमेकलाई जैसे संगम युग के साहित्य के बारे में भी बात की, जिसमें दोनों देशों के बीच नावों और जहाजों की आवाजाही का वर्णन है। उन्होंने महान कवि सुब्रमण्यम भारती के गीत 'सिंधु नाधियिन मिसाई' को भी याद किया, जिसमें भारत और श्रीलंका को जोड़ने वाले एक पुल का उल्लेख है। उन्होंने आगे कहा कि नौका सेवा उन सभी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को जीवंत बनाती है।

राष्ट्रपति विक्रमसिंघे की हालिया यात्रा पर प्रधानमंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी के केंद्रीय विषय के साथ आर्थिक साझेदारी के लिए संयुक्त रूप से एक विजन दस्तावेज अपनाया गया था।

भारत-श्रीलंका के बीच नौका सेवा हकीकत में बड़ा कदम : जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु के नागपत्तिनम से लेकर श्रीलंका में जाफना के पास कांकेसंतुरई तक नौका सेवा लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने की दिशा में हकीकत में एक बड़ा कदम है। विदेश मंत्री ने नौका सेवा के उद्घाटन के लिए आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम में कहा कि नयी दिल्ली का अपने पड़ोसी देशों को लेकर विनम्र तथा दूरदृष्टि भरा रुख है और उसका ध्यान कनेक्टिविटी, सहयोग तथा संपर्क पर केंद्रित है। उन्होंने कहा,हम भविष्य में ग्रिड कनेक्शन, पाइपलाइन और आर्थिक गलियारे की संभावनाएं तलाश रहे हैं। साथ ही श्रीलंका में सभी के सम्मान और समान अधिकारों का समर्थन करते हैं। भारत द्वीप राष्ट्र में तमिल समुदाय की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके लिए सम्मान तथा गरिमामय जीवन सुनिश्चित करने की मांग कोलंबो से करता रहा है। नौका सेवा जुलाई में दोनों देशों के नेताओं द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप शुरू की गई है। जयशंकर ने कहा, यह भारत और श्रीलंका के लोगों के बीच संपर्क की दिशा में हकीकत में बड़ा कदम है और प्रधानमंत्री मोदी एवं राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भी इसे स्वीकारा था। उच्च गति वाली इस नौका का संचालन शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया कर रहा है और इसकी क्षमता 150 यात्रियों की है। अधिकारियों के अनुसार, नागपत्तिनम और कांकेसंथुराई के बीच लगभग 60 समुद्री मील (110 किमी) की दूरी समुद्र की स्थिति के आधार पर लगभग साढ़े तीन घंटे में तय होगी। अपने संबोधन में जयशंकर ने भारत की पड़ोसी पहले की नीति के साथ ही पड़ोसी देशों के साथ कनेक्टिविटी और सहयोग बढ़ाने की कवायद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, और हम इस नौका के माध्यम से ठीक यही करना चाहते हैं। यह चेन्नई-जाफना के बीच संचालित उड़ानों में दिखाई दे रहा है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने मंजूरी दी है।जयशंकर ने कहा, इस तरह के कदम एक ऐसे प्रधानमंत्री का स्वाभाविक निर्णय हैं, जिसके दिल के तमिलनाडु काफी नजदीक है और जिन्होंने श्रीलंका में सभी के कल्याण में रुचि ली है।

दिल्ली की झुग्गियों और बस्तियों में 80 प्रतिशत लोग उप्र, बिहार, प. बंगाल के

28.7 प्रतिशत का जन्म दिल्ली में हुआ है

आरएनएम। नई दिल्ली

सीएसडीएस (सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज)ने यह पता लगाने के लिए एक सर्वे किया कि दिल्ली में दूसरे राज्यों के कितने और सबसे ज्यादा किन राज्यों के लोग रहते हैं। इसमें आया कि दिल्ली में झुग्गी बस्तियों व अनधिकृत बस्तियों के कुछ हिस्सों में दस में से आठ लोग तीन राज्यों- उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल से हैं। इनमें से ज्यादातर काम के लिए शहर चले गए। 78% से अधिक की पारिवारिक आय 20,000 रुपये प्रति माह से कम है। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले 1,017 लोगों के सैंपल साइज के साथ किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि उनमें से अधिकांश (45.5%) 10 वर्षों से अधिक समय से शहर में रह रहे हैं। जबकि 28.7% का जन्म यहीं हुआ। पिछले कई वर्षों की जनगणना रिपोर्ट में यह बात अच्छी तरह से स्थापित हो चुकी है कि दिल्ली प्रवासियों का शहर है। 2011 की जनगणना के अनुसार, दिल्ली में अंतर-राज्य प्रवासियों का अनुपात सबसे अधिक है। सीएसडीएस सर्वे यह जानने के लिए किया गया था कि शहर के घरेलू प्रवासी देश में दूरस्थ मतदान के प्रस्ताव के बारे में कैसा महसूस करते हैं। सर्वे से पता चलता है कि 27.8% लोग दूरस्थ मतदान में अपने मतपत्र की गोपनीयता पर काफी हद तक भरोसा करेंगे, अन्य 18.8% लोग कुछ हद तक इस पर भरोसा करेंगे। शहर में ज्यादातर प्रवासी युवा हैं, उनमें से 48.2% 35 वर्ष से कम आयु के हैं। जनसंख्या में भारी संख्या में पुरुष हैं झ दस में से छह पुरुष हैं, और 81.9% विवाहित हैं। सर्वे झुग्गी बस्तियों, झुग्गियों और अनधिकृत बस्तियों के सभी निचले घरों में किया गया था। सीएसडीएस के लोकनीति कार्यक्रम के सह-निदेशक संजय कुमार ने कहा, उत्तरदाता छोटे घरों में रहते थे, किसी के पास दो से अधिक कमरे नहीं थे। 60% से अधिक उत्तरदाताओं के पास मिडिल स्कूल से आगे कोई शिक्षा नहीं थी। एक चौथाई से अधिक गैर-साक्षर थे और केवल 8.5% या तो कॉलेज (स्नातक) में थे या उनके पास उच्च शैक्षणिक योग्यता थी। ज्यादातर के पास एलपीजी (83.7%) तक पहुंच थी, जबकि आधे से कुछ अधिक के पास टेलीविजन सेट (53%) थे। जबकि 84.2% लोगों के पास या तो बैंक या डाकघर खाता था, केवल लगभग 40% के पास एटीएम/डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड थे। 96% से अधिक के पास आधार कार्ड थे। केवल तीन में से एक व्यक्ति ने कहा कि उन्हें दिल्ली सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से लाभ हुआ है। उनमें से, लगभग 60% ने बिजली सब्सिडी का लाभ उठाया, जबकि 40% के पास मुफ्त राशन तक पहुंच थी। सरकार की मुफ्त पानी योजना से लगभग 27% को लाभ हुआ था।अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों का अनुपात सबसे अधिक 48% था। जबकि, लगभग 20% ने अपनी जाति नहीं बताई। कुमार का कहना है कि यह आंकड़ा कोई आश्चर्य की बात नहीं है। उन्होंने कहा, जाति और वर्ग के बीच बहुत मजबूत संबंध है, इसलिए जिन क्षेत्रों को लक्षित किया गया है।

महिलाओं को समानता ही नहीं, नेतृत्व का भी अवसर मिले : ओम बिरला

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को पार्लियामेंट 20 के तीसरे सत्र में कहा कि भारत में महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। हमारा मानना है कि महिलाओं को केवल समानता नहीं बल्कि सभी क्षेत्रों में नेतृत्व के अवसर मिलने चाहिए। यशोभूमि, द्वारका में आयोजित पार्लियामेंट 20 सम्मेलन में तीसरे सत्र का विषय एक परिवार-लैंगिक समानता को मुख्यधारा में लाना- महिला विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास तक रहा। बिरला ने लैंगिक समानता के लिए महिला विकास से महिला नेतृत्व वाले विकास पर जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में संवैधानिक व्यवस्था महिलाओं को सशक्तीकरण प्रदान करने के केंद्र में रही है। हाल ही में संविधान संशोधन कर केंद्र और राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी तथा निर्णय लेने और कानून बनाने में उनका योगदान भी बढ़ेगा। साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत और नगर पालिकाओं में राज्यों में मिलने वाले महिलाओं को 33 से 50 प्रतिशत आरक्षण का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा के लिए कई योजनाएं भारत में चलाई जा रही हैं।

राजस्थान में खड़े ट्रक से टकराई बस, 4 की मौत, 20 घायल

जयपुर। राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में शनिवार तड़के हुए एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 अन्य घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, लांबा डाबरा गांव के लोग शनिवार तड़के मंदिर में मत्था टेकने के लिए निकले थे, तभी प्रतापगढ़-बांसवाड़ा राजमार्ग पर कचोटियां गांव के पास तड़के साढ़े चार बजे उनकी बस सड़क पर खराब हालत में खड़े एक ट्रक से जा टकराई। सुहागपुरा के थानाधिकारी इंद्रजीत ने बताया कि हादसे में घायल लोगों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चार की मौत हो गई। वहीं, 20 अन्य घायल उपचाराधीन हैं। पुलिस के मुताबिक, हादसे की जांच की जा रही है।

टीवी एक्ट्रेस मृदुला ओबेरॉय सुसाइड सीन की शूटिंग के दौरान हुई बेहोश

एक्ट्रेस मृदुला ओबेरॉय इस समय अपने अपकमिंग शो 'बाघिन' की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने सुसाइड सीन की शूटिंग एक्सपीरियंस को साझा किया। उन्होंने कहा, हम अपने फाइनल शेड्यूल की शूटिंग कर रहे हैं और क्लाइमेक्स बहुत दिलचस्प है। मैं एक नेगेटिव रोल निभा रही हूं और अंत में मुझे अपनी गलती का एहसास होता है। अपराध बोध के चलते मैं सुसाइड की कोशिश करती हूं। मृदुला ने आगे कहा, मैं सेट पर सचमुच उस समय बेहोश हो गई जब मैं खुद को फांसी लगाने का सीन शूट करने वाली थी। यह डरावना और बहुत परेशान करने वाला था। मैं काफी इमोशनल हूं और व्यवस्थाओं को देखकर सब कुछ बहुत दुखद लग रहा था। उन्होंने कहा, जब मैं इमोशनल और दुखी होती हूं तो अक्सर मेरा ब्लड प्रेशर लो हो जाता है। उन्होंने कहा, "मैं ऐसी गंभीर परिस्थितियों को संभालते समय खुद को कमजोर पाती हूं, चाहे वह असल में हो या अभिनय के दौरान। मैं उन लोगों के लिए बहुत खुश हूं जो ऐसी स्थितियों की कभी कल्पना भी नहीं कर सकते। बहुत सी बातें सोच कर मेरी आंखों में आंसू आ गए।

नोरा को विद्युत जामवाल-स्टार 'क्रैक' के लिए कठोर शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा

अभिनेत्री नोरा फतेही को अभिनेता-मार्शल कलाकार विद्युत जामवाल के साथ फिल्म 'क्रैक-जीतेगा तो जिएगा' के लिए कठोर शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा। अपने खेल में शीर्ष पर रहने के लिए उन्हें कठोर शारीरिक प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा। यह उनके लिए बिल्कुल अलग था, क्योंकि नोरा फतेही ने वास्तव में एक्शन भूमिकाएं नहीं की हैं। ऐसे में, अपनी ताकत, चपलता और शारीरिक गठन के लिए उन्हें कठोर प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा। इसके अलावा, अपनी काया को आकार देने के लिए उन्होंने एक कठोर फिटनेस दिनचर्या अपनाई, जिसमें शक्ति प्रशिक्षण और लचीलेपन के व्यायाम शामिल थे, ताकि 'क्रैक -जीतेगा तो जिएगा' में शारीरिक रूप से मजबूत दिख सकें। उनके प्रशिक्षण के एक हिस्से में स्ट्रेचिंग के साथ-साथ मार्शल आर्ट में क्रैश कोर्स करना भी शामिल था। इस दौरान उन्हें अपनी सहनशक्ति बढ़ाने की जरूरत थी।

'बिग बॉस' में मेरी यात्रा एक रोलर कोस्टर राइड जैसी : सलमान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान 'बिग बॉस 17' को होस्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि रियलिटी शो के साथ उनकी यात्रा एक रोलर कोस्टर राइड के जैसी रही है। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने शो को न केवल बड़े पैमाने पर, बल्कि लोकप्रियता में भी बढ़ते देखा है। इस साल यह शो अलग-अलग तरह के नए एलिमेंट्स और एंटरटेनमेंट के साथ दर्शकों को बांधे रखेगा। इस साल की थीम भी कंटेस्टेंट्स के लिए एक चेतावनी है, 'इस बार गेम नहीं होगा, सबके लिए सेम टू सेम', इस बार तीन गेम-चेंजिंग मंत्र है- 'दिल, दिमाग और दम'... शो को होस्ट करना सलमान खान के लिए एनुअल ट्रेडिशन है, जिसके वार और रियलिटी चेक में ड्रामा और ग्लैमर का बड़ा डोज मिलेगा। 'बिग बॉस' के साथ अपने संबंध के बारे में बात करते हुए सलमान ने कहा, 'बिग बॉस' के साथ मेरी जर्नी एक रोलर कोस्टर राइड के अलावा और कुछ नहीं रही है। इन सालों में, मैंने शो को न केवल बड़े पैमाने पर, बल्कि लोकप्रियता में भी बढ़ते देखा है।" उन्होंने कहा, "दुनिया भर में लाखों भारतीयों के साथ जुड़ते हुए एक आवाज बनना बड़ी जिम्मेदारी है। शो का सबसे खास हिस्सा लोगों को बढ़ते देखना है।" 'दबंग' एक्टर ने कहा, "बिग बॉस के बारे में एक चीज जो कभी नहीं बदलेगी, वह है, इसकी अनप्रिडिक्टेबिलिटी। यह शो अलग-अलग बैकग्राउंड्स से आने वाले कंटेस्टेंट्स के व्यक्तित्व और प्रतिक्रियाओं पर निर्भर करता है।" उन्होंने कहा, "दूसरी चीज जो नहीं बदलेगी वह है दर्शकों से मिलने वाला प्यार। शो में चाहे कितनी भी योजना बनाई जाए, कंटेस्टेंट्स के बीच की गतिशीलता, उनके संघर्ष और उनके गठबंधन हमेशा दर्शकों को उत्साहित रखते हैं।" शो के 17वें संस्करण की मेजबानी पर, सलमान ने कहा, "इस बार, बिग बॉस कंटेस्टेंट्स के साथ अपने तरीके से गेम खेलेंगे। यह शो मनोरंजन, भावनाओं और नाटक के बारे में है। इस सीजन में तीन गेम-चेंजिंग मंत्र, दिल, दिमाग और दम... शुरूआत के साथ इन तीनों एलिमेंट्स को पूरी तरह से नए लेवल पर ले जाया जाएगा।

दिव्य

प्रधानमंत्री को मंत्रमुग्ध कर गई आदि कैलाश, जागेश्वर धाम यात्रा

कुमाऊं क्षेत्र में बढ़ी पर्यटन की आस

एजेंसी। देहरादून

उत्तराखंड के एक दिवसीय कुमाऊं दौरे से लौटे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आदि कैलाश और जागेश्वर धाम यात्रा उनके जीवन की ऐतिहासिक यात्राओं में शामिल हो गई है। यह बात प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा की है। इससे कुमाऊं क्षेत्र में भी पर्यटन बढ़ने की आस बढ़ गयी है। प्रधानमंत्री मोदी दो दिन पहले 12 अक्टूबर को कुमाऊं क्षेत्र में यात्रा पर गए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने आदि कैलाश और जागेश्वर धाम यात्रा से मंत्रमुग्ध होते हुए लिखा है कि यदि कोई मुझसे पूछे- यदि आपको उत्तराखंड में एक जगह अवश्य देखनी चाहिए तो वह कौन सी जगह होगी, तो मैं कहूंगा कि आपको राज्य के कुमाऊं क्षेत्र में पार्वती कुंड और जागेश्वर मंदिर अवश्य देखने चाहिए। प्राकृतिक सुंदरता और दिव्यता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। प्रधानमंत्री मोदी अपने दूसरी पोस्ट में लिखते हैं कि बेशक, उत्तराखंड में घूमने लायक कई प्रसिद्ध जगहें हैं और मैंने भी अक्सर उत्तराखंड का दौरा किया है। इसमें केदारनाथ और बदरीनाथ के पवित्र स्थान शामिल हैं, जो सबसे यादगार अनुभव हैं। लेकिन, कई वर्षों के बाद पार्वती कुंड और जागेश्वर मंदिर में लौटना विशेष रहा। इधर प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट के जवाब में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों की ओर से आभार प्रकट करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री जी आपके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखंड धार्मिक, आध्यात्मिक एवं साहसिक पर्यटन के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। आपके विजन के अनुरूप रोड, रेल और रोपवे निर्माण के माध्यम से श्रद्धालुओं के आवागमन को सुविधाजनक बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी आगे लिखते हैं कि प्रधानमंत्री जी के आदि कैलाश, पार्वती कुंड और जागेश्वर धाम के ऐतिहासिक भ्रमण से न केवल इन पवित्र स्थलों को नई पहचान मिली है बल्कि स्थानीय लोगों की समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। मानसखंड मंदिर माला मिशन को वैश्विक पहचान दिलाने एवं देवभूमि उत्तराखंड के प्रति आपके असीम स्नेह व प्रेम हेतु समस्त प्रदेशवासियों की ओर से आभार। प्रधानमंत्री मोदी के उत्तराखंड दौरे के दो दिन बाद साझा की गई पोस्ट उनके उत्तराखंड के प्रति लगाव को स्पष्ट दशार्ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने आदि कैलाश और जागेश्वर धाम यात्रा से देश दुनिया को न सिर्फ धर्म आध्यात्म का संदेश दिया बल्कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मानखंड मंदिर माला मिशन के विजन पर भी मुहर लगाई है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी का चार धाम यात्रा के प्रोत्साहन करने से इन पवित्र धामों में तीर्थयात्रियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस वर्ष यहां पर तीर्थयात्रियों की संख्या करीब 50 लाख पहुंचने की उम्मीद की जा रही है। अब प्रधानमंत्री के आदि कैलाश और जागेश्वर धाम के प्रोत्साहन से शायद यहां पर भी तीर्थयात्रियों का रुझान बढ़ेगा।

गागर में सागर

भारत, ब्राजील ने 2050 तक 50 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य रखा

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि भारत और ब्राजील ने द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक तिगुना करते हुए 50 अरब डॉलर तक ले जाने का महत्वकांक्षी लक्ष्य रखा है। भारत और ब्राजील के बीच इस समय द्विपक्षीय व्यापार 15.2 अरब डॉलर है। बर्थवाल ने कहा कि दोनों देश अगले तीन-चार साल में आपसी व्यापार को 30 अरब डॉलर पर ले जाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ₹हम इसे वर्ष 2030 तक 50 अरब डॉलर पर पहुंचाने के आकांक्षी लक्ष्य की तरफ देख रहे हैं। इस व्यापार में वृद्धि की व्यापक संभावनाएं हैं। बर्थवाल अक्टूबर की शुरूआत में दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा के लिए ब्राजील के दौरे पर गए थे। वहां पर उन्होंने भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी व्यवस्था (टीएमएम) की छठी बैठक की अध्यक्षता की थी। वाणिज्य सचिव ने इस दौरे पर भारत और ब्राजील के बीच बाजार पहुंच से संबंधित मुद्दों के अलावा सहयोग के नए क्षेत्रों पर भी चर्चा की गई। इस दौरान बाजार पहुंच से जुड़े मुद्दों और सहयोग के क्षेत्रों पर दो कार्य समूह भी बनाए गए।

ईएसआईसी ने अगस्त में 19.42 लाख नए सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अस्थायी पेरोल आंकड़ों के अनुसार अगस्त में 19.42 लाख नए ग्राहक जोड़े। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, "ईएसआईसी के अनंतिम पेरोल आंकड़ों के अनुसार अगस्त, 2023 में 19.42 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं। आंकड़ों के अनुसार अगस्त, 2023 में लगभग 24,849 नए प्रतिष्ठानों को पंजीकृत किया गया है। इस महीने जोड़े गए कुल 19.42 लाख कर्मचारियों में 25 वर्ष की आयु वर्ग तक के 9.22 लाख कर्मचारी हैं। यह आंकड़ा कुल कर्मचारियों का 47.48 प्रतिशत है। इस दौरान महिलाओं का शुद्ध नामांकन 3.73 लाख रहा है। आंकड़ों से पता चलता है कि अगस्त 2023 में कुल 75 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी ईएसआई योजना के तहत पंजीकरण कराया है।

मेगास्टार ने झारखंड में अपने उत्पाद को किया लॉन्च

रांची। मेगास्टार कंपनी ने शनिवार को झारखंड में अपने उत्पाद को लॉन्च किया। कंपनी के सीईओ सह एमडी अंकित भाटिया ने बताया कि कंपनी द्वारा निर्मित उत्पाद में स्टील के दरवाजे और खिड़कियां हैं जिसमें दीमक लगने की कोई परेशानी नहीं है, साथ ही दरवाजा स्टील का होने के के बाद लकड़ी की तरह दिखता है। हमारे दरवाजे में सुरक्षा के हिसाब से एक मजबूत लॉक के साथ सात चाबियां दी गई हैं।उन्होंने बताया कि हमने पूरे भारत में 70 डीलर बनाये हैं और मेगास्टार के शोरूम भी बनाए हैं। अब झारखंड में हमने टैनोट इन्फ्रा को डिस्ट्रीब्यूटर बनाया है जो पूरे झारखण्ड में डीलर बनाएंगे। हमारे पास दरवाजों के लगभग 30 डिजाइन हैं जो अलग-अलग साइज में भी उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि झारखण्ड में सर्वे किया तो पता चला कि यहां दीमक की बड़ी समस्या है। मेगास्टार का डोर लगाने से दीमक से मुक्ति मिलेगी। यदि आप स्टील के दरवाजे लगाते हैं तो आपकी पर्यावरण को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी। यदि हम पेड़ लगा नहीं सकते तो बचा तो सकते ही हैं। उन्होंने बताया कि स्टील का दरवाजा बहुत उपयुक्त होगा। मौके पर रंजन सिन्हा,अखिलेश कुमार, बढी प्रसाद, विकास कुमार सीमा देवी, एकता सिन्हा, उदय साहू और कंपनी के जीएम रुपेश झा उपस्थित थे।

अडानी ग्रुप के लिए मुश्किलें कम होने की जगह बढ़ती जा रही हैं

मिनिस्ट्री कर रही मुंबई के दो एयरपोर्ट के खाते की जांच

एजेंसी। नई दिल्ली

अडानी ग्रुप के लिए मुश्किलें कम होने की जगह बढ़ती जा रही हैं। अडानी एंटरप्राइजेस ने जानकारी दी है कि कॉरपोरेट मामलों का मंत्रालय मुंबई में स्थित अडानी ग्रुप के दो एयरपोर्ट्स के खातों की जांच कर रहा है। इससे पहले ही खबरें सामने आई थीं कि सेबी एक विदेशी फंड और अडानी ग्रुप के प्रमोटर्स के बीच संबंधों को लेकर जांच आगे बढ़ा रहा है। शेयर बाजार को भेजी जानकारी में अडानी एंटरप्राइजेस ने कहा कि अडानी एंटरप्राइजेस की स्टेप डाउन सब्सिडियरी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड और नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स के रीजनल डायरेक्टर हैदराबाद से 6 अक्टूबर को (12 अक्टूबर को प्राप्त हुआ) एक पत्र मिला है। इसमें बुक ऑफ अकाउंट और अन्य दस्तावेजों की जांच शुरू किए जाने की बात कही गई है। कंपनी के मुताबिक एमआईएएल और एनएमआईएएल का अधिग्रहण 2021-22 में किया गया था। मंत्रालय के द्वारा जो भी जानकारी या दस्तावेज मांगे गए हैं उसमें से अधिकांश इससे पहले की अवधि यानि 2017-18 से 2021-22 की अवधि के बीच के हैं। कंपनी नियमों के अनुसार इनका जवाब दे रही है। अडानी ग्रुप फिलहाल हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद उठे आरोपों में कई जांच का सामना कर रहा है। सेबी भी मामले में जांच कर रही है। हाल में आई रॉयटर्स की सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि सेबी अडानी ग्रुप और गल्फ एशिया ट्रेड एंड इनवेस्टमेंट के बीच संबंधों की जांच कर रही है। जनवरी में आई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि ऑफशोर शैल कंपनियों के जरिए शेयरों के मूल्यों को प्रभावित किया गया है। वहीं खबरें हैं कि गल्फ एशिया ने भी ग्रुप की कंपनियों में निवेश किया है। अब सेबी जांच रही है कि क्या इस फंड के जरिए हुई किसी डील में शेयर ओनरशिप नियम का उल्लंघन तो नहीं किया जा रहा है।

सौंध ने रांची में अपना पहला रिटेल स्टोर किया लॉन्च

नवीन मेल संवाददाता। रांची

रोजमर्रा के किफायती लक्जरी लेबल- सौंध ने रांची में अपने पहले रिटेल स्टोर का लॉन्च किया है, यह देश में सौंध का 32वां एक्सक्लुजिव आउटलेट है। इस मार्केट के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए सौंध ने मॉल ऑफ रांची, कुम्हारतोली में यह नया स्टोर खोला है जो उपभोक्ताओं के लिए वन स्टॉप शॉप की भूमिका निभाएगा। 900वर्गफीट से अधिक क्षेत्रफल में फैले इस स्टोर को आकर्षक इंटीरियर से सजाया गया है, जहां ब्राण्ड का वाइब्रेन्ट कलेक्शन उपलब्ध है। इस स्टोर में सौंध की ओर से वुमेन्स एवं मैन्स रेडी-टू-वियर परिधानों की सम्पूर्ण रेंज उपलब्ध होगी। इनमें कुर्ता सेट, ड्रैसेज, काफ्तान, टॉप एवं ट्यूनिक, जैकेट, फेस्टिव बंदीज आदि शामिल है। इस लॉन्च पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सरबजीत सलूजा, संस्थापक एवं सीईओ, सौंध ने कहा, रांची में सौंध का पहला स्टोर खोलते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है। यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है जो बेहतरीन फैशन को आपके करीब लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। हमें खुशी है कि हमें सदाबहार भव्यता के इस जुनून को रांची के साथ बांटने का मौका मिल रहा है। यह स्टोर का संचालन फ्रेंचाइजी पार्टनर शुभम लढ़ा एवं खुशबू गुप्ता द्वारा किया जा रहा है।अब तक सौंध रायपुर, सिलिगुड़ी, चेन्नई, मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और जयपुर सहित भारत के 20 शहरों में अपने आप को मजबूती से स्थापित कर चुका है।

एप्पल फेस्टिव सेल आज से होगी शुरू

आईफोन पर मिलेगा बेहतर डिस्काउंट

एजेंसी। नई दिल्ली

एप्पल की फेस्टिवल सेल 15 अक्टूबर से शुरू होगी। सेल में आई फोन मैक्स एयर पोड्स और आईपोड्स सहित एप्पल उत्पादों की एक श्रृंखला पर छूट मिलने की उम्मीद है। एप्पल की आधिकारिक वेबसाइट पर टिकर है जिसमें कहा गया है कि फेस्टिव सेल की बिक्री 15 अक्टूबर से शुरू हो रही है। साथ ही, प्रचार ईमेल ने भी पुष्टि की है कि बिक्री जल्द ही शुरू होगी। फेस्टिव सीजन सेल भारत में एप्पल के लिए साल की सबसे बड़ी सेल में से एक है। कंपनी आमतौर पर इस अवधि के दौरान अपने सभी उत्पादों पर छूट प्रदान करती है। पिछले वर्षों में, एप्पल ने आईफोन की खरीद पर मुफ्त एयर पोड्स की पेशकश की थी। इस साल, एप्पल द्वारा अपने नवीनतम उत्पादों पर समान छूट/सौदे की पेशकश करने की उम्मीद है, जिसमें आईफोन 15 सीरीज और एम 2 मैकबुक एयर शामिल हैं। कंपनी अपने पुराने प्रोडक्ट्स जैसे आईफोन 13, आईफोन 14 और एम1 मैक बुक एयर पर भी छूट दे सकती है। छूट के अलावा, एप्पल द्वारा फेस्टिव सीजन सेल के दौरान एक्सचेंज बोनस और बैंक ऑफर भी पेश किए जाने की उम्मीद है। एप्पल एयर पोड्स पर फ्री एन्ग्रेविंग जैसे ऑफर मिल सकते हैं। एक्सचेंज बोनस ग्राहकों को और भी अधिक पैसे बचाने में मदद कर सकता है, जब वे एक नया एप्पल उत्पाद खरीदते हैं और अपने पुराने उत्पाद को एक्सचेंज करते हैं। बैंक ऑफर ग्राहकों को उनकी खरीदारी पर छूट या कैशबैक प्रदान कर सकते हैं। एप्पल एक्सेसरीज, जैसे केस, कवर और चार्जर पर ऑफर हो सकते हैं। ऐप्पल फेस्टिव सीजन सेल की तैयारी कैसे करें, इसके बारे में यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं। अपना शोध करें और तय करें कि आप कौन से एप्पल उत्पाद खरीदना चाहते हैं। सर्वोत्तम सौदे खोजने के लिए विभिन्न वेबसाइटों और ऐप्स पर कीमतों की तुलना करें। बिक्री घोषणाओं और प्रोमो कोड के लिए सोशल मीडिया पर नजर रखें।

डिपॉजिटर्स को लुभाने के लिए 3 बैंकों ने बढ़ाईं ब्याज दरें

नई दिल्ली। लोगों से बैंकों में ज्यादा पैसा डिपॉजिट कराने के लिए तीन बैंकों ने नई तिमाही के दो सप्ताह के भीतर कुछ मैच्योरिटी अवधि की डिपॉजिट पर ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। इस पैसे का इस्तेमाल कर्जदारों को कर्ज देने के लिए किया जाएगा। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 3 साल तक की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दरें 50 आधार अंक तक बढ़ा दी हैं। इसका मतलब यह है कि अगर आप 3 साल तक के लिए पैसा डिपॉजिट करते हैं तो आपको अपनी एफडी पर ज्यादा ब्याज मिलेगा। यह ऑफर निवासी और अनिवासी भारतीयों दोनों के लिए उपलब्ध है। नई दरें 2 करोड़ रुपए से कम की डिपॉजिट पर लागू होती हैं और 9 अक्टूबर, 2023 से प्रभावी हैं। पुणे स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र (इडट) ने कुछ फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर ब्याज दरों में 125 आधार अंकों तक की बढ़ोतरी की है।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की भेजी मदद लेने से किया इंकार

काबुल। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच रिश्तों में तनाव अब सरेआम नजर आने लगा है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में जिस को तालिबान को सत्ता दिलाने में मदद की वही अब उसके लिए भस्मासुर बनता जा रहा है। दोनों के बीच रिश्ते इतने तल्ख हो चुके हैं कि तालिबान ने उससे किसी तरह की मदद लेने से भी इंकार कर दिया है। अफगानिस्तान में एक हफ्ता पहले आए भीषण भूकंप के बाद जब पाकिस्तान ने भूकंप पीड़ितों के लिए मदद भेजी तो तालिबान ने उसे साफ तौर पर ठुकरा दिया और कहा कि उसे पाकिस्तान से इस तरह की कोई मदद नहीं चाहिए। बता दें कि अफगानिस्तान में पिछले शनिवार को 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें कम से कम 1,000 लोग मारे गए और कई गांव प्रभावित हुए । इसके बाद पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को मदद देने की पेशकश की. पाकिस्तान के कार्यवाहक पीएम अनवारुल हक काकर ने आवश्यक सहायता के साथ बचाव और राहत दल भेजने की घोषणा की।

विदेश

बाइडेन ने हमास को बताया अलकायदा से ज्यादा खूंखार

नेतन्याहू गाजा पर हमले तेज करने के लिए तैयार

एजेंसी। युरूशलम

इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग का शनिवार (14 अक्टूबर) को आठवां दिन है। इजरायल की तरफ से लगातार गाजा पट्टी पर बम गिराए जा रहे हैं। हमास के एरियल ऑपरेशन को संभालने वाले प्रमुख सैन्य कमांडर को इजरायली एयरस्ट्राइक में ढेर कर दिया गया है। इजरायली सेना ने बताया कि मुराद अबु मुराद को हमास के उस ठिकाने पर ढेर किया गया, जहां से वह एरियल गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। इजरायल के गाजा के उत्तरी हिस्से को खाली करने के आदेश के बाद बड़ी संख्या में फलस्तीनियों ने गाजा के दक्षिणी हिस्से की ओर रुख करना शुरू कर दिया है। लोगों के हटने के बाद जमीनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कुल मिलाकर 11 लाख लोगों को उत्तरी गाजा से दक्षिणी गाजा जाना पड़ रहा है। वहीं, हमास ने लोगों से कहा है कि उन्हें पलायन करने की जरूरत नहीं है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इजरायल-हमास युद्ध के आठवें दिन अब तक क्या-क्या हुआ है। इजरायल गाजा पट्टी के उत्तर में मौजूद गाजा सिटी में अपनी सैन्य कार्रवाई पर फोकस कर रहा है। वह लगातार हमास के खिलाफ अपने हमले तेज कर रहा है। इजरायली डिफेंस फोर्स के प्रवक्ता जॉनथन कोनरिकस ने कहा, 'गाजा सिटी वो जगह है, जो हमास की गतिविधियों का हब है। हमारा ध्यान यहीं है। यही वजह जगह है, जहां हमास के ज्यादातर कमांडर छिपे हुए हैं। अरबी में दिए मैसेज में इजरायल डिफेंस फोर्स ने उत्तरी गाजा के लोगों से कहा कि उन्हें निकासी कोरिडोर के जरिए सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक दक्षिणी हिस्से की ओर बढ़ जाना चाहिए। इजरायली सेना ने कहा कि अगर आप खुद से या फिर अपने प्रियजनों से प्यार करते हैं, आपको दक्षिण की ओर जाने का आदेश दिया जाता है। हमास के नेताओं का ख्याल वो खुद रख रहे हैं और वह खुद छिप कर बैठे हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनकी सरकार हमास के खिलाफ अप्रत्याशित ताकत के साथ हमला करने के लिए तैयार है। अब तक गाजा में जवाबी कार्रवाई में 1900 लोगों की मौत हुई है। इजरायल की तरफ से लगातार हमास के ठिकानों को निशाना बनाने के लिए एयरस्ट्राइक की जा रही है। गाजा पर इजरायल ने अब तक 6000 से ज्यादा बम गिराए हैं। इजरायली सेना ने शनिवार को लेबनान के रास्ते सीमा पार कर देश में घुसने की कोशिश कर रहे कई आतंकियों को मार गिराया है।

पेज एक के शेष

झारखंड का...

सावित्रीबाई फुले समृद्धि योजना से जोड़ा जा रहा है। प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी से लेकर मेडिकल इंजीनियरिंग और अन्य कोर्सेज की पढ़ाई के लिए सरकार आर्थिक मदद कर रही है। यहां के बच्चे विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करें, इसके लिए उन्हें शत प्रतिशत स्कॉलरशिप दी जा रही है। उत्कृष्ट विद्यालयों में बच्चों को निजी विद्यालयों की तर्ज पर शिक्षा दी जा रही है। इसके अलावा शिक्षा से जुड़ी कई योजनाएं चल रही हैं, जो यहां के नौजवानों का भविष्य संवारने का काम कर रहे हैं।

सामाजिक सुरक्षा देना सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के गरीबों और जरूरतमंदों को सामाजिक सुरक्षा देना सरकार की विशेष प्राथमिकता है। इसी कड़ी में हमारी सरकार ने यूनिवर्सल पेंशन स्कीम के माध्यम से सभी बुजुर्गों, दिव्यांगों और विधवाओं को सामाजिक सुरक्षा पेंशन दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा की कोई भी बुजुर्ग पेंशन से वंचित न रहे इसके लिए अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

अब आपको अपने घर पर ही मिलेगा योजनाओं का लाभ : मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से पंचायतों में शिविर लगाकर लाखों लोगों की समस्याओं का समाधान और उन्हें योजनाओं से जोड़ने का काम किया गया । अब एक बार फिर यह कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। अधिकारी आपके घरों पर जाकर आपको सरकार की योजनाओं की ना सिर्फ जानकारी देंगे बल्कि इसका लाभ दिलाने का भी काम करेंगे। झारखंड एक ऐसा राज्य है, जहां के अधिकारी दूर-दराज और सुदूर गांवों में जाकर आपके दरवाजे पर आपकी परेशानियों का समाधान कर रहे हैं। यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा।

छात्रावासों का हो रहा जीर्णोद्धार : मुख्यमंत्री ने कहा कि अब सरकारी छात्रावास में रहने वाले छात्र छात्राओं को सिर्फ अपने पढ़ाई पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्हें घर से दाल-चावल ले जाने की जरूरत नहीं है। सरकार छात्रावास में खाद्य सामग्रियों के साथ रसोईया और सिक्योरिटी गार्ड की भी व्यवस्था करेगी। राज्य में जितने भी छात्रावास हैं उन सभी का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। जल्द और नए छात्रावास भी बनाये जाएंगे।

हर वर्ग और हर तबके लिए है योजनाएं : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के हर वर्ग और तबके की जरूरत और कल्याण को ध्यान में रखकर सरकार योजनाएं बना रही हैं। हर योजना लोगों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, फूलो झानो आशीर्वाद योजना, सोना -सोबरन धोती साड़ी योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना और नीलांबर पीतांबर जल समृद्धि जैसी कई योजनाओं के माध्यम से राज्य और राज्यवासियों का विकास हो रहा है। आप इन योजनाओं की जानकारी लें और खुद को अपने पैरों पर खड़ा करने के साथ राज्य को मजबूती प्रदान करके में सहयोग करें। इस मौके पर मंत्री जोबा मांझी, विधायक निरल पूर्ति, दीपक बिरुवा, सुखराम उरांव, सविता महतो, दशरथ गगराई के अलावा पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त एवं वरीय पुलिस अधीक्षक समेत जिला प्रशासन के कई अधिकारी मौजूद रहे।

टीएसपीसी के...

के सदस्य अरुण प्रजापति, नरेश कुमार और जितेंद्र कुमार शामिल हैं। गिरफ्तार हुए सभी उग्रवादी का पूर्व का आपराधिक इतिहास रहा है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार हुए टीपीसी उग्रवादी संगठन के सब जोनल कमांडर प्रभात, विशु सहित सभी पांचों उग्रवादी चतरा जिला में कोयला कारोबारी और रेलवे ठेकेदार के लिए आतंक का पर्याय बने हुए थे। इन सभी उग्रवादियों के जरिये बीते 30 मई को टंडवा स्थित रेलवे कंस्ट्रक्शन साइट में लगे पोकलेन मशीन को जला दिया गया था। इसके अलावा 23 सितम्बर को पिपरवार थाना क्षेत्र के पूणार्डीह कोल परियोजना में इनके जरिये आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया था। साथ ही टीएसपीसी उग्रवादी संगठन के बलवंत के नाम पर भी पिपरवार क्षेत्र में कई लोगों से लेवी की भी मांग की गई थी। एसपी ने बताया कि सब जोनल कमांडर प्रभात उर्फ विरासत गंझू के खिलाफ लातेहार जिले के बालूमाथ और चतरा जिले के टंडवा, सिमरिया और पिपरवार थाना में कुल 14 मामले दर्ज हैं। सब जोनल कमांडर विशु के खिलाफ रांची जिले के खलारी, बुढ़मू और चतरा जिले के टंडवा और पिपरवार थाने में 11 मामले दर्ज हैं। अरुण प्रजापति, नरेश भोक्ता और जितेंद्र कुमार के खिलाफ पिपरवार थाना में दो मामले दर्ज हैं। छापेमारी टीम में टंडवा प्रभारी विजय कुमार सिंह, गोविंद कुमार, विवेक कुमार, रुपेश कुमार महतो सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

पुलिस मुठभेड़ में ...

मानवता का परिचय देते हुए हेलीकॉप्टर के जरिए एयरलिफ्ट कर उसे बेहतर इलाज के रांची भेजा। रांची में नक्सली का अस्पताल में बेहतर इलाज करवाया जा रहा है।आईजी अभियान अमोल होमकर ने बताया की पुलिस का मकसद किसी भी नक्सली को मारना नही है।हमे सर्च अभियान के दौरान घायल नक्सली मिला ,जिसे उसके साथी उसे मरने के लिए छोड़ फरार हो गए थे।हमने उसे जंगल से रेस्क्यू किया और उसकी जान बचाने के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया और अब उसका इलाज चल रहा है।

मुख्यमंत्री कल...

नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। नियुक्ति पत्र पाने के बाद राज्य के विभिन्न जिलों में ये शिक्षक पदस्थापित किए जाएंगे। जिन जिलों में ये शिक्षक नियुक्त किए जाएंगे उनमें पश्चिम सिंहभूम, गिरिडीह, लातेहार, पलामू, दुमका, चतरा, पूर्वी सिंहभूम, गढ़वा, हजारीबाग, रांची, गुमला, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, बोकारो, कोडरमा, धनबाद और पाकुड़ शामिल हैं। इन जिलों में संगीत, इंग्लिश, हिंदी, संस्कृत, अरबी, फारसी, बायोलॉजी, केमिस्ट्री, इतिहास-नागरिक जैसे विषयों के शिक्षक नियुक्त किए जायेंगे। इससे पहले मई महीने में 3469 माध्यमिक शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया गया था।

झारखंड में सुबह ...

में तेजी से गिरावट दर्ज की जायेगी, जो चार डिग्री तक की गिरावट होगी। जानकारी है कि नवंबर के शुरूआती दिनों में बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव क्षेत्र बनने की संभावना है, जिसका असर राज्य में कितना होगा ये आने वाले दिनों में जानकारी होगी। रांची की बात करें तो तापमान में गिरावट दर्ज की जायेगी। संभावना है कि इस दौरान न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस तक होगी।

किसानों की...

किए जाने वाले दोपहिया वाहनों की मांग में कमी आई है, जो हाल के महीनों में मासिक बिक्री संख्या में गिरावट से परिलक्षित होता है।

खरीदे जाने वाले ट्रैक्टरों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। सरकार के वाहन पोर्टल में संकलित आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2023 में फार्म ट्रैक्टरों के केवल 49,007 पंजीकरण हुए, जो अगस्त में 68,431 और जुलाई में 84,473 थे।

चावल, गेहूं, दालों और मसालों की बढ़ती कीमतें चिंता का कारण बनकर उभरी हैं। खुदरा मुद्रास्फीति के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि सब्जियों और खाना पकाने के तेल की कीमतों में गिरावट के कारण सितंबर में खाद्य मुद्रास्फीति घटकर 6.56 प्रतिशत हो गई है, लेकिन दालों की कीमतें 16.38 प्रतिशत बढ़ गईं, जबकि मसालों की कीमतें 23.06 प्रतिशत बढ़ गईं। अनाज की कीमतें 10.95 फीसदी बढ़ गईं। सरकार ने गेहूं और गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए भी हस्तक्षेप किया। प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया है जिससे किसानों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है क्योंकि उनकी कमाई में गिरावट देखी गई है। इन दुर्लभ वस्तुओं की कीमतों को कम करने के लिए खाद्य तेल और दालों पर आयात शुल्क भी कम किया गया है।

कृषि क्षेत्र के भविष्य पर प्रभाव डालने वाला एक अन्य महत्वपूर्ण कारक पानी की मात्रा है जो वर्तमान में देश के विभिन्न राज्यों के जलाशयों में उपलब्ध है। भारत की लगभग 80 प्रतिशत बारिश दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान होती है जिससे देश के जलाशय भी भर जाते हैं। इनका उपयोग अगले कृषि मौसम के दौरान सिंचाई के लिए किया जाता है। इस साल कम बारिश के कारण, जलाशयों में पानी का भंडारण पिछले साल का लगभग 75 प्रतिशत होने की सूचना है, जो आगामी रबी सीजन में कृषि उत्पादन को प्रभावित कर सकता है।

युद्ध का असर — इजराइल और फिलिस्तीन के युद्ध से महंगाई बढ़ने का आसार

स्मार्ट टेलीविजन और वाशिंग मशीन की बढ़ेगी कीमत

एजेंसी। युरूशलम

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच तेजी से युद्ध बढ़ने और ईरान, लेबलान जैसे देशों के इस वार में शामिल होने की आशंका के कारण भारत में लोगों को और महंगाई का सामना करना पड़ सकता है। गौरतलब है कि रूस और युक्रेन वार की वजह से ग्लोबल स्तर पर गेहूं, चावल और अन्य खाद्य उत्पादों की कीमत में इजाफा देखा गया था। अब इजराइल और फलस्तीन के युद्ध से ग्लोबल कच्चे तेल की आपूर्ति लोगों के घर का बजट बिगाड़ सकती है। इससे जुड़े प्रोडक्ट के दाम में तेज इजाफा होने की आशंका है। पिछले सप्ताह के दौरान कच्चे तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई थी और इसके दाम में इजाफा हुआ था। विगत शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 2 डॉलर बढ़कर 87 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया था। आशंका है कि ईरान भी इस वार में शामिल हो सकता है। ईरान कच्चा तेल का प्रमुख उत्पादक देश है। ऐसे में आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ सकती हैं। ऐसे में कच्चे तेल पर निर्भर प्रोडक्ट्स के दाम बढ़ सकते हैं। बिजनेस टूडे के मुताबिक, एक्सपट्र्स का मानना है कि युद्ध अगर कुछ और दिनों तक जारी रहता है तो जीवाश्म ईंधन पर निर्भर वस्तुओं के दाम तेजी से बढ़ेंगे। कहा जा रहा है कि स्मार्ट टेलीविजन, वॉशिंग मशीन और अन्य वस्तुओं की कीमतें बढ़ने की संभावना है। भारतीय मार्केट में त्योहारी सीजन के लिए इन चीजों के स्टॉक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं, जिस कारण इनकी कीमतें स्थिर रहेंगी। हालांकि इसके बाद वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा सकती है। कच्चे माल की सप्लाई प्रभावित होने से प्लास्टिक और अन्य वस्तुओं के दाम में इजाफा हो सकता है। डेली यूज वाली वस्तुओं पर भी युद्ध का असर देखने को मिल सकता है। एफएमसीजी सेक्टर की वस्तुओं के दाम में इजाफा देखने को मिल सकता है। गौरतलब है कि देश में एफएमसीजी कंपनियां पहले से ही कम डिमांड से जूझ रहे हैं।

ईरान कच्चा तेल का प्रमुख उत्पादक देश है। ऐसे में आने वाले समय में कच्चे तेल की कीमतें और बढ़ सकती हैं

विश्व कप : भारत ने पाक को सात विकेट से हराया

एजेंसी। अहमदाबाद

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर के अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने विश्व कप के 12वें मैच में पाकिस्तान को सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ ही भारत अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गया, साथ ही पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय टीम का विश्व कप में जीत का रिकॉर्ड 8-0 हो गया। इस मैच में पाकिस्तान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 42.5 ओवर में केवल 191 रनों पर सिमट गई। जवाब में भारत ने 30.3 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाकर सात विकेट से जीत हासिल की। 192 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत खराब रही और तीसरे ही ओवर में 23 रनों के कुल स्कोर पर शुभमन गिल 16 रन बनाकर शाहिन शाह अफरीदी की गेंद पर आउट हो गए। गिल के आउट होने के बाद रोहित ने कोहली के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी की। इस दौरान रोहित ने काफी तेज बल्लेबाजी की और पाकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर खबर ली और अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि कोहली इस दौराम 79 के कुल स्कोर पर 16 रन बनाकर अफरीदी के दूसरे शिकार बने। दूसरे छोर पर कोहली ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी। 22वें ओवर में रोहित हसन अली का शिकार बने। रोहित ने 63 गेंदों में 6 चौके और 6 छक्कों की बदौलत 86 रन बनाए। इसके बाद श्रेयस अय्यर और केएल राहुल ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और भारत को 30.3 ओवर में जीत दिला दी। अय्यर ने चौका लगाकर भारत को जीत दिलाई

और अपना अर्धशतक भी पूरा किया। अय्यर 53 और राहुल 19 रन बनाकर नाबाद रहे। जसप्रीत बुमराह (7 ओवर 19 रन 2 विकेट) को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। पाकिस्तान की ओर से शाहिन शाह अफरीदी ने 2 और हसन अली ने 1 विकेट लिया। इससे पहले पाकिस्तान की पूरी टीम 42.5 ओवर में 191 रनों पर सिमट गई। पाकिस्तान के लिए कप्तान बाबर आजम ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 50 रन बनाए। बाबर के अलावा मोहम्मद रिजवान ने 49, इमाम उल हक ने 36 और अब्दुल्लाह शफीक ने 20 रन बनाए। इस मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पाकिस्तान को अब्दुल्लाह शफीक और इमाम उल हक ने सधी शुरूआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 41 रन जोड़े। 41 के कुल स्कोर मोहम्मद सिराज ने शफीक को एलबीडब्ल्यू कर भारत को पहली सफलता दिलाई। शफीक ने 20 रन बनाए। इसके बाद 73 के कुल स्कोर पर हार्दिक पांड्या ने इमाम को राहुल के हाथों कैच कराकर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। यहां से बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने तीसरे विकेट के लिए 82 रनों की साझेदारी कर पाकिस्तान का स्कोर 155 तक पहुंचाया, यहां से लग रहा था कि पाकिस्तान एक बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेगी, लेकिन तभी सिराज ने बाबर आजम को बोल्ड को भारत को तीसरी सफलता दिलाई। बाबर ने 58 गेंदों पर 7 चौकों की बदौलत 50 रन बनाए। बाबर के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए सउद शकील कुछ खास नहीं कर सके और 162 के कुल स्कोर पर केवल 6 रन बनाकर कुलदीप यादव की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। कुलदीप ने इसके बाद इफ्तिखार अहमद (04) को बोल्ड कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। जसप्रीत बुमराह ने इसके बाद मोहम्मद रिजवान (49) और शाजाब खान (02) को बोल्ड कर पाकिस्तान का स्कोर 7 विकेट पर 171 रन कर दिया। 187 के कुल स्कोर पर हार्दिक पांड्या ने मोहम्मद नवाज (04) को आउट कर भारत को आठवीं सफलता दिलाई। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने 187 के ही स्कोर पर पहले हसन अली (12) और फिर हारिस रऊफ (02) को आउट कर पाकिस्तान की पारी का अंत किया। पाकिस्तानी टीम 42.5 ओवर में 191 रनों पर सिमट गई। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पांड्या, कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए।

स्कोर बोर्ड

पाकिस्तान	रन	बॉल	4	6
अब्दुल्लाह शफीक	20	24	3	0
इमाम-उल-हक	36	38	6	0
बाबर आजम	50	58	7	0
मोहम्मद रिजवान	49	69	7	0
सऊद शकील	6	10	0	0
इफ्तिखार अहमद	4	4	1	0
शादाब खान	2	5	0	0
मोहम्मद नवाज	4	14	0	0
हसन अली	12	19	2	0
शाहीन शाह अफरीदी	2	10	0	0
हारिस रउफ	2	6	0	0

अतिरिक्त : 04, **कुल :** 191/10 (42.5 ओवर)
विकेट पतन: 1-41, 2-73, 3-155, 4-162, 5-166, 6-168, 7-171, 8-187, 9-187, 10-191. डीआरएस
गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह 7-1-19-2, मोहम्मद सिराज 8-0-50-2, हार्दिक पंड्या 6-0-34-2, कुलदीप यादव 10-0-35-2, रवींद्र जाडेजा 9.5-0-38-2, शार्दुल ठाकुर 2-0-12-0

भारत	रन	बॉल	4	6
रोहित शर्मा	86	63	6	6
शुभमन गिल	16	11	4	0
विराट कोहली	16	18	3	0
श्रेयस अय्यर	53	62	3	2
के एल राहुल	19	29	2	0

अतिरिक्त : 02, **कुल :** 192/3 (30.3 ओवर)
विकेट पतन: 1-23 , 2-79 , 3-156 . डीआरएस
गेंदबाजी : शाहीन शाह अफरीदी 6-0-3-2, हसन अली 6-0-34-1, मोहम्मद नवाज 8.3-0-47-0, हारिस रउफ 6-0-43-0, शादाब खान 4-0-31-0

वर्ल्ड कप 2023 पॉइंट्स टेबल

टीम	मैच	जीत	हार	नेट प्वाइंट्स	नेट प्वाइंट्स
भारत	3	3	0	6	+1.821
न्यूजीलैंड	3	3	0	6	+1.604
सा. अफ्रीका	2	2	0	4	+2.360
पाकिस्तान	3	2	1	4	-0.137
इंग्लैंड	2	1	1	2	+0.553
बांग्लादेश	3	1	2	2	-0.699
श्रीलंका	2	0	2	0	-1.161
नीदरलैंड्स	2	0	2	0	-1.800
ऑस्ट्रेलिया	2	0	2	0	-1.846
अफगानिस्तान	2	0	2	0	-1.907

अनुराग ठाकुर ने एएनओसी के महासचिव से की मुलाकात

एजेंसी। मुंबई

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शनिवार को मुंबई में एसोसिएशन ऑफ नेशनल ओलंपिक कमेटी (एएनओसी) की महासचिव गुनिला लिंडबर्ग से मुलाकात की। एएनओसी एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है जो अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा मान्यता प्राप्त वर्तमान 206 राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों (एनओसी) को संबद्ध करता है। आईओसी का 141वां सत्र रविवार को मुंबई में शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में सत्र का उद्घाटन करेंगे। बता दें कि ठाकुर ने शुक्रवार शाम को मुंबई में प्रमुख खेल हस्तियों और अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधियों के साथ दो द्विपक्षीय बैठकें कीं थीं। अनुराग ठाकुर ने पहली द्विपक्षीय बैठक विश्व रोइंग फेडरेशन के अध्यक्ष जीन-

क्रिस्टोफ रोलैंड के साथ की, जबकि दूसरी द्विपक्षीय बैठक इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष लॉर्ड सेबेस्टियन कोए के साथ की। द्विपक्षीय बैठकें भारतीय एथलीटों के समग्र स्वास्थ्य और प्रदर्शन में सुधार के लिए खेल विज्ञान और चिकित्सा में विशेषज्ञता साझा करने पर केंद्रित थीं। इसके अलावा बैठक में प्रशिक्षण पद्धतियों और उपकरणों में नवीनता लाने और अन्य क्षेत्रों की तरह खेलों में डिजिटल कोचिंग और प्रशिक्षण के उपयोग के लिए अनुसंधान पहल पर सहयोग पर चर्चा की गईं।

झारखंड वुमेंस एशिया हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी में 6 देशों की टीमें लेंगी हिस्सा

विभाग ने जारी किया ट्रॉफी टूर प्रोग्राम का शेड्यूल

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य में हॉकी के खेल को बढ़ावा देने के लिये झारखंड वुमेंस एशिया हॉकी चैंपियनशिप ट्रॉफी-2023 का आयोजन हो रहा है। खेल को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से राज्य के सभी जिलों में ट्रॉफी टूर प्रोग्राम आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगता में एशिया देशों की कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें शामिल हैं। खेल विभाग ने ट्राफी टूर प्रोग्राम का शेड्यूल जारी करते हुए जानकारी दी है कि ट्राफी का आयोजन राज्य के विभिन्न शहरों में किया जा रहा है।

इन शहरों में होगा ट्रॉफी टूर प्रोग्राम

13 अक्टूबर 2023	रांची
14 अक्टूबर 2023	देवघर और गोड्डा
15 अक्टूबर 2023	साहेबगंज और पाकुड़
16 अक्टूबर 2023	दुमका और जामताड़ा
17 अक्टूबर 2023	धनबाद, बोकारो, सरायकेला और चाईबासा
18 अक्टूबर 2023	गिरिडीह, जमशेदपुर और कोडरमा
19 अक्टूबर 2023	रामगढ़ और हजारीबाग
20 अक्टूबर 2023	चतरा और पलामू
21 अक्टूबर 2023	गढ़वा और लातेहार
22 अक्टूबर 2023	लोहरदगा और गुमला
23 अक्टूबर 2023	सिमडेगा
24 अक्टूबर 2023	खूंटी

आंद्रे रुबलेव, उगो हम्बर्ट को 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा

शंघाई। एटीपी शंघाई मास्टर्स में अपना बदला चुकता करते हुए आंद्रे रुबलेव ने उगो हम्बर्ट को 6-2, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कुछ दिन पहले रूबलेव और हम्बर्ट का बीजिंग में मैच हुआ थ। उस समय हम्बर्ट ने रुबलेव को हराया था। रुबलेव ने कहा, बीजिंग में मैच में हम दोनों ने शानदार टेनिस खेला और मेरे पास मौके थे। मैं मैच के लिए सर्विस कर रहा था। वह उस मैच में अच्छा खेल रहा था। मैंने बाद में देखने की कोशिश की कि मैंने उस मैच में क्या गलत किया। उन्होंने कहा, मैंने आज वही गलतियां नहीं की और मैंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। मैं सीधे सेटों में जीतकर खुश हूं। मैंने शानदार मैच खेला और आज जीतकर मैं खुश हूं। सेमीफाइनल में रुबलेव का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा।

हार के बावजूद भारतीय टीम के प्रदर्शन को स्थानीय प्रशंसकों ने खूब सराहा

एजेंसी। कुआलालंपुर

मडेर्का टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मेजबान मलेशिया के हाथों 2-4 की दिल दहला देने वाली हार के बावजूद भारतीय फुटबॉल टीम के प्रदर्शन को स्थानीय प्रशंसकों ने खूब सराहा। एआईएफएफ की रिपोर्ट के अनुसार, मडेर्का टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मेजबान मलेशिया के हाथों चौथी हार के बाद, बुकित जलील स्टेडियम में भीड़ के सामने भारत के प्रदर्शन को मैदान में मौजूद स्थानीय प्रशंसकों ने खूब सराहा। मैच के बाद भारतीय ड्रेसिंग रूम उदास था, लेकिन निराशा की वह भावना जल्द ही आत्मनिरीक्षण में बदल गई। कोच और खिलाड़ी इन सबसे गुजरे, अच्छा, बुरा और बदसूरत; जो लोग अपने प्रदर्शन से खुश नहीं थे उन्होंने अपनी गलतियाँ स्वीकार कीं और अच्छे प्रदर्शन करने वालों को निराश करने के लिए माफी मांगी। यह सब उस चीज का अभिन्न अंग है जो एक टीम को एक ऐसी टीम बनाती है जिसमें कोई 'मैं' नहीं है। हम एक साथ जीतते हैं, हम एक साथ पीड़ित होते हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम बुरे समय में एक-दूसरे का साथ निभाते हैं।

भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक स्पष्ट रूप से जिस तरह से चीजें घटीं उससे खुश नहीं थे, लेकिन उन्होंने उन चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जिनमें ब्लू टाइगर्स को सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, कुछ स्थितियों में, हम समय पर गेंद को बॉक्स में नहीं डाल रहे थे। हम अधिकतर बहुत लंबे समय तक इंतजार कर रहे थे और क्रॉस अवरुद्ध हो रहे थे, या हमें अपने शॉट लेने में बहुत अधिक समय लगा। फुटबॉल में, एक बार जब आप बॉक्स के करीब पहुंच जाते हैं, तो आपको यह सोचते रहना पड़ता है कि आप गोल कैसे करेंगे। हमें अपनी निर्णय लेने की क्षमता में सुधार करने की जरूरत है।" स्टिमैक की भावनाओं को कप्तान सुनील छेत्री ने दोहराया, जिन्होंने शुक्रवार रात भारत के लिए दूसरा गोल किया, जो उनके करियर का 93वां अंतरराष्ट्रीय गोल था।

छेत्री ने कहा, यह अनुमान लगाना सही नहीं है कि यदि कुछ निर्णय हमारे अनुकूल होते तो क्या होता। ऐसा कहने के बाद, अगर लक्ष्य को 3-3 पर अनुमति दी जाती, तो हमारे लिए चीजें अलग हो सकती थीं। इसके लिए हम स्वयं दोषी हैं। हमने चौथा गोल खा लिया जबकि हमें अच्छे से बचाव करना चाहिए था। यह कम से कम हमारे नियंत्रण में था।" छेत्री ने कहा, "हमारे पास गति थी, हम दूसरे हाफ में खेल पर नियंत्रण कर रहे थे, लेकिन चौथे गोल ने इसे खत्म कर दिया।"

दिन के अंत में, भारतीय फुटबॉल टीम को तैयारी के लिए बड़ी लड़ाइयों का सामना करना पड़ेगा। दो विश्व कप क्वालीफायर, 16 नवंबर को कुवैत में और 21 नवंबर को मौजूदा एशियाई चैंपियन कतर के खिलाफ घरेलू मैदान पर, ब्लू टाइगर्स के लिए कम से कम कठिन मुकाबले होंगे। ये मैच उन्हें 2024 में एएफसी एशियाई कप में निश्चित रूप से और भी कठिन कार्यों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से भी काम करते हैं, जहां ग्रुप बी में उनका सामना ऑस्ट्रेलिया (13 जनवरी), उज्बेकिस्तान (18 जनवरी) और सीरिया (23 जनवरी) से होगा।

मलेशिया के खिलाफ नतीजा दुखदायी होगा. शायद एक दिन के लिए, शायद दो दिन के लिए. शायद एक हफ्ते के लिए भी, लेकिन यह प्रदर्शन सभी के देखने और ढेर सारी आशा की चुस्कियाँ लेने के लिए मौजूद था।

नीरज चोपड़ा एक पीढ़ी को आगे बढ़ा सकते हैं: एश्टन ईटन

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली हाफ मैराथन के 18वें संस्करण में यहां 'बियॉन्ड द फिनिश लाइन' कार्यक्रम में कुछ एशियाई खेलों के चैंपियनों का जश्न मनाया गया। एशियाई खेलों के पदक विजेता एचएस प्रणय, प्रीति लांबा, अन्नू रानी, कार्तिक कुमार, सौरव घोषाल और ऐश्वर्या प्रताप सिंह तोमर द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सुमा शिरूर की उपस्थिति में कार्यक्रम में मौजूद थे।

एचएस प्रणय ने कहा, 2018 तक चीजें अच्छी चल रही थीं। उसके बाद चीजें खराब होने लगीं, चोटों और स्वास्थ्य समस्याओं ने मेरी प्रगति को पटरी से उतार दिया। लेकिन यहीं पर बहुत से लोगों के समर्थन ने मेरी मदद की, मुझे विश्वास दिलाया कि यह खत्म नहीं हुआ है, और समझ आया कि खेल ऐसा ही है। कठिन दौर आएंगे, लेकिन आपको कड़ी मेहनत करते रहना होगा। कोविड-19 महामारी के बाद, मैंने रीबूट करने और नए सिरे से शुरूआत करने का फैसला किया। इतने वर्षों में मैंने जो भी मेहनत की थी, उसका फल मिल रहा है और अनुभव ने मुझे अपने शरीर का प्रबंधन करना सिखाया है।" एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता अन्नू रानी, एशिया के सबसे तेज लंबी दूरी के धावकों में से एक, कार्तिक कुमार और सम्मानित अनुभवी सौरव घोषाल ने अपने दृढ़ संकल्प और अनुशासन के बारे में बात की, जिससे उन्हें कुछ बड़ी बाधाएं तोड़ने में मदद मिली। अन्नू रानी ने कहा, मैंने विदेश जाकर प्रशिक्षण लेने की अनुमति देने के लिए अपने महासंघ से लड़ाई की। हालाँकि, मैंने अपने कार्यकाल की शुरूआत अच्छी नहीं की और कई प्रतियोगिताएँ हार गयी । लेकिन मेरा ध्यान एशियाई खेलों को जीतने पर था, यह मेरे लिए करो या मरो जैसा था और अंततः मैं हांगझोउ में इस अवसर पर पहुंचने में सफल रही , और एक ओलंपिक और पूर्व विश्व चैंपियन के खिलाफ जीत हासिल की। यह सब पहले की गई कड़ी मेहनत का नतीजा था।" एक और व्यक्ति जो एक एथलीट के रूप में रैंकों में आने के बारे में सब कुछ जानता है, जिसे सिस्टम से उचित समर्थन मिला है, वह दो बार के ओलंपिक चैंपियन एश्टन ईटन हैं। अमेरिकी शीर्ष खिलाड़ी अभी भी एकमात्र एथलीट है जिसने डिकैथलॉन में दो बार 9000 अंक का आंकड़ा पार किया है। एश्टन ईटन ने कहा, वह माइकल जॉनसन थे, जिन्होंने अपने सुनहरे स्पाइक्स और अद्भुत प्रदर्शन से एक पीढ़ी को प्रेरित किया, और नीरज चोपड़ा निश्चित रूप से भारतीय एथलेटिक्स के साथ ऐसा कर सकते हैं, और कभी-कभी आपको बस यही चाहिए होता है।

आर्कटिक ओपन 2023 के सेमीफाइनल में पहुंची सिंधु

एजेंसी। वंता

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु वंता एनर्जिया में आर्कटिक ओपन 2023 महिला एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। सिंधु ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में वियतनाम की थ्यू लिन्ह गुयेन को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। पीवी सिंधु ने दुनिया की 26वें नंबर की शटलर को लगातार तीन गेमों में 20-22, 22-20 और 21-18 से हराया। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 इवेंट आर्कटिक ओपन 2023 के परिणाम, पेरिस 2024 ओलंपिक

के लिए क्वालीफाइंग रैंकिंग में गिने जाएंगे। सिंधु ने इस साल 14 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टूनामेंट खेले हैं। इनमें वह एक बार फाइनल, दो-दो बार सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं।

उम्मीद | भारत 2036 में शीर्ष एथलेटिक्स स्पर्धाओं होगा , बोले सेबेस्टियन कोए

ओलंपिक की मेजबानी करते देखना पसंद करूंगा

एजेंसी। मुंबई

विश्व एथलेटिक्स के प्रमुख सेबेस्टियन कोए ने शनिवार को यहां कहा कि उनका संगठन भारत को उसकी आर्थिक क्षमता के कारण विस्तार के लिए एक प्रमुख बाजार मानता है और वह देश को अपने कुछ प्रमुख आयोजनों की मेजबानी करते देखना चाहता है।

भले ही एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) ने अभी तक 2027 में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए आधिकारिक तौर पर बोली नहीं लगाई है और अभी भी चर्चा मोड में है, विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष लॉर्ड सेबेस्टियन कोए ने कहा कि वह चाहते हैं कि भारत भी इस प्रतियोगिता का आयोजन करे। उन्होंने कहा कि भारत में बड़े आयोजनों की मेजबानी करना ट्रैक और फील्ड के विकास के लिए अच्छा होगा।

लॉर्ड कोए ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता में कहा, मैं ऐसा इसलिए नहीं कह रहा हूं क्योंकि मैं भारत की यात्रा पर हूं।

मैं चाहता हूं कि भारत हमारे अधिक से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन करे। यह हमारे लिए महत्वपूर्ण है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार है (हमारे लिए)। आपके पास सबसे बड़ी आबादी है दुनिया में, और आपकी अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है, शायद वास्तविक अर्थों में संयुक्त राज्य अमेरिका से भी मजबूत। ये बहुत महत्वपूर्ण संपत्तियां हैं जो तब सामने आती हैं जब विश्व खेल परिदृश्य पर नजर डालता है।

एएफआई अध्यक्ष और विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने कहा कि उनके संगठन को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए औपचारिक बोली लगाने का निर्णय लेने में कुछ और दिन लगेंगे, जिसका अगला संस्करण 2025 में टोक्यो, जापान में आयोजित किया जाएगा।

भारत भी 2036 ओलंपिक के लिए औपचारिक बोली पर विचार कर रहा है, लॉर्ड कोए ने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि जिन देशों में क्षमता, अर्थव्यवस्था, राजनीतिक इच्छाशक्ति और खेल जुनून है वे प्रमुख आयोजनों के आयोजन के लिए आगे आएं।

हालाँकि उन्होंने कहा कि वह देश में अपने खेल को बढ़ावा देंगे। उन्होंने कहा कि वह भारत में ओलंपिक खेलों को देखना पसंद करेंगे।

लॉर्ड ने कहा, बहुत स्पष्ट कारणों से, आंशिक रूप से व्यक्तिगत और आंशिक रूप से परिचित कारणों से, लेकिन भारत एक अद्भुत देश है और मुझे लगता है कि खेलों का विकास शानदार होगा। मुझे लगता है कि हर कोई इसे पहचानता है। लेकिन इस पर फैसला अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को करना है। कोए अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के 141वें सत्र में भाग लेने के लिए मुंबई में हैं।

आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक ने भी 2036 में ओलंपिक की मेजबानी की उम्मीद कर रहे भारत के पक्ष में बात की थी।